04 - बिहार में जातीय समीकरणों की राजनीति से ऊपर का फैसला

05 - नेहरु युग का सिनेमा : दृष्टि, संवाद और सांस्कृतिक निर्माण का युग

A Daily News Magazine

इंदौर

शनिवार, 15 नवम्बर, 2025

06 - जनजातीय गौरव दिवस- भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अनलिखे अध्यायों को नमन

07 - कलेक्टर ने किया सीहोर-श्यामपुर कृषि उपज मंडी एवं...

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 52, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

प्रसंगवश

यह मोदी मैजिक, निश्चय नीतीश और मैनेजमेंट की जीत है...

अजय बोकिल

लेखक सुबह सवेरे के कार्यकारी प्रधान संपादक हैं।

संपर्क-

9893699939

ajaybokil@gmail.com

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की सुनामी के मूल में मुख्य रूप से तीन कारण हैं मोदी मैजिक, निश्चय नीतीश और कुशल चुनाव मैनेजमेंट। इस चुनाव में प्रतिद्वंद्वी महागठबंधन की दयनीय पराजय इस बात का अलार्म है कि विपक्ष को अपनी रणनीति, चुनाव प्रबंधन और जनता की नब्ज पकड़ने वाले राजनीतिक ऑक्सीमीटर पर नए सिरे से विचार करना होगा। बिहार के नतीजों ने यह भी साफ कर दिया है कि सोशल मीडिया और चंद बुद्धिजीवियों द्वारा बनाई नकली हवा को 'मायासभा' मानकर की जाने वाली राजनीति का परिणाम यही होता है। विपक्षी नेता यह मान बैठे थे कि 'वोट चोरी', करोड़ों नौकरियां देने, पलायन रोकने, वक्फ कानून फाड़ देने जैसी असंवैधानिक बातें करके और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा चुनाव आयोग को गाली देकर चुनाव जीत लेंगे। लेकिन अपने वोट डलवाने के लिए सुव्यवस्थित चुनाव प्रबंधन और जनता का भरोसा चाहिए। एनडीए जिस बम्पर जीत की पताका फहरा रहा है, वह बिहार में 2010 के विधानसभा चुनाव नतीजों को दोहराने जैसा है। लेकिन ताजा जीत उससे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण इसलिए है, क्योंकि इस बार 20 साल की एंटी एनकम्बेंसी को मात देकर यह जीत हासिल हुई है।

बिहार में एनडीए की यह विजय आरंभिक आंतरिक विवादों, मनमुटावों आशंकाओं के बावजूद मतदान की तारीख आते-आते एक समन्वित, सामंजस्यपूर्ण और निश्चित लक्ष्य के साथ किए गए चुनाव प्रचार की भी जीत है। चुनाव की घोषणा से पहले जीत की जमीन लक्षित मतदाता समूहों को ध्यान में रखकर की गई लोक लुभावन योजनाओं की घोषणाओं और उन पर अमल (जिसे आम बोलचाल में रेवड़ी कहा जाता है) से तैयार की गई। मतदाताओं में यह विश्वास पैदा किया गया कि आर्थिक सशक्तिकरण के नाम पर सौगातों की यह बारिश सत्ता में वापसी के बाद भी जारी रहेगी। फिर चाहे वह डेढ़ करोड़ महिलाओं के खाते में 10 हजार रू. नकद हों, गरीबों को घर हों, गांव में बिजली हो, बेरोजगार ग्रेजुएटों को दो साल तक 1 हजार रू. प्रतिमाह भत्ता हो या फिर दिव्यांगों, बुजुर्गों, निराश्रितों की पेंशन बढ़ाकर लगभग तिगुनी करना हो, लोगों के आर्थिक सशक्तिकरण की ये बारूदी सुरंगें थीं, जो चुनाव के पहले बड़ी चतुराई से बिछा दी गई थीं। उन्हीं का विस्फोट प्रचंड जनादेश के रूप में 14 नवंबर को हुआ। इसके अलावा लालू प्रसाद यादव के समय के 'जंगलराज' को बार-बार याद दिलाया गया। बिहार की जनता अराजकता के उस दौर में नहीं लौटना चाहती थी। इन तमाम उपायों ने नीतीश सरकार के प्रति एंटी इनकम्बेंसी को प्रो-इनकम्बेंसी में बदल दिया। ऐसा नहीं है कि इसकी काट के रूप में महागठबंधन ने कुछ नहीं किया। महागठबंधन के सबसे बड़े घटक राजद के नेता और मुख्यमंत्री पद के दावेदार तेजस्वी यादव ने इतनी बड़ी-बड़ी और हवाई घोषणाएं कर डालीं कि खुद घोषणाओं का खुद पर से भरोसा उठने लगा। अमूमन ऐसी घोषणाएं राजनीतिक दल तभी करते हैं, जब भीतर उन्हें यकीन हो कि वो सत्ता में नहीं आने वाले, यानी रात गई, बात गई। चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दो बड़े फैक्टर थे। दोनों ने अपने वोट बैंक को न केवल सहेजे रखा, बल्कि उसमें भारी इजाफा भी किया। मोदी की अपील तो हर वर्ग में है, जबकि नीतीश ने साबित किया कि अति पिछड़ों और महिलाओं में उनकी पैठ को कोई चुनौती नहीं दे सकता।

बेशक विपक्ष बिहार में एकदम बैक फुट पर नहीं खेल रहा था। लेकिन सत्ता में आने का अतिआत्मविश्वास, लेकिन घटक दलों में परस्पर अविश्वास, शुरू से लेकर अंत तक समन्वय का अभाव उसकी लुटिया डुबो गया। मसलन तेजस्वी तब तक चुनाव प्रचार में नहीं उतरे, जब तक कि उन्हें सीएम पद का दावेदार घोषित नहीं करवा लिया गया। कांग्रेस के सबसे बड़े नेता राहुल गांधी चुनाव ऐलान के एक माह पूर्व 'वोट चोरी' मुद्दा उठाकर सियासी तवा गरम कर गए, लेकिन बाद में सही वक्त पर रोटी पलटने के लिए नहीं आए। हालांकि प्रचार के दौरान उन्होंने मछली पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वो भी हाथ से फिसल गईं। उधर उपमुख्यमंत्री बनने को बेताब और पिछले साल तेजस्वी यादव के साथ नवरात्रि में मछली खाने का वीडियो जारी करने वाले मुकेश सहनी को डिप्टी सीएम बनाने के ऐलान ने भी पूरे महागठबंधन की लुटिया डुबोई। इसका पूरा फायदा असदुद्दीन ओवैसी ने उठाया। उन्होंने सवाल किया कि दो परसेंट वाला वोट वाला अगर डिप्टी सीएम घोषित हो सकता है तो 18 प्रतिशत मुस्लिम वोट में क्या राजद को एक भी व्यक्ति उपमुख्यमंत्री पद के काबिल नजर नहीं आया?

इस बार चुनाव में 10 फीसदी ज्यादा वोट पड़ने के बाद कयास लगाए जा रहे थे कि यह किस के पक्ष में जाएगा? ज्यादा वोटिंग को अपने पक्ष में मानकर महागठबंधन ने शपथ ग्रहण की तैयारी भी कर ली थी। लेकिन जैसे ही नतीजे विपरीत आने शुरू हुए, चुनाव आयोग को कोसा जाने लगा। वैसे यह पहले से तय था कि अगर विपक्षी गठबंधन जीता तो इसे मोदी और नीतीश की हार तथा चुनाव आयोग द्वारा विपक्ष को हराने की कथित कोशिशों को नाकाम करना बताया जाएगा। और हारे तो ईवीएम, चुनाव आयोग और एसआईआर पर ठीकरा फोड़ा जाएगा। उसकी शुरूआत हो चुकी है।

बिहार चुनाव नतीजों ने पारंपरिक मान्यताओं को भी तोड़ा है। ये शायद पहली बार है, जब बिहार में जातीय गोलबंदी पर साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण हावी हुआ है। योगी आदित्यनाथ ने जिन 43 सीटों पर चुनाव प्रचार किया, भाजपा उनमें से 32 सीटें जीत रही है। राजद, कांग्रेस और वामदल मुसलमानों के वोट बैंक को अपनी एफडी मानते आए हैं, उसमें ओवैसी ने सेंध लगा दी है और मुसलमानों में यह सोच गहराया है कि उनका अपना भी कोई नेता होना चाहिए। इसी तरह राजद का यादव वोट भी दरका है। मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को यह महती जिम्मेदारी दी गई थी। उन्होंने जिन यादव बहुल 26 सीटों पर प्रचार किया, उनमें से ज्यादातर भाजपा के खाते में गई हैं। राजद के एमवाय समीकरण की जगह महिला यूथ का एक नया समीकरण उभरा है, जिसने एनडीए की जीत में अहम भूमिका नहीं निभाई। जिन प्रशांत किशोर को बड़ा खिलाड़ी माना जा रहा था, लगता है उन्हें अब फिर से अपने धंधे में लौटना पड़ेगा। यानी चुनावी रणनीतिकार खुद भी चुनाव जीते जरूरी नहीं है।

यह लगभग तय है कि नीतीश कुमार फिर पांचवी बार सीएम होंगे। इसका कारण उनकी लोकप्रियता तो है ही, केन्द्र की एनडीए सरकार की मजबूती के लिए भी उनके समर्थन की जरूरत है। इन नतीजों का असर दूसरे राज्यों पर भी दिखाई देगा। विपक्षी नेता सार्वजनिक रूप से कुछ भी कहें लेकिन पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में 'एसआईआर' का मुद्दा उन्हें चुनाव नहीं जितवा पाएगा। अलबत्ता सभी सत्तारूढ़ पार्टियां रेवड़ी कल्चर को तेजी से अपनाएंगीं ताकि मतदाता का भरोसा जीता जा सके। इस चुनाव के बाद एनडीए आत्मविश्वास और बढ़ेगा तथा राज्य सभा में भी उसकी ताकत बढ़ेगी।

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

एनडीए की 'छप्परफाड़' जीत

● हर ओर एक ही ललकार, बिहार में फिर से नीतिशे कुमार ● रिकॉर्ड जीत के साथ बिहार में जेडीयू-बीजेपी की बम-बम

महागठबंधन के सबसे बुरे हाल,बड़े-बड़े दिग्गज चुनाव हारे

पटना (एजेंसी)। बिहार चुनाव के नतीजे लगभग साफ हो गए हैं। 243 सीटों के परिणाम में एनडीए ने लगभग क्लीन स्वीप कर लिया है। बिहार के मतदाताओं ने अबकी बार एनडीए को ऐतिहासिक जीत दी है। एनडीए को 2020 के मुकाबले 65 से ज्यादा सीटों का फायदा हो रहा है, वहीं महागठबंधन को लगभग इतनी ही सीटों का नुकसान हो रहा है। पिछली बार 43 सीटों पर सिमटी जेडीयू इस बार 75+ पहुंच गई है। यानी नीतिश कुमार 10वीं बार सीएम पद की शपथ ले सकते हैं। वहीं 92 सीटों पर बढ़त के साथ बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। महागठबंधन में राजद 24 सीटों पर जीत की ओर है जबकि 61 सीटों पर लड़ रही कांग्रेस सिर्फ 1 सीट पर सिमट गई है। 243 सीटों पर लड़ रही प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज का खाता तक नहीं खुला है।

बिहार के लोगों ने गर्दा उड़ा दिया

बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने दिल्ली में शुक्रवार शाम को बिहार में एनडीए की जीत पर कहा कि बिहार के लोगों ने गर्दा उड़ा दिया। अब कट्टा सरकार कभी वापस नहीं आएगी। उन्होंने छठी मईया के जयकारे भी लगाए। वे शाम 6 बजकर 51 मिनट पर पीएम भाजपा मुख्यालय पहुंचे। उन्होंने कार्यकर्ताओं का गमछा लहराकर अभिवादन किया। इस दौरान सारे कार्यकर्ताओं ने भी गमछा लहराया। इस मौके पर सबसे पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि जनता ने जंगलराज के खिलाफ को विकास चुना। पीएम मोदी ने कहा कि बिहार के चुनाव में जब मैं जंगलराज और कट्टा सरकार की बात करता था, तब आरजेडी के लोग तो कुछ नहीं कहते थे, लेकिन कांग्रेस के लोगों को यह बहुत चुभता था। मैं बार-बार कहता था। अब कट्टा सरकार वापस नहीं आएगी। पीएम मोदी ने मंच से सबसे पहले छठी मईया का जयकारे लगाए। उन्होंने कहा कि ये प्रचंड जीत, अटूट विश्वास, बिहार के लोगों ने बिल्कुल गर्दा उड़ा दिया। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में समाज के सभी वर्गों का आशीर्वाद मिला। महागठबंधन समाज को बांटने की राजनीति कर ही थी। तुष्टिकरण की राजनीति कर रही थी।

बिहार में 90 सीटों के साथ पहली बार बीजेपी नंबर-1

बिहार में प्रचंड साथ एनडीए स बना रही है। 90 पर बीजेपी, 84 सीटों पर जेडीयू और 29 सीटों पर उसकी सहयोगी पार्टियां आगे चल रही हैं। पहली बार बिहार में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनी है। पिछले 25 साल में ये तीसरा मौका है जब एनडीए में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनी है। इससे पहले 2000 और 2020 में भी बीजेपी नंबर वन थी।

एनडीए की डबल सेंचुरी, यह तो सुनामी है, विपक्ष के नामी दिग्गज नाम के ही रह गए...

बिहार में एनडीए को जो सफलता मिली है, उसका अनुमान गठबंधन के बड़े-बड़े नेताओं ने भी नहीं किया था। यहां तक कि बिहार में एनडीए की बड़ी जीत का अनुमान लगाने वाले लगभग सभी एग्जिट पोल तक यह भांप नहीं पाए थे कि वहां सत्ताधारी बीजेपी-जेडीयू गठबंधन के पक्ष में लहर चल रही है। सिर्फ एक एक्जिट पोल को छोड़कर किसी ने एनडीए की इतनी बड़ी जीत की भविष्यवाणी नहीं की थी। बाकी ने जो सबसे ज्यादा सीटें भी दी थीं, वह भी अधिकतम 167 पर जाकर अटक गए थे। जबकि, केंद्रीय गृहमंत्री और बीजेपी के दिग्गज रणनीतिकार अमित शाह ने 243 सीटों में 160 से अधिक सीटें आने की संभावना जताई थी लेकिन जब परिणाम आया तो एनडीए की सुनामी रही और आंकड़ा 200 पार पहुंच गया।

शाह बोले-

बिहारवासियों का एक-एक वोट भारत की सुरक्षा और संसाधनों से खेलने वाले घुसपैठियों और उनके हितैषियों के खिलाफ मोदी सरकार की नीति में विश्वास का प्रतीक है। वोटबैंक के लिए घुसपैठियों को बचाने वालों को जनता ने करारा जवाब दिया है। बिहार की जनता ने पूरे देश का मूड बता दिया है कि मतदाता सूची शुद्धिकरण अनिवार्य है और इसके खिलाफ राजनीति की कोई जगह नहीं है।

एग्जिट पोल भी नहीं लगा पाए अनुमान

बिहार विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण यानी 11 नवंबर,2025 को या उसके बाद जो अधिकतर एग्जिट पोल आए, उनमें से लगभग सभी ने एनडीए की बड़ी

जीत की भविष्यवाणी की थी। लेकिन, किसी ने यह अनुमान नहीं लगाया था, जो परिणाम देखने को मिला है। सिर्फ एक एग्जिट पोल, पोल डायरी ने एनडीए को 184 से 209 सीटें मिलने की भविष्यवाणी की थी। बाकी सब फेल रहे।

शरद की सुबह

कल जहाँ धमाका हुआ था
आज वहाँ खून के दाग मिट चुके हैं
सारा कबाड़ भी हटाया जा चुका है।
आज की सुबह भी वैसी ही है
जैसी हर सुबह होती है
उजली और उमंग भरी
बच्चे स्कूल जा रहे हैं
बस्ता सँभाले
पर कुछ घरों में स्कूल यूनीफार्म
बिना पहने रखे हुए हैं
लोग काम पर जा रहे हैं
हाथों में टिफिन लिए हुए
पर कुछ घरों में टिफिन
बिना भरे रखे हुए हैं
सड़कों पर भीड़ है तेज़ कदमों से
चलती हुई
पर कुछ घरों में जूते चप्पल
बिना पैरों के हो गए हैं।
कल ही उसने मनाया था अपने पापा को
जन्मदिन के लिए नई फ्रॉक खरीदने
के लिए
वह उमंग से दुकान में घुस ही रही थी
कि धमाका हुआ
वह जिस फ्रॉक को पसंद करती
वह अब भी वहीं रखी है।
बहुत दूर से महानगर पढ़ने आया
वह छात्र क़िताब खरीद कर खुशी-खुशी
लौट रहा था कि धमाका हुआ
अब कोई उसके घर फोन लगाएगा
और सबसे भयानक सूचना देगा।
आज शहर सामान्य है
धमाके के बाद देश नहीं मिटा
कुछ नहीं बदला
फिर तुम्हें क्या मिला आतंकवादी ?
हाँ, कुछ हँसते-खेलते घरों को
तुमने जीवन भर की उदासी
ज़रूर दे दी है
क्या यही तुम्हारा उद्देश्य था ?

- चंद्रशेखर साकल्ले

जनजातीय गौरव दिवस वह शंखनाद है, जिसने जननायकों के बलिदान और शौर्य का परिचय नई पीढ़ी से कराया : मुख्यमंत्री

हमारी धरती-हमारा राज : पानसेमल और वरला में उद्वहन सिंचाई परियोजना मंजूर

भोपाल (नप्र)। हमारी धरती-हमारा राज। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश जनजातियों का अपना घर है, जिस ट्राइबल स्टेट भी कहा जाता है। यह उपमा ही हमारे अस्तित्व का सबसे बड़ा अभिनंदन है। जनजातियां, हमारी मुकुट मणियां हैं, यह प्रत्येक मध्यप्रदेशवासी के लिए अत्यंत गौरव और सम्मान की बात है। अबुआ दिशुम-अबुआ राज यानी हमारी धरती, हमारा राज। हमारी धरती और संस्कृति ही हमारी पहचान है और इसी पहचान का उत्सव हम सब आज बड़वानी में मना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनजातीय गौरव दिवस वह शंखनाद है, जिसने नई पीढ़ी को वीर जननायकों के बलिदान, शौर्य और साहस से परिचित कराया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को बड़वानी जिले की पानसेमल विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मोरतलाई में जनजातीय गौरव दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्राम मोरतलाई में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की भव्य आदमकद प्रतिमा का लोकार्पण किया। साथ ही बड़वानी जिले के लिए 133 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले 6 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं 5 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इसमें 46 करोड़ से अधिक की लागत से तैयार राजपुर से दवाना मार्ग का लोकार्पण और 14 करोड़ 86 लाख रूपए की लागत से सेंधवा में नवीन शासकीय महाविद्यालय भवन, बलवाड़ी का भूमिपूजन शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर पानसेमल और बारला में उद्वहन सिंचाई परियोजना के विस्तार की घोषणा करते हुए कहा कि अब क्षेत्र के सभी 51 गांवों के किसानों को सिंचाई के लिए जल दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने पानसेमल में रेस्टहाउस बनाने और यहीं पर अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) का कार्यालय (एसडीओपी आफिस) खोलने, टेमला में हायर सेकेंडरी स्कूल खोलने, मोरतलाई के मिडिल स्कूल को हायर सेकेंडरी स्कूल में प्रोन्नत करने एवं रायचूर में उपलब्ध हाई स्कूल को हायर सेकेंडरी स्कूल में प्रोन्नत करने की घोषणा की।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 27 °c | न्यूनतम 23°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शनिवार, 15 नवंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

यूपी में अब एक कॉल पर बनेगी बुजुर्गों की पेंशन

20 प्रस्तावों पर कैबिनेट की मुहर

लखनऊ (एजेंसी)। योगी सरकार ने 65 साल बुजुर्गों को तोहफा दिया है। अब उन्हें वृद्धावस्था पेंशन के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। इसे लेकर योगी सरकार ने सिस्टम में बदलाव किया है। कैबिनेट ने बैठक में पेंशन भुगतान योजना पर मुहर लगा दी है। पहले जो बुजुर्ग पेंशन बनवाने तहसील से लेकर जिलाधिकारी दफ्तर तक भटकते थे। अब सरकार उन्हें खुद फोन करेगी और पूछेगी-आपकी आयु 60 साल की हो गई है, क्या आप वृद्धावस्था पेंशन लेना चाहते हैं। सहमति देने पर एक आसान प्रक्रिया के बाद पेंशन बन जाएगी। इसके अलावा, 19 और प्रस्ताव भी पास हुए हैं। मंत्रिमंडल बैठक में भारतीय महिला क्रिकेट टीम को वर्ल्ड कप जीत पर बधाई दी गई। समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने बताया कि वृद्धावस्था पेंशन देने में कई कठिनाई आ रही थी। इसलिए सरकार ने फैमिली आईडी सॉफ्टवेयर तैयार किया है। इसके जरिए सरकार को वृद्धावस्था पेंशन के लिए पात्र लोगों की जानकारी मिलेगी। साथ ही आगामी तीन महीने में कौन लोग 60 वर्ष की आयु पूरी करेंगे, जानकारी मिलेगी।

बिहार जीत की बधाई के लिए अखिलेश को भेजेंगे 11 किलो लड्डू

केशव प्रसाद मौर्य का बड़ा ऐलान

लखनऊ (एजेंसी)। बिहार चुनाव 2025 के रुझानों ने अब नतीजों की तस्वीर साफ कर दी है। एनडीए बिहार में सरकार बनाने जा रही है। इस चुनाव में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने आ रही है। बिहार चुनाव में बीजेपी सह प्रभारी की भूमिका निभाने वाले यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि हम 2010 के नतीजों को दोहराने जा रहे हैं। इस जीत का श्रेय पीएम मोदी, नीतिश कुमार और बिहार की जनता को जाता है, क्योंकि एनडीए का चुनाव जनता ने लड़ा था। केशव प्रसाद मौर्य ने सपा मुखिया अखिलेश यादव को 11 किलो लड्डू भेजने की बात कही है। केशव ने पटना एयरपोर्ट पर अखिलेश यादव से हुई मुलाकात का भी जिक्र किया है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि बिहार चुनाव में मेरी भूमिका बड़ी रही, ये कहना गलत है।

कांग्रेस-आरजेडी के हारते ही अखिलेश की धमकी

कहा-जो खेल बिहार में हुआ, यूपी में नहीं हो पाएगा

लखनऊ (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजों में महागठबंधन की करारी हार और एनडीए को मिली प्रचंड जीत का असर पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में भी दिखने लगा है। समाजवादी पार्टी के मुखिया और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने चुनौती देते हुए कहा है कि जो खेल बिहार में खेला गया है, वो उत्तर प्रदेश में नहीं हो पाएगा। अखिलेश यादव ने अपने एक्स (ट्विटर) हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि भारतीय जनता पार्टी चुनाव जीतने के लिए छल करती है। शुक्रवार को आए नतीजों के बाद अखिलेश यादव ने अपनी पोस्ट में लिखा, बिहार में जो खेल एसआईआर ने किया है, वो पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, यूपी और बाकी जगह पर अब नहीं हो पाएगा, क्योंकि इस चुनावी साजिश का अब भंडाफोड़ हो चुका है। अब आगे हम ये खेल, इनको नहीं खेलने देंगे।

ड्राइवर को झपकी आई, कार उड़कर खाई में गिरी

शादी से लौट रहे परिवार के 5 लोगों की मौत, अंधाधुंध स्पीड का वीडियो सामने आया

रतलाम (नप्र)। रतलाम में एक कार बेकाबू होकर खाई में गिर गई। हादसे में पांच लोगों की मौत हुई है। इनमें 15 साल का बच्चा और 60 साल के बुजुर्ग शामिल हैं। हादसा सीसीटीवी कैमरे में कैद हुआ है।

एक्सीडेंट रतलाम जिले के रावटी थाना अंतर्गत भीमपुरा गांव के पास माही नदी ब्रिज के पहले हुआ। सुबह करीब साढ़े 7 बजे महिंद्रा एसयूवी 700 दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर रेलिंग तोड़कर नीचे जा गिरी।

पुलिस के मुताबिक, हादसा ड्राइवर को झपकी आने के कारण हुआ। कार सवार चार लोग मुंबई जबकि एक गुजरात के वडोदरा का रहने वाला है। वे दिल्ली से मुंबई जा रहे थे। सभी शवों को रतलाम मेडिकल कॉलेज में रखा गया है।

नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया के डायरेक्टर संदीप पाटीदार ने कहा- जिस जगह दुर्घटना हुई, उससे 10 फीट दूर स्पीड गन लगी है। इससे पता लगा है कि गाड़ी की स्पीड करीब 150 किलो मीटर प्रति घंटा थी।

परिजनों ने की मृतकों की पहचान- गुजरात के वडोदरा से

मृतकों के परिजन शाम 4.30 बजे रतलाम मेडिकल कॉलेज पहुंचे। इंदौर से भी कुछ लोग पहुंचे। सभी मृतकों की शिनाख्त की। हादसे में रसूल अहमद (71) पिता मोहम्मद इशाक चौधरी निवासी कुर्ला मुंबई, इनका बेटा अब्दुल खालिक (40) पिता गुलाम रसूल, दुर्रेज (39) पिता अजमल कुर्ला मुंबई एवं दानिश (34) पिता मोहम्मद उस्मान निवासी वडोदरा व इनका बेटा मोइद्दीन (9) की मौत हुई है। दुर्रेज गाड़ी चला रहा था।

यूपी के गोंडा शादी में गए थे- सभी मृतक एक ही परिवार के हैं। मूल रूप से यूपी के गोंडा के रहने वाले हैं। मृतक रसूल अहमद की बहन की बेटी और बेटे की शादी 8 अक्टूबर को थी। उसी में परिवार गया था। गोंडा से गुरुवार दोपहर परिवार के सदस्य अलग-अलग गाड़ियों में निकले थे। एक गाड़ी के परिवार के सदस्य कानपुर रुक गए थे। बाकी यह लोग वहां से दिल्ली होकर रवाना हो गए थे।

दूसरी गाड़ी में बैठा बच्चा- मृतक बच्चा मोइद्दीन दूसरी गाड़ी में अपने बड़े पापा के साथ था। कानपुर से पिता के साथ गाड़ी में बैठ गया। रसूल आयुर्वेदिक डॉक्टर थे, जो कि रिटायर्ड हो चुके। अब्दुल और दुर्रेज का आईटी का कामकाज है। दानिश गुजरात में एक कंपनी में एचआर है।

सीएम के बेटे-बहू सामूहिक विवाह सम्मेलन में लेंगे 7 फेरे

उज्जैन में 5 दिन तक चलेंगी शादी की रस्में ; खास लोगों को ही निमंत्रण

उज्जैन/भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के छोटे बेटे डॉ. अभिमन्यु यादव की शादी खरगोन की डॉ. इशिता से सामूहिक विवाह समारोह में होगी। करीब 5 दिन तक चलने वाले कार्यक्रम के लिए उज्जैन में दो होटल बुक किए गए हैं। कुछ रस्में उज्जैन स्थित सीएम हाउस यानी वीआईपी आवास जबकि कुछ अथर्व होटल में होंगी।

अभिमन्यु-इशिता के फेरे 30 नवंबर को अथर्व होटल के पास मैदान में हो रहे सामूहिक सम्मेलन में होंगे। रिसेप्शन अथर्व होटल में होगा।

शादी समारोह में प्रदेश के कुछ खास लोगों को ही आमंत्रित किया गया है। इसमें दोनों परिवारों के करीबी रिश्तेदार, राज्य के मंत्री, वरिष्ठ अफसर और भाजपा के प्रमुख पदाधिकारी शामिल हो सकते हैं। सीएम डॉ. मोहन यादव के 26 नवंबर को ही उज्जैन पहुंचने की संभावना है।

यह पहला मौका होगा, जब किसी मुख्यमंत्री के बेटे के फेरे की रस्में सामूहिक विवाह समारोह में पूरी होंगी। इसमें डॉ. अभिमन्यु और डॉ. इशिता के अलावा 20 अन्य जोड़ों की शादी होगी।

दोनों परिवारों की बेटियां एक-दूसरे के घर की बहू- मुख्यमंत्री डॉ.

मोहन यादव के छोटे बेटे डॉ. अभिमन्यु यादव की सगाई करीब 5 महीने पहले खरगोन के किसान दिनेश पटेल की बेटी डॉ. इशिता से हुई है। अभिमन्यु भोपाल के एलएनसीटी मेडिकल कॉलेज से मास्टर्स इन सर्जरी कर रहे हैं। वे सेकेंड ईयर में हैं। डॉ. इशिता भी एमबीबीएस के बाद पोस्ट ग्रेजुएशन कर रही हैं।

सीएम की बेटी डॉ. आकांक्षा यादव, दिनेश यादव की बहू हैं। अब दिनेश यादव की बेटी इशिता डॉ. मोहन यादव के परिवार की बहू बनने जा रही हैं। एक और खास बात ये है कि कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव, दिनेश यादव के मामा के बेटे हैं। यानी एमपी के पूर्व डिप्टी सीएम स्वर्गीय सुभाष यादव दिनेश यादव के मामा थे।

सीएम ने शेयर की थी सगाई की फोटो- सीएम डॉ. मोहन यादव और सीमा यादव के दो बेटे और एक बेटी हैं। बड़े बेटे और बेटी की शादी पहले ही हो चुकी है। सीएम ने बेटे की सगाई की फोटो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर करते हुए लिखा था- बाबा श्री महाकाल और श्री गोपाल कृष्ण की परम कृपा, पूज्य पिता और माताश्री के आशीर्वाद से पुत्र चिरंजीवी डॉ. अभिमन्यु यादव की सगाई, खरगोन के दिनेश यादव जी की सुपुत्री डॉ. इशिता यादव के साथ संपन्न हुई।

विश्व मधुमेह दिवस

तनाव, दबाव और अवसाद से खुद को रखें मुक्तः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज विश्व मधुमेह दिवस है, जो हमें जागरूक करता है कि योग, ध्यान और संयमित व्यवहार से हम स्वस्थ रह सकते हैं। साथ ही जीवन में सर्वोच्च लक्ष्य को भी प्राप्त कर सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि आइए, हम सभी यह संकल्प लें कि अपनी जीवन शैली को उत्तम स्वास्थ्य के अनुकूल बनाए रखेंगे। साथ ही तनाव, अवसाद और अत्यधिक दबाव से खुद को हमेशा मुक्त रखेंगे।

जनजाति गौरव दिवस : मुख्यमंत्री जबलपुर में करेंगे भव्य राज्य स्तरीय समारोह का शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जबलपुर में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस का भव्य राज्य स्तरीय समारोह का शुभारंभ करेंगे। यहाँ जिलों से निकलने वाली जनजातीय गौरव रथ यात्राओं का समागम होगा। बड़ी संख्या में जनजातीय समुदायों के सदस्य पारंपरिक वेशभूषा और अपने पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ एकत्र होंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी कार्यक्रम को गुजरात के नर्मदा जिले से संबोधित करेंगे और विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे। सभी राज्य इस कार्यक्रम से जुड़ेंगे। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं जनजातीय समुदाय के प्रतिनिधि विशेष रूप में उपस्थित रहेंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव जनजातीय गौरव को दर्शाने वाली प्रदर्शनी का शुभारंभ करेंगे। प्रदर्शनी भगवान बिरसा मुंडा के जीवन और योगदान पर आधारित है। जनजातीय महानायकों में रानी दुर्गावती, शंकर शाह, रघुनाथ शाह, टंट्या भील के जीवन और योगदान को भी दर्शाया जायेगा। मुख्यमंत्री इस अवसर पर जनजातीय धर्म गुरुओं का सम्मान करेंगे और उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले जनजातीय समाज के सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट खिलाड़ी सुश्री क्रांति गौड़, राज्य सरकार के सहयोग से लंदन में पढ़ाई कर रहे श्री आसाराम पलवी और श्री रवि मेडा और लिसेस्टर विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रहे का भी सम्मान होगा।

बाहुबलियों की सीटः अनंत-अमरेंद्र पांडे रिकॉर्ड वोट से जीते

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे आज आ गए हैं। सुबह 8 बजे से वोटों की गिनती शुरू हो गई थी। मोकामा से जदयू प्रत्याशी अनंत सिंह और कुचायकोट से जदयू प्रत्याशी अमरेंद्र पांडे रिकॉर्ड वोट से जीत गए है। दानापुर से लगातार आगे चल रहे बाहुबली रीतलाल पिछड़ गए हैं जबकि बीजेपी के कैंडीडेट रामकृपाल यादव ने निर्णायक बढ़त बना ली है। वहीं तरारी से बीजेपी कैंडीडेट विशाल प्रशांत और रघुनाथपुर से ओसामा चुनाव जीत गए हैं। लालगंज से राजद प्रत्याशी शिवानी शुक्ला पीछे रहीं। वहीं,

ब्रह्मपुर से लोजपा (आर) प्रत्याशी हुलास पांडे भी जीत गए हैं। सबसे दिलचस्प मुकाबला मोकामा में रहा। यहां अनंत सिंह का मुकाबला सूरजभान सिंह की पत्नी वीणा देवी से था। अनंत सिंह के समर्थकों ने पोस्टर लगाए हैं, जिस पर लिखा है- जेल का ताला टूटेगा, मेरा शेर छूटेगा। वहीं, छोटे सरकार के घर पर भोज शुरू हो गया है। विधानसभा के 243 सीटों में 15 सीटें ऐसी हैं, जिन पर खुद बाहुबली या उनके परिवार का कोई सदस्य चुनाव लड़ रहा है। इनमें से 8 बाहुबली एनडीए से किस्मत आजमा रहे थे।

मंत्रियों की सीट

बिहार के सभी 29 मंत्री जीत की ओर

पटना (एजेंसी)। बिहार में एक बार फिर एनडीए सरकार बन रही है। दरभंगा से मंत्री संजय सरावगी और गया टाउन से मंत्री डॉ. प्रेम कुमार 20 हजार वोट से जीत हासिल की है। औपचारिक ऐलान बाकी है। वहीं, धमदाहा सीट से जेडीयू प्रत्याशी और मंत्री लेसी सिंह 50 हजार वोट से निर्णायक बढ़त बना ली है। तारापुर से सम्राट चौधरी और लखीसराय से विजय सिन्हा चुनाव जीत गए हैं। बांकीपुर से मंत्री नितिन नवीन जीत गए हैं। इधर, बीजेपी कोटे से मंत्री रेणु देवी ने एक बार फिर बेतिया से बड़ी जीत दर्ज की है। जाले से जीवेश मिश्र, सीवान से स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे भी जीत गए हैं।

आरएसएस के लिए पाकिस्तानी कंपनी कर रही है कामः कांग्रेस

- पार्टी का बड़ा आरोप, अमेरिका में हितों की पैरवी करती है

संघ का आया बयान, बोला-कोई लॉबिंग फर्म हायर नहीं की

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने गुरुवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए पाकिस्तान की एक आधिकारिक लॉबिंग कंपनी काम कर रही है। इसे अमेरिका में संघ के हितों की पैरवी करने के लिए हायर किया गया है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा- कुछ दिन पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत ने माना था कि संघ रजिस्टर्ड ऑर्गनाइजेशन नहीं है और वह कोई टैक्स नहीं देता। अब हमें पता चला है कि संघ ने भारी रकम खर्च करके अमेरिकी लॉ फर्म स्क्वायर पैटर्न बॉक्स को हायर किया है। संघ ने कांग्रेस के आरोप को खारिज किया। राष्ट्रीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने

कहा-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारत में काम करता है और अमेरिका में कोई लॉबिंग फर्म नहीं हायर की है।

जनजाति गौरव दिवस ,मुख्यमंत्री जबलपुर में करेंगे भव्य राज्य स्तरीय समारोह का शुभारंभ

जनजातीय प्रतिभाओं को करेंगे सम्मानित,विकास कार्यों का होगा भूमि-पूजन, लोकार्पण

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जबलपुर में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस का भव्य राज्य स्तरीय समारोह का शुभारंभ करेंगे। यहाँ जिलों से निकलने वाली जनजातीय गौरव रथ यात्राओं का समागम होगा। बड़ी संख्या में जनजातीय समुदायों के सदस्य पारंपरिक वेशभूषा और अपने पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ एकत्र होंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी कार्यक्रम को गुजरात के नर्मदा जिले से संबोधित करेंगे और विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे। सभी राज्य इस कार्यक्रम से जुड़ेंगे। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह सहित जनप्रतिनिधि एवं जनजातीय समुदाय के प्रतिनिधि विशेष रूप में उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव जनजातीय गौरव को दर्शाने वाली प्रदर्शनी का शुभारंभ करेंगे।

भारत सबसे तेज बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा

मूडीज का अनुमान 2027 तक 6.5 फीसदी की ग्रोथ से बढ़ेगी इकोनॉमी

जी-20 देशों में सबसे तेज करेगा कमाल, अमेरिकी टैरिफ का असर नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (एजेंसी)। मूडीज रेटिंग्स ने कहा है कि भारत आने वाले दो साल तक जी-20 देशों में सबसे तेजी से बढ़ने वाली इकोनॉमी बना रहेगा। मूडीज के मुताबिक भारत की जीडीपी ग्रोथ 2027 तक औसतन 6.5 फीसदी रहने का अनुमान है।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका के ऊंचे टैरिफ और वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी रहेगी। 50 फीसदी अमेरिकी टैरिफ के बावजूद भारतीय निर्यातकों ने सफलतापूर्वक नए बाजार खोजे हैं। सितंबर में भारत का कुल

निर्यात 6.75 फीसदी बढ़ा, जबकि अमेरिका को निर्यात 11.9 फीसदी घटा।

सुरक्षाबलों ने कश्मीर में आतंकी नबी का घर उड़ाया

500 लोकेशन पर छापा, 600 से ज्यादा हिरासत में

- दिल्ली ब्लास्ट में नूंह से छात्र-डॉक्टर हिरासत में

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली ब्लास्ट केस में गुरुवार रात सुरक्षा बलों ने पुलवामा में आतंकी डॉ. उमर नबी के घर को आईईडी ब्लास्ट से उड़ा दिया है। गुरुवार को ही डीएनए मैचिंग के बाद इस बात की पुष्टि हुई है कि कार में उमर ही था। उमर पुलवामा के कोइल इलाके में रहता था। पुलिस उसके माता-पिता और भाइयों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। इधर, सुरक्षा बलों ने पिछले 3 दिन में कश्मीर में 500 लोकेशन पर छापा मारा है। पूछताछ के लिए 600 लोग हिरासत में लिए गए हैं। खुफिया एजेंसियों ने खुलासा किया है अब तक गिरफ्तार 8 आतंकियों ने बताया कि वे 6 दिसंबर यानी बाबरी मस्जिद ढहाने की बरसी के दिन दिल्ली समेत देशभर में कई जगह धमाके करना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने 32 कारों का इंतजाम किया था। 10 नवंबर को हुए दिल्ली ब्लास्ट में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 20 लोग घायल हैं, जिनमें से तीन की हालत नाजुक बताई जा रही है।

- **स्विफ्ट डिजायर कार डॉ. मुजम्मिल चलाता था-** अब पुलिस को जिस चौथी स्विफ्ट डिजायर कार की तलाश है, उसके भी आतंकी मॉड्यूल से जुड़ी होने का शक है। बताया जा रहा है कि यह कार डॉ. शाहीन की है, लेकिन इसका इस्तेमाल डॉ. मुजम्मिल करता था। पुलिस ने फतेहपुरा तगा और धौज में उन घरों के आसपास भी इस कार के बारे में पूछताछ की, जहां 2900 किलो विस्फोटक मिला था। उधर, अब तक लाल रंग की इको स्पोर्ट्स और ब्रेजा कार बरामद हो चुकी हैं, जबकि आई-20 के विस्फोट में परखच्चे उड़ गए थे।

दिल्ली में लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए धमाके के बाद पुलिस और जांच एजेंसियों ने फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी में डेरा जमाया हुआ है। आज एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट के आने की भी उम्मीद है। इसी बीच नूंह से एक डॉक्टर और एक छात्र को जांच एजेंसियों ने हिरासत में लिया है। सूत्रों के मुताबिक, डॉक्टर नूंह जिले के सुनहेड़ा गांव का रहने वाला मुस्तकीम है, जबकि छात्र फिरोजपुर झिरका क्षेत्र के अहमदवास गांव का मोहम्मद है। मुस्तकीम ने चीन से मेडिकल का कोर्स किया था। अब वह अल फलाह यूनिवर्सिटी से एक साल की इंटर्नशिप कर रहा था। मुस्तकीम के चाचा ने बताया कि 2 नवंबर को उसकी इंटर्नशिप पूरी हो गई थी और वह वहां से घर आ गया था।

प्रेमी से नाराज नाबालिग ने फांसी लगाई

इंदौर। प्रेमी की बेवफाई से नाराज नाबालिग ने फांसी लगाकर जान देने की कोशिश की। समय रहते परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। नाबालिग की डेढ़ साल पहले इंस्टाग्राम आईडी पर आरोपी युवक से पहचान हुई थी। इसके बाद आरोपी ने उसे अपने घर ले जाकर दुष्कर्म किया। पीड़िता के बयान के आधार पर हीरानगर पुलिस ने बुधवार रात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। नाबालिग ने बताया कि आरोपी संजय किसी काम के सिलसिले में उसकी कॉलोनी में डेढ़ साल पहले आया था। उस समय संजय की बाइक पर उसकी इंस्टाग्राम आईडी लिखी थी, जिसे देखकर लड़की ने उसे फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई। कुछ समय बाद संजय ने उसे प्रेमजाल में फंसा लिया और कहा कि वह उससे शादी करना चाहता है। इसी साल वह उसे घुमाने के बहाने अपने साथ लेकर गया और गौरीनगर स्थित घर पर दुष्कर्म किया। जब नाबालिग ने शादी की बात की तो संजय ने उसे धमकाया और कहा कि वह तो सिर्फ टाइम पास कर रहा था। इससे आहत होकर लड़की डिप्रेशन में चली गई और मंगलवार रात उसने आत्महत्या का प्रयास किया। आरोपी प्लंबर है।

ट्रांसजेंडर से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। ट्रांसजेंडर पर जेंडर बदलने, उसके साथ दुष्कर्म करने तथा दबाव बनाकर 25 लाख रुपए हड़पने के मामले में पुलिस ने आरोपी को देवास से गिरफ्तार कर लिया है। ट्रांसजेंडर ने आरोपी के खिलाफ विजयनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस के अनुसार इंदौर निवासी 23 वर्षीय ट्रांसजेंडर मॉडलिंग और फैशन डिजाइनिंग करती है। पारिवारिक कार्यक्रम के दौरान उसकी पहचान देवास में रहने वाले युवराज राजपूत उर्फ बन्ना से हुई थी। बातचीत के दौरान पीड़िता ने अपनी पहचान ट्रांसजेंडर के रूप में बता दी थी। इसके बाद युवराज ने इंस्ट्रा आईडी ले ली। 9 मई 2024 को आरोपी मिलने के बहाने पीड़िता के घर पहुंचा। घर आने के बाद आरोपी ने जबरदस्ती पीड़िता से संबंध बनाए। आरोपी ने उससे कहा कि शादी के लिए उसे लड़की बनना होगा। उसने डॉक्टर से पीड़ित का उपचार भी शुरू कराया। आरोपी ने पीड़ित के पैसों से कार भी खरीद ली। नशा कराकर अपने अन्य दोस्तों से भी संबंध बनाने के लिए दबाव डाला। मना करने पर उसने बेल्ट और लात-घूंसे से पीड़ित की पिटाई की। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। टीआई चंद्रकांत पटेल ने बताया कि आरोपी का देवास में जिम है। वह जिम में आने वाली युवतियों से भी छेड़छाड़ कर चुका है। उसके खिलाफ देवास के औद्योगिक थाने में पूर्व में केस दर्ज है।

बसों की चेकिंग में संदिग्ध सामग्री नहीं

इंदौर। लोगों की सुरक्षा और सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस ने अन्तर्राज्यीय बसों की आकस्मिक चैकिंग का अभियान चलाया। पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर 12 नवम्बर की शाम से देर रात तक शहर के चारों जोन में डीसीपी के मार्गदर्शन और एसीपी टीमों की मौजूदगी में यह विशेष कार्रवाई की गई। इस दौरान सरवटे बस स्टैंड, गंगवाल बस स्टैंड, मूसाखेड़ी, रेडिसन चौराहा और आजाद नगर सहित कई प्रमुख स्थानों पर विभिन्न ट्रेवल्स की अन्तर्राज्यीय बसों की सघन जांच की गई। सभी बसों के ड्राइवर, कंडक्टर और क्लीनर का ब्रीथ एनालाइजर से परीक्षण किया गया, ताकि शराब पीकर वाहन चलाने जैसी गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके। चैकिंग के दौरान बसों में किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु पर भी विशेष नजर रखी गई। पुलिस अधिकारियों ने यात्रियों से संवाद करते हुए उन्हें यात्रा के दौरान सुरक्षा संबंधी आवश्यक जानकारी दी और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचना देने की अपील की।

तीन स्थानों पर आग लगी, काबू पाया

इंदौर। शहर में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात अलग-अलग जगहों पर तीन आगजनी की घटनाएं सामने आईं। दो स्थानों पर फायर ब्रिगेड की टीमों ने समय रहते आग पर काबू पा लिया, जबकि एक जगह स्थानीय लोगों ने ही आग बुझा दी। पहली घटना रात करीब 8 बजे कनाड़िया रोड स्थित सिलिकॉन पैलेस की है, जहां आशीष जैन के मकान में आग लग गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर नियंत्रण पाया। हालांकि आग में घर का सामान जलकर खाक हो गया। दूसरी घटना रात करीब 2 बजे सिंहासा गांव के पास स्थित फैक्टरी में हुई। यहां टीम के पहुंचने से पहले ही लोगों ने आग पर काबू पा लिया था। तीसरी घटना रात करीब 3.40 बजे संपत अरबिट क्षेत्र की है, जहां खाली प्लॉट में पड़े कचरे में भीषण आग लग गई। धुआं आसपास के घरों में फैलने लगा था। फायर ब्रिगेड ने 2 हजार लीटर पानी की मदद से आग बुझाई। इसी तरह वैभव नगर स्थित श्रीकांत पैलेस मल्टी में भी देर रात शॉर्टसर्किट से आग लग गई। बजरंग दल के नेता लक्की रघुवंशी और उनकी टीम ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में मदद की। सेंट्रल लॉक तोड़कर और बालकनी से प्रवेश कर गैस सिलेंडर को सुरक्षित बाहर निकाला गया। समय रहते फायर ब्रिगेड और कनाड़िया पुलिस को भी सूचना दे दी गई, जिससे बड़ी दुर्घटना टल गई।

चालाक चोर ने लाखों का माल चुराया, लोग दंग

इंदौर। लसूड़िया क्षेत्र में हुई अनोखी चोरी की वारदात ने सभी को हैरान कर दिया। स्कीम नंबर 136 में रहने वाले सतीश ठाकुर के घर अज्ञात चोर ने बड़ी ही चालाकी से चोरी को अंजाम दिया। चोर को किसी तरह यह जानकारी मिल गई कि घर की चाबी बाहर गमले में रखी जाती है। इसी चाबी की मदद से उसने मुख्य दरवाजे का ताला खोला और आराम से घर में दाखिल हो गया। घर के अंदर पहुंचकर आरोपी ने अलमारी को निशाना बनाया और वहां रखे सोने-चांदी के आभूषण और नकदी लेकर फरार हो गया। चोरी गए सामान में सोने के झाले, पेंडल, मंगलसूत्र, चेन, दो जोड़ी चांदी की पायल, दो चांदी के सिक्के और कुछ नकदी शामिल हैं। सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि वारदात के बाद चोर ने घर का ताला दोबारा लगाया और चाबी को उसी गमले में रख दिया, जहां से उसने उसे उठाया था। लसूड़िया थाना पुलिस ने शिकायत दर्ज कर ली है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस को शक है कि वारदात किसी ऐसे व्यक्ति ने की है जो घरवालों को जानता था और चाबी की जगह से वाकिफ था।

नकली टाटा नमक के साथ दो गिरफ्तार

इंदौर। भंवरकुआं पुलिस ने ब्रांडेड कंपनी 'टाटा नमक' के पैकेट पर नकली लोगो लगाने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई बारदान मंडी पालदा के पास की गई। पुलिस ने चेकिंग के दौरान आइशर ट्रक को रोका और चालक सलमान पिता सलीम खान निवासी सिरपुर से पूछताछ की, तो उसने बताया कि यह सामान रतनलाल पिता रमेश जांगिड़ निवासी जानकी नगर का है। पुलिस ने सलीम और रतनलाल को गिरफ्तार कर लिया है। ट्रक में 150 कट्टे नमक था।

बुजुर्ग को ऑटो ने टक्कर मारी, मौत

इंदौर। जूनी इंदौर क्षेत्र में सड़क हादसे में बुजुर्ग की मौत हो गई। उसे लोडिंग रिक्शा चालक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया था। मृतक की पहचान मुकेश पिता गोकुल सोलंकी निवासी तात्या सरवटे नगर के रूप में हुई है। मुकेश अपने साथी गणेश परमार के साथ फेरी लगाकर धनिया, मिर्ची और खोपरा बेचता था। यह हादसा तब हुआ, जब दोनों अपना काम खत्म कर लौट रहे थे और रास्ते में उनकी मोटरसाइकिल खराब हो गई। मुकेश बाइक को पैदल खींचकर ले जा रहे थे, तभी पीछे से आ रहे वाहन ने चपेट में ले लिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

अन्नपूर्णा मंदिर ट्रस्ट की जमीन के मकान तोड़ने गई टीम को रोका, हंगामा-विरोध

आत्मदाह की धमकी, महिलाओं-बच्चों ने सड़क पर बैठकर विरोध किया

इंदौर। अन्नपूर्णा मंदिर ट्रस्ट की जमीन पर कथित अवैध कब्जे को हटाने पहुंची नगर निगम की टीम की कार्रवाई सोमवार सुबह अचानक तनावपूर्ण हो गई। ट्रस्ट की शिकायत पर टीम जैसे ही मौके पर पहुंची, कब्जाधारियों ने जोरदार विरोध शुरू कर दिया। कई महिलाएं और बच्चे सड़क पर बैठ गए, जिससे आवागमन बाधित हो गया और स्थिति बिगड़ गई। इस कार्रवाई में पतरे से गिरने पर दो पुलिस वाले घायल भी हो गए।

इस दौरान एक युवक अपने ऊपर घासलेट उड़ेलकर आत्मदाह की धमकी देने लगा। हालात गंभीर होते देख पुलिस ने तत्काल हस्तक्षेप कर उस पर पानी डलवाया और उसे अलग किया। कुछ लोग पेड़ पर चढ़कर भी विरोध जताने लगे, जिन्हें पुलिस ने समझाइश देकर नीचे उतारा। विरोध बढ़ने पर धक्का-मुक्की और हाथापाई की स्थिति बन गई, जिसमें कुछ लोगों के कपड़े फटने की बात सामने आई है। प्रभावितों का कहना है कि अचानक की जा रही कार्रवाई से वे बेघर हो जाएंगे और उनके सामने आजीविका का संकट खड़ा हो जाएगा। निगम अधिकारियों ने बताया कि मंदिर ट्रस्ट की जमीन पर वर्षों से अवैध निर्माण किए जाने की शिकायत मिली थी, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की जा रही है।

आत्मदाह का प्रयास

अन्नपूर्णा मंदिर के मुख्य द्वार के पास गली में मंदिर की जमीन पर कई कमरे और मकान बने हुए हैं, जिन्हें तोड़ने के लिए निगम और प्रशासन का अमला पहुंचा तो मौके पर बवाल मच गया। महिलाओं ने कार्रवाई का विरोध करते हुए खुद पर भरी हुई केन का घासलेट उड़ेल लिया। कई महिलाएं सडक़ पर लेट गईं। उन्होंने छोटे-छोटे बच्चों पर भी घासलेट डाल दिया और कहने लगी कि यहां मकान तोड़ोगे तो हमारी अर्थी भी ले जाना। अधिकारियों ने कई महिलाओं के हाथ से घासलेट की केन छीनी तो वे सड़कों पर लेट गईं। मुश्किल से महिला पुलिस बल ने उन्हें हटाया। कार्रवाई के दौरान वहां हंगामा मच गया और वहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ लग गई। रहवासियों का आरोप था कि पास के कई अन्य मकानों को नहीं तोड़ा जा रहा है और सिर्फ उनके मकान ही तोड़े जा रहे हैं। गुरुवार को तहसीलदार और प्रशासन के अधिकारी स्थिति देखने पहुंचे थे। उसके बाद आज वहां कार्रवाई की तैयारी की गई थी। सुबह 9 बजे भारी भरकम पुलिस बल के साथ निगम की टीम और प्रशासन के अधिकारी पुलिस बल के साथ क्षेत्र में पहुंचे। पहले रहवासियों ने अफसरों से कहा कि उन्हें एक या दो दिनों की मोहलत दे दी जाए, ताकि वे अपना सामान यहां से कहीं और शिफ्ट कर सके। जिस जमीन पर मकान बने हैं, वह अन्नपूर्णा मंदिर ट्रस्ट की है और वहां बड़ी गौशाला से लेकर अन्नक्षेत्र का निर्माण होना है। सुबह जैसे ही रिमूवल अमला पुलिस बल के साथ क्षेत्र में पहुंचा तो महिलाओं ने हंगामा शुरू कर दिया। महिलाएं उन्हें कुछ समय देने की मांग कर रही थी और अधिकारियों ने इससे साफ इनकार कर दिया, जिसके चलते वहां दो से तीन महिलाओं ने घरों में भरकर रखी घासलेट की केन बाहर लाई और खुद पर कुछ अन्य महिलाओं पर भी घासलेट उड़ेल दिया। साथ ही बच्चों पर ही घासलेट डाल दिया, जिसके चलते वहां खड़े अधिकारी सकते में आ गए। महिला पुलिस की मदद से घासलेट डाल रही महिलाओं के हाथों से केन छीनी, महिलाएं विरोध करते हुए चिल्ला रही थीं कि उनके मकान भले ही तोड़ दो, उनकी अर्थी भी उन्हें ही लेकर जाना पड़ेगी, इस पर कई अधिकारी महिलाओं को समझाइश देते रहे, लेकिन कई महिलाएं उन्हें मोहलत देने की मांग करती रहीं।

युवती पेड़ पर चढ़ी

कार्रवाई का विरोध करते हुए एक युवती अफसरों और महिला पुलिस की नजरों से बचकर पहले तो वहां बने मकानों के पतरे पर चढ़ गई और उसके बाद वह समीप के पेड़ पर काफी ऊंचाई तक चढ़कर बैठ गई और अफसरो को कहती रही कि अगर उसका मकान तोड़ा तो वह यहां से नीचे कूद जाएगी। हैरान-परेशान अफसरों ने पुलिसकर्मियों को मकानों के पतरे पर भेजा। पेड़ पर चढ़ी युवती को समझाश देने के लिए अन्नपूर्णा थाने के दो पुलिसकर्मी भी पतरे पर चढ़, इसी दौरान अचानक दोनों पुलिसकर्मी पतरे सहित मकान में जा गिरे, उन्हें चोट भी आई।

वृद्धा बेहोश हुई, अफसर घबराए

कार्रवाई के दौरान क्षेत्र में भारी हंगामा चलता रहा। इस बीच वहां एक वृद्धा बेहोश हो गई और बीच सड़क पर गिर पड़ी। इस कारण लोगों में और गुस्सा फैल गया। वृद्धा के बेहोश होते ही अफसरों के हाथ-पैर फूल गए और तत्काल वृद्धा को पानी पिलाया, वहीं एक युवक पास के हाइटेंशन लाइन के खंभे पर चढ़ गया, वह युवक पास की दीवार से चुपचाप चढ़ते हुए हाइटेंशन लाइन तक जा पहुंचा, जब वह सिंधु भवन की बाउंड्रीवाल से होते हुए खंभे तक पहुंच रहा था तो अफसरों के हाथ-पैर फूल गए और उसके परिवार की महिलाएं जोर-जोर से चिल्लाने लगी। स्थिति बेकाबू होने पर भारी पुलिस बल बुलाया गया और कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए। लंबी मशक्कत के बाद पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित किया और हालात सामान्य किए। फिलहाल क्षेत्र में तनाव बना हुआ है और मामले की आगे जांच जारी है।

दिल्ली ब्लास्ट के सरगना जवाद अहमद सिद्दीकी के इंदौर कनेक्शन की भी जांच

पिता की वजह से मुस्लिम कट्टरपंथ उसकी रगों में, 'सिमी' से भी जुड़ाव

इंदौर। दिल्ली में हुए कार बम ब्लास्ट की जांच-पड़ताल में महू के साथ इंदौर का नाम भी आ रहा है। इस आतंकी घटना के सरगना माने जाने वाले जवाद अहमद सिद्दीकी की कट्टरपंथी हरकतें सामने आने लगी। समझा जा रहा है कट्टरपंथी विचार जवाद को विरासत में मिले। उसके पिता काजी हम्माद महू के काजी थे और उन्हीं से पूरे परिवार ने कट्टरपंथी इस्लाम की शिक्षा पाई। काजी हम्माद शहर काजी होने के साथ कट्टर मुस्लिम विचारधारा के माने जाते थे। अपनी कौम को आगे लाने के नाम पर उन्होंने पूरे परिवार में कट्टरता का जहर भरा था। जवाद, उसके भाई और परिवार उनके विचारों से काफी प्रभावित थे और अभी भी उसका असर दिखाई दे रहा है। जांच एजेंसियों को जानकारी मिली है कि जवाद ने भोपाल में भी कई कट्टरपंथी बैठकों में हिस्सा लिया था।

इंदौर में भी वह कई कट्टरपंथियों से संपर्क में था। दिल्ली केस में उसकी सीधी भूमिका और संपर्कों की गुत्थी सुलझाने के लिए इंदौर में भी कई पहलुओं पर जांच तेज कर दी गई। महू में चिटफंड कंपनी चलाते हुए जवाद अक्सर इंदौर में अपनी कौम के कई कट्टरपंथियों से संपर्क में रहता था। कभी

पीएफआई जो अब प्रतिबंधित इस्लामी राजनीतिक संगठन है, उसके लोगों के साथ दिखता, तो कभी सिमी के सदस्यों से उसकी लगातार बातचीत होती रहती थी। सिमी के सबसे बड़े सरगना सफ़दर नागौरी से भी जवाद की कई बार मुलाकात हुई। बताया जाता है कि इंदौर के कई इलाकों में जवाद ने लोगों से अपनी चिटफंड योजना में लाखों रुपए इन्वेस्ट करवाए थे। महू के बाद उसका इंदौर के कई व्यक्तियों से भी गहरा संपर्क बना हुआ था। इंदौर के छत्रीपुरा क्षेत्र स्थित घोड़े वाली मस्जिद में चिटफंड चलाने वाले अंजुम के यहाँ भी जवाद ने कई बार लंबी बैठकें की।

पिता के कट्टरपंथ का प्रभाव

महू में रहते हुए जवाद के संपर्क जमाते-इस्लामी-हिन्द से भी बढ़े। इस दौरान जब सिमी के आतंकी नेटवर्क का माहौल तेज हुआ तो जवाद की नज़दीकियां सिमी के कई सदस्यों से बढ़ती चली गईं। वह सिमी के कुख्यात आतंकी सफ़दर नागौरी के भी संपर्क में था। इसके अलावा वह सिमी से जुड़े अब्दुल रऊफ बेलिम, सईद अंसारी और अन्य कई लोगों से मिलता जुलता रहा। मुंबई ब्लास्ट के बाद जब सिमी के सफ़दर नागौरी का नाम प्रमुखता से सामने आया, तो जवाद ने सिमी से दूरी बनाने का दिखावा कर एक नए संगठन 'तहरीक तहफ़ूज शायर ए इस्लाम' से जुड़ गया। लेकिन, उसकी कट्टरपंथी हरकतें लगातार बढ़ती गईं। करीब 24 साल पहले जब उसने और उसके भाइयों ने चिटफंड कंपनी में घोटाला किया और हंगामा हुआ तो वह महू से फरार हो गया। जवाद अहमद सिद्दीकी कई सालों तक गायब रहा। लेकिन, दिल्ली कार ब्लास्ट के बाद उसका नाम फिर सामने आया और पूरे नेटवर्क का खुलासा हुआ।

इंदौर में 9 बड़े ड्रग सप्लायरों की पहचान की गई, अब धरपकड़

वे गांधी और डॉक्टर नाम के कोड का करते हैं इस्तेमाल

इंदौर। पुलिस द्वारा लंबे समय से नशे से दूरी है जरूरी अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत कई तस्करों को क्राइम ब्रांच और थानों की पुलिस पकड़ चुकी है। तस्करों से पूछताछ के बाद पुलिस ने 9 बड़े ड्रग सप्लायरों की पहचान उजागर हुई है। यह सप्लायर गांधी और डॉक्टर के नाम के कोड का इस्तेमाल करते थे। इनकी पहचान उजागर होने के बाद जल्द ही सप्लायरों को गिरफ्तार करने पुलिस की टीमें जल्द रवाना होगी। क्राइम ब्रांच के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया ने बताया कि ये आरोपी मंदसौर, राजस्थान के प्रतापगढ़ और महाराष्ट्र के रास्ते इंदौर आकर कई पेडलरों को ड्रग उपलब्ध कराते हैं। पेडलरों द्वारा मोबाइल पर आर्डर लेकर तय स्थान पर मादक पदार्थों की डिलीवरी की जाती है।

सभी सप्लायरों की गिरफ्तारी पर 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया है। उल्लेखनीय है कि पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह के निर्देश पर चल रहे अभियान के तहत हाल ही में एसीपी की टीम ने 36 छोटे-बड़े पेडलर पकड़े थे।

इन्हें चिन्हित किया गया

पुलिस के अनुसार, शाहिद खान निवासी मंदसौर को 'गांधी' और महफूज खान निवासी मंदसौर को 'डॉक्टर' कहा जाता है। अन्य आरोपियों में मनय जैन मंदसौर, शाहरुख खान प्रतापगढ़, गुलनवाज पठान प्रतापगढ़, सलमान उर्फ सलीम मुंबई, अकरम पठान नासिक, राजकुमार नारंग ठाणे और मगन अखाड़े देवास शामिल हैं। चार साल पहले वर्ष 2021 में क्राइम ब्रांच ने धार रोड से छह से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार कर उनसे 70 किलो एमडी ड्रग जब्त किया था, जिसकी कीमत 70 करोड़ रुपए थी। इस केस में गुलनवाज, अकरम, सलमान और राजकुमार के नाम सामने आए थे।

राजा की मोक्ष प्राप्ति के लिए उसके घर पर हवन-पूजन करवाया गया

पसंद का खाना बना, आरोपियों को कड़ी सजा की मन्नत ली

इंदौर। ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या के छह माह पूरे हो गए हैं। परिजन ने उसकी छह मासी होने पर हवन पूजन किया। उसकी पसंद का खाना बनाया और आरोपियों को कड़ी सजा मिले, इसकी मन्नत भगवान से मांगी। इस दौरान राजा की मां उमा राजा को यादकर रो पड़ी। मां ने बताया कि जब भी घर के पास बैंड की आवाज सुनाई देती है तो राजा की बारात निकलने का अहसास होता है। ये आवाजें सुनकर मुझे राजा की याद आ जाती है। मैं उसकी शादी नहीं करती तो वह मेरे साथ होता। हवन-पूजन में सिर्फ परिवार के लोग ही शामिल हुए। सुबह से ही परिवार के लोगों का आना शुरू हो गया था। पंडित द्वारा पूरे विधि-विधान के साथ पूजन-हवन कराया गया। घर में राजा की पसंद के गुलाब-जामुन, पनीर की सब्जी, गिलकी की सब्जी, आलू-छोले, पुलाव बनाया। इसके पहले राजा के भाई विपिन ने तेरहवीं पर उज्जैन में हवन किया था।

उम्र कैद तो होनी चाहिए- विपिन ने बताया कि वह 11 नवंबर को शिलांग गया था, वहां पूरे बयान नहीं हुए है, उसे घर पर पूजन भी करना था। इसलिए वह वापस आ गया। उन्होंने कहा कि हमें कोर्ट से पूरी उम्मीद है कि राजा के हत्यारों को कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी। आरोपियों को उम्रकैद होना चाहिए। राजा रघुवंशी की सोनम से 11 मई को शादी हुई थी।

पांच हजार का इनामी फरार ड्रग तस्कर गिरफ्तार, पूछताछ होगी

इंदौर। शहर में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत क्राइम ब्रांच को एक और बड़ी सफलता मिली है। एमडी ड्रग्स तस्करी प्रकरण में पुलिस ने 5,000 रुपये के इनामी और लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी रेहान खान को गिरफ्तार कर लिया गया। यह कार्रवाई पूर्व में पकड़े गए दो आरोपियों से मिली जानकारी और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर की गई। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के अनुसार, कुछ समय पूर्व 255 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ नसीब खान और साहिल मंसूरी को पकड़ा गया था। पूछताछ में दोनों ने गिरोह में शामिल

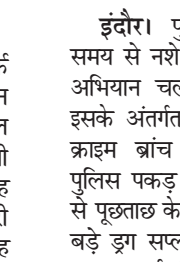

अन्य साथियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी थी। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने तकनीकी निगरानी और मुखबिर सूचना पर तुकोगंज क्षेत्र के कंचन बाग में दबिश देकर फरार आरोपी को पकड़ा। उसकी पहचान रेहान खान, निवासी प्रतापगढ़ (राजस्थान) के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में रेहान ने बताया कि वह 9वीं तक पढ़ा है और टेंट हाउस में काम करता था। उसने स्वीकार किया कि प्रतापगढ़ क्षेत्र में एमडी ड्रग्स की तस्करी बड़े पैमाने पर होती है और वह कम दाम पर ड्रग्स खरीदकर इंदौर के नशे के आदी युवाओं को महंगे दाम पर बेचता था। उसकी गिरफ्तारी पर 5,000 रुपये का इनाम घोषित था।

क्राइम ब्रांच ने आरोपी के खिलाफ धारा 8/22 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। जल्द ही पुलिस रिमांड लेकर उससे अन्य तस्करों और ड्रग सिंडिकेट के नेटवर्क के बारे में पूछताछ की जाएगी।

बच्चों की सुरक्षा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, पुलिस आयुक्त के सख्त निर्देश

स्कूल-कॉलेज की बसों की सुरक्षा को लेकर बैठक में दिशा-निर्देश

इंदौर। स्कूली बच्चों की सुरक्षा में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन अनिवार्य है। यह बात पुलिस आयुक्त संतोष सिंह ने स्कूल बस संचालकों की बैठक में दिए। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि स्कूल के बच्चों और नागरिकों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा तय किए गए सभी सुरक्षा दिशा-निदेर्शों का पालन अनिवार्य रूप से किया जाए।

इन निर्देशों का पालन अनिवार्य

- सभी स्कूल बसों में जीपीएस ट्रैकिंग सिस्टम और सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से लगाए जाएं।
- बसों में स्पीड गवर्नर सिस्टम लगाया जाए तथा गति सीमा 40 किमी-घंटा से अधिक न हो।
- प्रत्येक बस में अग्निशमन यंत्र, फर्स्ट एड बॉक्स और अन्य आवश्यक आपात उपकरण मौजूद रहें।
- सभी बसों में इमरजेंसी गेट अनिवार्य रूप से हो।
- बसों की फिटनेस जांच नियमित रूप से की जाए, खराब वाहनों को संचालन से रोका जाए।
- ड्राइवरों के पास हैवी वाहन ड्राइविंग लाइसेंस हो तथा उनकी नेत्र जांच समय-समय पर की जाए।
- ड्राइवर-कंडक्टर का पुलिस वेरिफिकेशन कराया जाए।

शपथ पत्र लिया गया

बैठक में यातायात पुलिस द्वारा बसों की सुरक्षा से जुड़ी चेकलिस्ट तैयार कर सभी स्कूल संचालकों को प्रदान की गई। इसके साथ ही सुरक्षा मानकों के पालन के संबंध में सभी से शपथ पत्र भी लिया गया। कुछ स्कूल प्रतिनिधियों ने अपने संस्थानों में लगाए गए ब्रीथ एनालाइजर सिस्टम और सुरक्षा जांच व्यवस्था जैसी नवाचार योजनाओं की जानकारी भी साझा की।

संपादकीय

एसआईआर सुचारू ढंग से चले

मध्यप्रदेश में देश के अन्य राज्यों के साथ मतदाता सूचियों का एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) 4 नवंबर से प्रारंभ तो हो गया है, लेकिन जमीनी स्तर से जो रिपोर्ट आ रही हैं, उससे लगता है कि यह काम अपेक्षित सुचारू और व्यवस्थित तरीके से नहीं हो पा रहा है। हालांकि मप्र के मुख्य निर्वाचन अधिकारी संजीव कुमार झा ने एसआईआर में लगे सभी बीएलओ और अन्य स्टाफ को एसआईआर का काम पूरी जिम्मेदारी और समय पर करने को कहा है। उधर एसआईआर को राजनीतिक मुद्दा बना रही कांग्रेस ने एसआईआर की पूरी कार्यवाही की मॉनिटरिंग के लिए 8 सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा को इस कमेटी का अध्यक्ष बनाया है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने गठित कमेटी से कहा है कि पूरे एसआईआर कार्यक्रम की प्रभावी मॉनिटरिंग के सहारे इसमें कोआर्डिनेशन का काम भी कमेटी में शामिल सदस्य और पार्टी नेता करेंगे। गौरतलब है कि मप्र में चुनाव आयोग के निर्देशानुसार एसआईआर की कार्रवाई औपचारिक तौर पर 28 अक्टूबर से ही प्रारंभ हो गई थी। जिसके तहत फार्म प्रिंटिंग व ट्रेनिंग का काम 3 नवंबर तक चला। जबकि 4 नवंबर से बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन प्रारंभ कर दिया गया है। यह काम 4 दिसंबर तक चलेगा। मतदाता सूची पर दावे आपत्तियों पर सुनवाई के बाद अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 7 फरवरी को होगा। वर्तमान में मप्र में कुल 5 करोड़ 74 लाख मतदाता है। बहरहाल एसआईआर प्रक्रिया को लेकर कई शिकायतें सामने आई हैं। मसलन जिस फर्म को गणना पत्रक छापने का टेंडर दिया गया, वह समय पर काम खत्म नहीं कर पाई। राज्य में कई जगह से यह शिकायत आ रही है कि इस महाअभियान में बीएलओ को बिना गणना पत्रक (एन्यूमरेशन शीट) के ही मैदान में उतार दिया गया। बताया जाता है कि इंदौर की जिस फर्म को गणना पत्रक छापने का टेंडर दिया गया, उसने समय पर इन्हें नहीं छापा। इसकी वजह से आयोग का डोर-टू डोर अभियान पिछड़ गया है। जिस फर्म को ये ठेका मिला है, उसका कहना है कि जिलों के निर्वाचन कार्यालयों की तरफ से डेटा मांगा गया था। उन्होंने जानकारी समय पर नहीं दी। जिन्होंने जानकारी दी, वो भी आधी अधूरी दी। कई जिलों के अफसरों ने तो मतदाता सूची के बंडल ही गायब कर दिए। बीएलओ को आईपैड और टैबलेट इसलिए दिया है, ताकि वे 2003 की पुरानी वोटर लिस्ट और 2025 की नई वोटर लिस्ट के डेटा का मिलान कर सकें। चुनाव आयोग का नियम है कि बिना फॉर्म पर मतदाता के हस्ताक्षर के डेटा को ऐप में एंट्री नहीं किया जा सकता। ऐसे में कई बीएलओ को या तो अपना काम रोकना पड़ा या फिर पुराने डुप्लर फॉर्म के सहारे अस्थायी रूप से जानकारी जुटानी पड़ी। फार्म छापने में देरी की एक वजह डाटा ट्रांसफर में आई दिक्कतें भी हैं। कुछ जिलों से भेजी गई पीडीएफ फाइलें डाउनलोड हो रही थीं, तो कुछ हो ही नहीं रही थीं। इस पर आयोग ने स्टाफ को सभी जिलों में भेजकर पेन ड्राइव और हार्ड डिस्क के माध्यम से डेटा मंगवाया। कुछ जिलों में फार्म का बंडल गुमने तो कुछ फार्म गायब होने की भी शिकायतें हैं। चुनाव आयोग के एक नए नियम ने भी फील्ड में मुश्किलें बढ़ा दी हैं। इस बार बीएलओ केवल वही व्यक्ति बन सकता है, जिसका नाम उसी बूथ की मतदाता सूची में हो या जो उसी वार्ड का कोई सरकारी कर्मचारी हो। सालों से यह काम कर रहे अनुभवी लोगों की जगह नए बीएलओ की नियुक्ति की गई है, जिन्हें सिस्टम की ठीक से जानकारी नहीं है। हालांकि आयोग इन शिकायतों का संज्ञान ले रहा है।

बिहार में जातीय समीकरणों की राजनीति से ऊपर का फैसला

महागठबंधन के लिए यह चुनाव लगभग विनाशकारी साबित हुआ। राजद मात्र 35 सीटों पर सिमट गया, कांग्रेस 7 पर और वामदलों को कुल मिलाकर सिर्फ 5 सीटें मिलीं। यही नहीं महागठबंधन के सीएम फेस और राजद नेता तेजस्वी यादव भी अपने चुनाव क्षेत्र में बार-बार पीछे हो रहे हैं, यदि तेजस्वी जीतते भी हैं तो उनकी जीत का अंतर काफी कम रहने वाला है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज विदेश में घूम रहे हैं जबकि उनको अपने कार्यकर्ताओं को ढांढस बनाने के लिये उनके बीच मौजूद होना चाहिए था। एनडीए को सभी वर्गों के वोट मिले यही वजह थी जेडीयू के मुस्लिम प्रत्याशी भी मैदान में अच्छा प्रदर्शन करते हुए दिखाई दिये। तेजस्वी यादव के लिए यह परिणाम एक बड़ा झटका है। वे लगातार अपनी राजनीति को युवाओं के ने और रोजगार के मुद्दे पर केंद्रित करते हुए बिहार में बदलाव की बात कर रहे थे। लेकिन जनता ने उन्हें अवसर देने से इनकार कर दिया।

नजरिया

अजय कुमार

लेखक लखनऊ निवासी वरिष्ठ पत्रकार हैं।

लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव कहे जाने वाले चुनावों में बिहार ने इस बार जो फैसला दिया, उसने देशभर के राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया। राज्य की जनता ने जातीय समीकरणों और पारंपरिक परिवारवाद की राजनीति से ऊपर उठकर स्पष्ट रूप से विकास, नेतृत्व और स्थिरता को प्राथमिकता दी। परिणाम यह रहा कि मुख्यमंत्री नीतिश कुमार और भारतीय जनता पार्टी की गठबंधन सरकार को भारी बहुमत मिला, जबकि यादव और गांधी परिवार का प्रभाव लगभग समाप्त होता दिखा। तेजस्वी यादव, राहुल गांधी और अखिलेश यादव जैसे चेहरों का कथित सेक्युलर गठबंधन इस बार मतदाताओं को भरोसा दिलाने में नाकाम रहा। राज्य में कुल 243 विधानसभा सीटों में से एनडीए ने करीब 175 सीटें हासिल कर ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। इसमें भाजपा के खाते में 99 सीटें आईं, जबकि जनता दल यूनाइटेड ने 68 सीटें जीतीं। इसके अलावा छोटे सहयोगी दलों, हम, वीआईपी और रालोसपा को भी कुल मिलाकर आठ सीटें मिलीं। इस जीत ने न केवल नीतिश कुमार की साख दोबारा मजबूत कर दी बल्कि भाजपा को भी बिहार की राजनीति में निर्णायक स्थिति में पहुंचा दिया। दूसरी ओर, महागठबंधन के लिए यह चुनाव लगभग विनाशकारी साबित हुआ। राजद मात्र 35 सीटों पर सिमट गया, कांग्रेस 7 पर और वामदलों को कुल मिलाकर सिर्फ 5 सीटें मिलीं। यही नहीं महागठबंधन के सीएम फेस और राजद नेता तेजस्वी यादव भी अपने चुनाव क्षेत्र में बार बार पीछे हो रहे हैं, यदि तेजस्वी जीतते भी हैं तो उनकी जीत का अंतर काफी कम रहने वाला है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज विदेश में घूम रहे हैं जबकि उनको अपने कार्यकर्ताओं को ढांढस बनाने के लिये उनके बीच मौजूद होना चाहिए था। एनडीए को सभी वर्गों के वोट मिले यही वजह थी जेडीयू के मुस्लिम प्रत्याशी भी मैदान में अच्छा प्रदर्शन करते हुए दिखाई दिये।तेजस्वी यादव के लिए यह परिणाम एक बड़ा झटका है। वे लगातार अपनी राजनीति को युवाओं के ने और रोजगार के मुद्दे पर केंद्रित करते हुए बिहार में बदलाव की बात कर रहे थे। लेकिन जनता ने उन्हें अवसर देने से इनकार कर दिया। चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और महंगाई को मुख्य मुद्दा बनाया, परंतु एनडीए ने इसे विकास बनाम जातिवाद की लड़ाई के रूप में पेश किया और इसी रणनीति ने सभी जातीय गणनाओं को ध्वस्त कर दिया। यादव मतदाताओं के अलावा अन्य पिछड़ी जातियों, दलितों और अति पिछड़ों का बड़ा वर्ग इस बार पहली बार पूरी मजबूती से एनडीए के पक्ष में खड़ा दिखा।

राहुल गांधी और अखिलेश यादव की संयुक्त रैलियाँ भी जमीन पर असर नहीं डाल पाईं। राहुल गांधी की सभाएँ सीमित भीड़ में सिमटकर रह गईं और कांग्रेस की संगठनात्मक कमजोरी फिर एक बार उजागर हो गई। महागठबंधन के कई उम्मीदवार खुद स्थानीय स्तर पर प्रचार के लिए अपने दम पर संघर्ष करते दिखाई दिए। वहीं भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की जोड़ी के नेतृत्व में प्रचार को आक्रामक अंदाज में चलाया। पटना, गया, दरभंगा, भागलपुर और बक्सर जैसे जिलों में मोदी की सभाओं में भारी भीड़ ने इस बात के संकेत पहले ही दे दिए थे कि मतदाताओं का झुकाव केंद्र की योजनाओं और मजबूत नेतृत्व की ओर है।

नीतिश कुमार के लिए यह चुनाव साख बनाम थकान की लड़ाई कहलाया जा रहा था। कई विश्लेषकों ने दावा किया था कि नीतिश के पक्ष में एंटी इंकम्बेंसी विरोधी लहर काम करेगी, लेकिन अंतिम परिणाम ने सभी आकलनों को गलत साबित कर दिया। एनडीए ने करीब 46 प्रतिशत वोट शेयर हासिल किया, जबकि महागठबंधन 38 प्रतिशत पर सिमट गया। इसका अर्थ यह हुआ कि बिहार की जनता ने स्थिर प्रशासन और राजनीतिक परिपक्वता को जातीय समीकरणों से ऊपर रखा। ग्रामीण इलाकों में एनडीए की योजनाओं का सीधा असर दिखा। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला गैस कनेक्शन और हर घर नल योजना जैसे प्रोजेक्ट्स ने महिलाओं और गरीब तबके को सीधे लाभ पहुँचाया। इन्हीं स्कीमों ने घर घर में भाजपा और जेडीयू की पकड़ को मजबूत किया। इसके अलावा, कानून व्यवस्था में सुधार और नीतिश कुमार की छवि अब भी सुशासन बाबू के रूप में लोगों के मन में कायम रही।

दूसरी ओर, युवा मतदाताओं ने तेजस्वी यादव की बातों को दिलचस्प तो पाया, लेकिन अनुभवहीनता और अतीत में उनके परिवार पर लगे आरोपों ने उन्हें पूरी तरह समर्थन नहीं दिया। लालू प्रसाद यादव के समय की पिछली राजनीतिक यादें जंगलराज, अपराध और परिवारवाद अभी भी बिहार के मतदाताओं के मन में ताजा हैं। यही कारण रहा कि तेजस्वी की परिवर्तन यात्रा का असर सीमित इलाकों तक ही रहा। राहुल गांधी की भूमिका भी महागठबंधन में केवल प्रतीकात्मक दिखी। कांग्रेस ने अपने पारंपरिक गढ़ जैसे सासाराम, कटिहार और किशनगंज में भी हार का सामना किया। पार्टी का वोट शेयर घटकर मात्र 6.5 प्रतिशत रह गया। इस पराजय के साथ ही कांग्रेस का राज्य स्तर पर भविष्य बेहद धुंधला होता दिखाई दे रहा है। अखिलेश यादव ने भी महागठबंधन के समर्थन में कुछ सभाएँ कीं, मगर उनका प्रभाव सीमित रहा। उत्तर प्रदेश की राजनीति से लेकर बिहार की जातीय संरचना तक, उनका हस्तक्षेप मतदाताओं पर असर छोड़ने में नाकाम रहा। बिहार के मतदाताओं ने साफ संदेश दिया कि उन्हें बाहरी नेताओं के भावनात्मक भाषणों की जगह स्थानीय मुद्दों पर ठोस जवाब चाहिए।

इस चुनाव का एक दिलचस्प पहलू यह भी रहा कि महिलाओं ने इस बार रिकॉर्ड संख्या में मतदान किया। महिला वोटिंग प्रतिशत 61 प्रतिशत तक पहुंचा, जो पुरुषों की तुलना में तीन प्रतिशत अधिक था। नीतिश कुमार ने कुछ महीनों पहले महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और आत्मनिर्भरता पर विशेष योजनाएं शुरू की थीं, जिनका असर मतदान में साफ तौर पर दिखा। भाजपा की महिला कार्यकर्ताओं ने भी ग्रामीण स्तर पर संगठन मजबूत करने में बड़ा योगदान दिया। अब सवाल यह है कि इस बंपर जीत के बाद बिहार की राजनीति किस दिशा में जाएगी। नीतिश कुमार आठवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे हैं और भाजपा ने भी स्पष्ट कर दिया है कि वह मिलकर स्थिर सरकार चलाएगी। हालांकि पार्टी के अंदर कुछ नेता चाहते हैं कि धीरे-धीरे भाजपा राज्य नेतृत्व में प्रमुख भूमिका निभाए। बिहार में यह संभवतः उस नए चरण की शुरुआत होगी जहाँ भाजपा मैदान में मुख्य भूमिका में उभरेगी और जेडीयू सहयोगी की भूमिका निभाएगी।

महागठबंधन में निराशा का माहौल है। तेजस्वी यादव अब संगठनात्मक सुधार की बात कर रहे हैं और पार्टी को नए सिरे से खड़ा करने का संकल्प जता रहे हैं। मगर चुनौती यह है कि मतदाता अब पारिवारिक राजनीति के बजाय नए चेहरों, गंभीर योजनाओं और ठोस नीतिगत दृष्टिकोण को महत्व देने लगे हैं। राहुल गांधी और कांग्रेस के लिए भी यह चुनाव साफ चेतावनी की तरह है कि बिना जनाधार, बिना संगठन और बिना मजबूत नैरेटिव के केवल गठबंधन के भरोसे सत्ता तक पहुँचना नामुमकिन है। इस तरह बिहार चुनाव 2025 केवल एक राजनीतिक मुकाबला नहीं बल्कि एक युगांतकारी जनादेश बन गया, जिसने परिवार आधारित राजनीति, जातिगत समीकरणों और भावनात्मक भाषणों की जगह नीति, प्रशासन और प्रदर्शन को प्राथमिकता दी। बिहार की जनता ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब न उन्हें नाम चाहिए, न वंश, बल्कि काम करने वाला नेतृत्व चाहिए। यह परिणाम न केवल राज्य की राजनीति बल्कि भारत के आने वाले चुनावी परिदृश्य के लिए भी संकेत देता है कि परिवारवाद का दौर धीरे धीरे खत्म हो रहा है और जनता अब केवल उसी को पसंद करेगी जो उनका भरोसा जीत सके।

बिहार का जनादेश, सुशासन और नेतृव का संदेश

विश्लेषण

प्रभुनाथ शुक्ल

लेखक पत्रकार हैं।

बिहार चुनाव की तस्वीर साफ हो चली है। एनडीए गठबंधन एक बार फिर बिहार में स्थिर सरकार देने को तैयार है। जबकि विपक्ष की चुनावी रणनीति पूरी तरह फिसल गयी है। विपक्ष बिहार में जंगलराज की बात भले प्रचारित किया, लेकिन जनता ने भाजपा और जदतादल (यू) नितीश और मोदी की जोड़ी पर भरोसा जताया। बिहार के लोगों ने सुशासन बाबू को दिल से लिया। एनडीए गठबंधन पिछले चुनाव का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है। जबकि प्रमुख विपक्षी दल आरजेडी और महागठबंधन पूरी तरह पराजित हुआ है। तेस्जवी यादव की नेतृत्व वाली आरजेडी का प्रदर्शन पिछली बार की अपेक्षा से भी घटिया रहा है। विपक्ष जहां चुनावी माहौल सिर्फ हवा में बनाता रहा वहीं भाजपा जमीनी स्तर पर उतरकर वहां अपनी स्थिति मजबूत किया है। दूसरी तरफ एनडीए लगातार सत्ता में बनी रही जिसका उसे फायदा मिला है।

कांग्रेस जैसे बड़े राष्ट्रीय दल से भी कई गुना अच्छा प्रदर्शन लोजपा चिराग पासवान की पार्टी ने किया है। बिहार का चुनाव राजनीति के लिए साफ संदेश है। बिहार का चुनाव परिणाम किसी राजनीतिक दल की हार और जीत का परिणाम नहीं, बल्कि जनता के जनादेश का परिणाम है। राहुल गाँधी, तेजस्वी यादव और अखिलेश यादव को इस बात को समझना चाहिए कि सिर्फ हवा में आरोप लगाकर आप सत्ता नहीं हासिल कर सकते हैं। जनता विकास चाहती है, हवाई नारों पर वह विश्वास करने वाली नहीं है। बिहार की जनता ने कम से कम यह साफ संदेश दे दिया है।

बिहार का जनादेश, बदलाव की दिशा में नया संदेश है। बिहार की जनता ने एनडीए के सुशासन पर अधिक भरोसा जताया है। बिहार में सच्चाई है कि वहां विकास हुआ है और लोगों को जंगलराज से राहत मिली। विपक्ष के लिए है चिंता और चिंतन का सवाल है। राहुल गांधी को अब जमीनी राजनीति करनी चाहिए। सिर्फ तालियां पिटवाने की राजनीति से उन्हें बाज आना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ उन्होंने जितना निजी हमला किया। उसका परिणाम सकारात्मक होने के बजाय नकारात्मक आया। कांग्रेस अपनी जड़ और जमीन दोनों खो दिया है। कांग्रेस और उसका नेतृत्व कब समझेगा यह विचारणीय बिंदु है। सिर्फ जुमले और नारों से आप जमीन नहीं बदल सकते हैं। जनता जमीन पर बदलाव देखना चाहती है। लालू यादव के कुशासन और जंगल राज की तस्वीर आज उसके जेहन में चस्पा है। जिसकी वजह से तेजस्वी यादव को लोगों ने नकार दिया है। दूसरी वजह लालू यादव के पारिवारिक झगड़ों के साथ महागठबंधन में रणनीति की कमी और आंतरिक बिखराव इसका सबसे बड़ा कारण है।

बिहार की जनता ने 20 सालों पर नितीश पर भरोसा जताया है। बिहार में नीतीश और मोदी की जोड़ी ने सिर्फ नारे नहीं लगाए गए जमीन पर काम भी किया। जिससे बिहार की जनता को सीधा फायदा मिला है राजनीतिक दलों के लिए बिहार चुनाव बड़ा संदेश है। बिहार विधानसभा चुनाव परिणामों ने यह साबित किया कि है यहाँ की राजनीति अब सिर्फ जात-पात और संप्रदाय तक सीमित नहीं रही, बल्कि विकास, पर आधारित है। महिला मतदाता ने निर्णायक भूमिका निभाई है। दो चरणों में मतदान हुआ जिसमें दूसरे

चरण में 69 फीसदी तक मतदाताओं की हिस्सेदारी इस बात का संकेत है कि बिहार कि जनता सक्रिय रूप से अपनी भागीदारी देना चाहती है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछली बार की तुलना में समाज के उन वर्गों ने मतदाताओं ने मतदान में हिस्सा बढ़ाया है जिनके मतों पर दल लंबे समय से निर्भर थे। इस बढ़ी भागीदारी का मतलब साफ है, नेताओं को अब जवाबदेही भी ढंग से दिखानी होगी।

एनडीए ने न सिर्फ बहुमत पार किया, बल्कि बहुत मामलों में महागठबंधन को पीछे छोड़ा। इस बढ़त के पीछे कई कारक हैं। नीतीश कुमार की महिला मतदाता और अत्यंत पिछड़ा वर्ग फॉर्मूला माना जा रहा है जिनमे एनडीए ने अच्छी पकड़ बनाई है। मुस्लिम बहुल सीटों में एनडीए को पारंपरिक अनुमान से बेहतर नतीजे मिले, खासतौर पर जब बहुत लोग मान रहे थे कि यह हिस्से विरोधी गुट का सहज आधार होंगे। एनडीए की जीत का प्रमुख कारण यह रहा की जनता के बीच जाकर उन्होंने अपने सरकार की उपलब्धियां गिनाई जबकि विपक्ष के पास ऐसा कुछ नहीं था सिवाय नाकामियों के। केंद्र सरकार की तरफ से 10, 000 रुपए की महिलाओं को सौगात भी वोट बैंक का मजबूत आधार बना। दूसरी तरफ विपक्ष मनगढ़ंत नारों पर चलता रहा और जनता ने उस पर भरोसा नहीं जाताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ 'वोट चोर गद्दी छोड़' जैसे राहुल गांधी के नारों ने उल्टा काम किया। राहुल गाँधी लगातार अपनी राजनीति में बैकफुट पर हैं, लेकिन अपनी रणनीति में कोई बदलाव नहीं ला पा रहे हैं। बिहार चुनाव की सबसे बड़ी बात यह रही है कि नितीश और मोदी के वहां सत्ता में होने की वजह से इसका सीधा लाभ मिला है, जबकि विपक्ष के पास सिर्फ हवाई नारों के अलावा उसके पास दिखाने के लिए कोई जमीन नहीं थी। जबकि बिहार की जनता नितीश और भाजपा सरकार के कार्यों से संतुष्ट थीं जिसका असर चुनाव परिणाम पर साफ दिखा। महागठबंधन इस चुनाव में कुछ आशा लेकर उतरा था, लेकिन उसके प्रदर्शन ने दिखाया कि उसकी रणनीति कामयाब नहीं रहीं और जनता ने एनडीए पर भरोसा जताया। पूर्वानुमानों में उसे करीब 98-118 सीटें मिलने की भविष्यवाणी की गयी थी। लेकिन परिणामस्वरूप वह उम्मीद के मुताबिक स्थिति नहीं बना पाया। विपक्ष में नेतृत्व का स्पष्ट अभाव जनता को यह भरोसा नहीं हुआ कि गठबंधन में कौन वास्तविक सत्ता संभालेगा। जबकि बिहार के युवा, महिलाएं और पिछड़े वर्ग के मतदाताओं ने विकास पर अधिक विश्वास जताया। बिहार के जनादेश ने साफ कर दिया है कि वह धर्म-जात और संप्रदाय की राजनीति से जनता उब चुकी है। अगर सुकून से उसे दो वक्त की रोटी, दो हाथों के लिए काम, बेहतर यातायात और स्वास्थ्य सुविधा मिल रहीं है तो यह निश्चित रूप से एक अच्छी सरकार चुनना चाहती है। बिहार की जनता ने सच्चे मायनों में उसने किसी राजनीतिक दल के लिए नहीं बिहार की उन्नत के लिए यह जनादेश दिया है। बेशक इसमें कोई शक नहीं है कि वहां एनडीए सरकार ने नेतृत्व में नितीश ने काम किया है और इसका फायदा सीधे जनता को मिला है।

मरने के पहले मरने की तमन्ना

वक्रोक्ति

राजेंद्र बज

लेखक व्यंग्यकार हैं।

अपुन ही मन तो नहीं कि वृद्धावस्था में वेंटिलेटर पर सांसें ले रहे हो और जमाने में मरने की हवा फैला दी गई हो। वैसे चतुर सुजान कहते है कि जीते जी मरने की हवा जीवन दान दे दिया करती है। इसी सोच के चलते अपुन जीते जी जमाने की नजरों में मर जाने की तमन्ना रखते हैं। खैर। बीते दिनों यह खबर सुर्खियों मे थी कि एक आदमी ने अपना रसूख जानने के लिए जीते जी मर जाने का नाटक किया। अंतिम यात्रा में जो गए वे तो उनकी नजरों मे चढ़ गए लेकिन जिन्होंने किनारा कर लिया, वे नजरों से उतर गए। आजकल के दौर में जिस प्रकार शुद्धता की कोई गारंटी नहीं, ठीक उसी प्रकार तथाकथित मरने वाला भी मर ही गया हो, इसे लेकर पक्के तौर पर आश्वस्त नहीं हुआ जा सकता।

आजकल के दौर में मीडिया अपने समय से दो कदम आगे चल रहा है। लेकिन सोशल मीडिया तो परंपरागत मीडिया से भी चार कदम आगे की दौड़ लगा रहा है। एक प्रकार से सोशल मीडिया समय का इंतजार नहीं करता। कुछ होने के पहले हल्ला बोलना सोशल मीडिया की आदत में शुमार होता जा रहा है। दरअसल आजकल आदमी को सब्र ही नहीं है, यही कारण है कि कुछ होने से पहले ही कुछ करने की भावनाएं बलवती होती जाती है। अब देखिए न ही मैन स्वस्थ होकर घर को चले गए। जिस घर में उनका घर था वहीं गए। वैसे हमारा आपका अंतिम घर तो एक ही है। अब यह अलग बात है कि हम इस जन्म में अपने पड़ाव को ही अपना घर मानते आए हैं।

वैसे यह भ्रम अधिक से अधिक संबंधित के 100 साल का हो जाने तक हो सकता है, ऐसा माना जाता है। लेकिन अब आदमी यदि 60/65 का भी हो जाएं और तमाम तरह में से किसी खास तरह की बीमारी के चलते वेंटीलेटर के हवाले कर दिया जाएं, तो उसके चाहने वालों को समझ आ जाता है कि बस अब और नहीं। अधिक से अधिक इतने दिन या उतने दिन। कभी-कभी तो ऐसा होता है कि सूर्योदय के काफी पहले और सूर्यास्त के काफी बाद असमय फोन की घंटी के घनघनाने पर कुछ किनारे बैठे नजदीकी आंखों के सामने तैर जाया करते हैं। इसके मायने यह हुए कि कहीं न कहीं अवचेतन मन में कुछ तो तथाकथित अनहोनी लेकिन होनी का अंदेशा दिमाग में उमड़ घुमड़ रहा होता है।

जब तक किसी के वास्तव में मरने की पक्की खबर नहीं मिले, सुनी सुनाई बात पर विश्वास कर घर बैठे श्रद्धांजलि अर्पित कर देना भी ठीक नहीं। कारण कि ऐसा करने पर अपनी प्रामाणिकता खतरे में पड़ सकती है। अन्यथा यदि शवयात्रा में शामिल होने का 'मूड' बनाकर घर से निकले और बैरंग लिफाफे की तरह घर को लौटना पड़े, तो .... तो क्या दिवंगत के वास्तविक चरित्र चित्रण से वंचित हो जाना पड़ता है। लिखना जरूरी है कि मुक्तिधाम ही वह स्थल है जहां शोकसभा में दिवंगत के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का लेखा-जोखा जानने सुनने और समझने का अवसर मिलता है। शोकसभा में दिवंगत के प्रति विभिन्न वक्ताओं द्वारा सकारात्मक भाव व्यक्त किया जाता है। लेकिन नकारात्मक पहलुओं की जानकारी परस्पर खुसर पुसर से मिला करती है।

सोचता हूं कि दुनिया से कूच करने के पूर्व मेरे दुनिया से कूच कर जाने की खबर आम हो जाए, तो मुझे समझ में आ जाएं कि आखिर मेरी जिंदगी का मोल कितना था ? मैं जब सच्ची में दुनिया से कूच कर जाऊं उसके पूर्व ही यह भली भांति जान सकूं कि दुनिया की नजरों में अपुन का अक्स कैसा है ? अगर ऐसा नहीं हो सका तो मुझे क्या पता चलेगा कि इस मायावी संसार में अपुन का वजूद क्या मायने रखता था ? लेकिन, लेकिन अपने ऐसे नसीब कहां कि जीते जी मर जाएं, अपुन तो उन लोगों में है जो जी जी कर रोज दर रोज मरने के अंदेशे से मरे जा रहे हैं।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

बिरसा मुंडा ने अपना सर्वस्व राष्ट्र के लिए किया समर्पित

जनजाति गौरव दिवस विशेष

अमित राव पवार

लेखक स्तंभकार हैं।

1857 से लेकर 1947 तक का समय इतिहास हमें अवगत करवाता,कितना संघर्ष अपनी मातृभूमि,संस्कृति के लिए हर वर्ग-जाति के लोगों,अनेक वीरों ने भारत भूमि के लिए बलिदान व प्राणों की आहुतियां दी। ब्रिटिश राज में जो संघर्ष हुआ करीब 100 वर्ष का कहा जाता हमे इसी बीच का स्वतंत्रता संघर्ष बताया और पढ़ाया भी यही जाता है। जबकि स्वतंत्रता संग्राम के इतिहासनुसार 1857 में तो मंगल पांडे के द्वारा पहली क्रांति अथवा विद्रोह हुआ इस तात्पर्य से अंग्रेजों या ब्रिटिश शासन इसके पूर्व से ही धीरे-धीरे अपनी जड़े तथा पैर भारत में पसारने लग गए होंगे। कौन और कैसे संघर्ष कर इन गोरे अंग्रेजों से तब मुकाबला कर रहा था जनाकारी के आधार पर उस समय जनजाति समाज के लोग अंगेजो से अपने जल,जंगल,जमीन की रक्षा के लिए इन ब्रिटिश ईसाइयों से मुकाबला कर रहे थे।13 जनवरी 1785 अपनी उम्र के 35वें वर्ष में भागलपुर(बिहार) में अंग्रजों के द्वारा एक पेड़ पर लटकाकर क्रांतिकारी तिलका मांझी को फाँसी दे दी गई। तत्कालीन कलेक्टर ऑगस्टस क्लीवलैड को 1784 में मारा, यह विद्रोह जनजाति समाज के शोषण एवं ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ था,इसे 1857 की क्रांति के काफ़ी पहले माना जाता। जिन्होंने अपने जनजाति समाज के लोगों को साथ लेकर ब्रिटिश हुकूमत से सामना किया। यह सिलसिला यही नहीं थमा,लगातार जनजाति समाज अपने जल,जंगल,जमीन के लिए संघर्ष करते नजर आ रहा इसी कड़ी में एक ऐसा नाम जिसने अंग्रेजो को लोहे के चने चबाने के लिए मजबूर कर दिया अपनी जनजाति समाज को एकत्रित कर धर्म व मातृभूमि के बारे में अवगत कराते हुए स्वाभिमान से जीना सिखाया,मात्र 25 वर्ष की आयु में अपने को इस मातृभूमि के लिए समर्पित कर प्राण दे दिए अपने अद्भुत साहस,शौर्य,पराक्रम,जनसेवा-मदद से वे भगवान बिरसा मुंडा कहलाए।

इस नन्हे से बालक ने अपने स्कूल समय से ही ब्रिटिश अंग्रेजों को समझ लिया तथा यह भी भाप लिया था कि वे हमारे जनजाति समाज के भोले-भाले भाइयों को हमारे मूल धर्म प्रकृति पूजन से अलग कर धर्म परिवर्तन का लालच दे रहे हैं। इसी कारण इस बालक ने अपना विद्यालय छोड़ दिया और अपनी जनजाति बंधुओं को एकत्र कर गोरे अंग्रेजों के सामने संघर्ष करने के लिए तैयार किया। ईश्वर ने किस मिट्टी से बनाया होगा इतिहास में यदि हम देखें तो 23 साल में भगत सिंह फांसी और बिरसा मुंडा 25 वर्ष की आयु में अपनी मातृभूमि के लिए बलिदान अनेक अत्याचारों के बावजूद अपने कर्म से विमुख नहीं हुए।

अंग्रेजों का कहना था कि हम नगर में जीत गए,पर वनों में हार गए। इसका सही और सीधा कारण यही था कि जनजाति समाज के लोग अपने प्रकृति धर्म की पूरी रक्षा करते हुए प्राणों तक निछावर से पीछे नहीं हुए जनजाति समाज में अनेक ऐसे योद्धा हुए जिन्होंने अपनी जल,जंगल,जमीन व धर्म के लिए सब कुछ त्यागते हुए प्राण तक दे दिए। पर यह विडंबना रही की आजादी के बाद इतिहास में इन्हें वह स्थान नहीं मिल पाया जिसके लिए ये असल हकदार थे।15 नवंबर भगवान बिरसा मुंडा जी के जयंती दिन को भारत सरकार ने 2021 में जनजाति गौरव दिवस के रूप में घोषित किया तब से यह दिन जनजाति गौरव दिवस के नाम से जाना जाने लगा। इसका मूल कारण यह की जनजाति समाज के द्वारा स्वतंत्रता संग्राम व इसके पूर्व के योगदान को समाज के समक्ष लाया जा सके,स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान का सम्मान किया जा सके ओर जनजाति समाज जो आज भी अपनी वर्षो पुरानी परंपरा को इस आधुनिक युग मे निभा रहे उन पर गर्व हो।

जनजातीय समाज लोक भाषा, नृत्य,गीत कहावत यह सब अलिखिति है किंतु पीढ़ी दर पीढ़ी यह आगे बढ़ता गया, जनजातीय रीति रिवाज परंपरा, खानपान,पहनावा संस्कृति, रूढ़ी प्रथा परंपरा। इसी तरह जनजाति महापुरुष लोक देवता, कुल देवी-देवता आदि सभी जनजाति गौरव के रूप में पूजे जाते हैं। विभिन्न प्रकार के कार्य जीवन यापन करने वाली वस्तुएं तथा अपने पुश्तैनी कार्य,स्वयं की मेहनत पर विश्वास रखना,समस्त प्रकार के पालतू पशु- जानवर को अपना परिवार का सदस्य मानते व अपना जीवन यापन करते।जल,जंगल,जमीन से जुड़ाव जनजाति समाज की विशेषता तथा स्वतंत्रता संग्राम में विशेष क्रांति करने वाले ही जनजाति समाज है। पाइका, भील, कोल आदि विद्रोह सर्वप्रथम जनजाति समाज ने ही अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी उसके बाद ही यह आग अन्य विद्रोह के रूप में बढ़ती गई। लंबे समय तक साधन व संसाधनों के बिना किसी वस्तु को सुरक्षित रखने का ज्ञान जनजाति समाज के पास ही था,प्राचीन काल से ही जंगलों की जड़ी बूटी का ज्ञान सदियों से जनजाति समाज के पास ही था। जंगलों के जानवरों से प्रेम करना आदिवासियों की ही देन है। सभी प्रकार के जनजातीय मंत्र जो अलिखित है जिसमें सरलता से सांप,बिच्छू आदि जैसे जहर को आसानी से उतारा जाता है। यह मंत्र आज भी जनजाति समाज के पूर्वजों के पास संरक्षित है धीरे-धीरे सभी प्रकार के बीमारियों को ठीक करने का मंत्र ज्ञान जनजाति के पास ही था। धर्म क्या होता है धर्म में किस प्रकार अपना जीवन यापन किया जाता है और समय-समय पर देवी-देवता की पूजा अर्चना करना जनजाति समाज से ही सीखा जाता है। यही सनातन धर्म है और यही जनजाति समाज का गौरव है।

जिस तरह भगवान बिरसा मुंडा जी ने अपना जीवन सर्वस्व राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिया उनसे प्रेरणा लेकर जनजातीय समाज समूह में रहना, सामूहिकता जनजाति समाज की एक महत्वपूर्ण विशेषता है। संगठन शक्ति, सामाजिक समरसता,संयुक्त परिवार, सामाजिक सद्भाव आदि गुण जनजाति समाज में विशेष रूप से पाए जाते हैं। जनजाति गौरव दिवस केवल भगवान बिरसा मुंडा जी को ही समर्पित नहीं है। यह दिन उन समस्त जनजाति समाज को समर्पित है जिन्होंने इस मातृभूमि के लिए अपना बलिदान दिया वे परिवार जिनके कारण आज जनजाति समाज सर उठाकर गर्व कर सके यह दिन हमें बताता है कि इस मातृभूमि के लिए नगरों से पहले वनों से क्रांति आरंभ की गई थी।

रजत पट

डॉ. मनीष जैसल

लेखक सिनेमा के प्राध्यापक और फिल्म समीक्षक हैं।

नेहरु युग का सिनेमा : दृष्टि, संवाद और सांस्कृतिक निर्माण का युग

स्वतंत्रता के बाद जब भारत अपने अस्तित्व और पहचान की नई परिभाषा गढ़ रहा था, तब सिनेमा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय मानस को आकार देने वाला माध्यम भी बना। इस सांस्कृतिक पुनर्जागरण के केंद्र में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू दिखाई पड़ते हैं। आधुनिक भारत के इस शिल्पकार ने सिनेमा को 'राष्ट्र निर्माण की प्रयोगशाला' की तरह देखा। परंतु जहाँ एक ओर नेहरू का दृष्टिकोण सिनेमा को सामाजिक जागरूकता और प्रगतिशीलता का औजार बना रहा, वहीं दूसरी ओर उसी दौर में फिल्म उद्योग बाजार, नैतिकता और वर्गीय असंतुलन के दबावों से भी जूझता रहा। नेहरू युग के सिनेमा की उसी जटिलता की आलोचनात्मक पड़ताल आज प्रासंगिक है क्योंकि यहाँ यानि सिनेमा में परदे पर आदर्श और यथार्थ, स्वप्न और संघर्ष, दोनों समानांतर चलते हैं।

राजनीति के साथ-साथ नेहरु का गहरा झुकाव कला, साहित्य और सिनेमा की ओर भी था। सिनेमा उनके लिए मात्र मनोरंजन का माध्यम नहीं था, बल्कि वह इसे जनशिक्षा, सामाजिक जागरूकता और राष्ट्रीय एकता का उपकरण मानते थे। जब भारत स्वतंत्रता की ओर अग्रसर था, नेहरू सिनेमा को उस नए भारत की कल्पना का माध्यम बना रहे थे जो विचारों में आधुनिक और संवेदनाओं में मानवीय हो।

नेहरू ने अपने शुरुआती भाषणों और लेखों में बार-बार यह कहा कि सिनेमा जनता तक पहुंचने का सबसे प्रभावशाली माध्यम है। 1948 में उन्होंने सूचना और प्रसारण मंत्रालय के गठन के समय यह स्पष्ट कहा कि भारत में सिनेमा एक विशाल जनशक्ति है, और यदि इसे सही दिशा दी जाए तो यह देश के सांस्कृतिक निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

उनके समय में सिनेमा पर सेंसरशिप और नैतिकता को लेकर कई बहसें हुईं। नेहरू ने इन बहसों में संतुलित दृष्टिकोण अपनाया। वे यह मानते थे कि कला पर अत्यधिक नियंत्रण उसके रचनात्मक स्वरूप को बाधित करता है, लेकिन साथ ही यह भी स्वीकारते थे कि एक नवगठित राष्ट्र में सामाजिक जिम्मेदारी का भाव सिनेमा में होना चाहिए। इसीलिए उन्होंने फिल्म सेंसर बोर्ड के गठन को समर्थन दिया, ताकि सिनेमा समाज के नैतिक और सांस्कृतिक मानदंडों के साथ तालमेल रख सके। हालाँकि आज के समय तक यह बहस का बिंदु है कि सिनेमा में सेंसर की जरुरत क्यों है ?

नेहरू का सिनेमा के लोगों से व्यक्तिगत जुड़ाव भी उल्लेखनीय है। वे पृथ्वीराज कपूर, देविका रानी, ख्वाजा अहमद अब्बास, सत्यजीत रे और राज कपूर जैसे कलाकारों और फिल्मकारों के साथ संवाद में रहते थे। राज कपूर की फिल्मों आवारा और श्री 420 में नेहरू ने भारत के उस समाज को देखा जो संघर्षों के बीच उम्मीद और मानवता को बचाए रखने की कोशिश कर रहा था। आवारा की लोकप्रियता सोवियत संघ और एशियाई देशों में जब चरम पर थी, तब नेहरू ने स्वयं कहा था कि 'यह फिल्म भारत की आत्मा की अंतरराष्ट्रीय आवाज़ है।'

सत्यजीत रे की पांथेर पांचाली ने जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का गौरव बढ़ाया, तो नेहरू ने न केवल इस फिल्म की सराहना की बल्कि इसे विदेशों में प्रदर्शित करवाने के लिए सरकार की ओर से समर्थन भी दिया।

नेहरू के काल में भारतीय सिनेमा एक संक्रमण के दौर से गुजर रहा था। आज़ादी के बाद की फिल्मों में राष्ट्र निर्माण, सामाजिक न्याय, गरीबी, शिक्षा और प्रगतिशीलता के विषय उभरकर आए। दो बीघा ज़मीन, नई दिल्ली, मदर इंडिया और प्यासा जैसी फिल्मों ने उस भारत की तस्वीर दिखाई जो नेहरू के 'वैज्ञानिक दृष्टिकोण' और 'मानवतावादी समाज' के सपने को साकार करने की कोशिश कर रहा था। नेहरू के इस सांस्कृतिक प्रभाव को उस दौर की पटकथाओं और गीतों में भी महसूस किया जा सकता है। नेहरू ने सिनेमा को उस नई राष्ट्रीय चेतना का दर्पण माना जो भारत को परंपरा से आधुनिकता की ओर ले जा सके। वे सिनेमा को विज्ञान, शिक्षा और मानवतावाद के प्रसार का साधन मानते थे। 1947 से 1964 तक का समय भारतीय सिनेमा के लिए पुनर्निर्माण का युग कहा जा सकता है। युद्ध, विभाजन और गरीबी से जूझते समाज में सिनेमा ने लोगों को आशा दी। यह वह दौर था जब नेहरू की 'वैज्ञानिक दृष्टि' और 'समाजवादी' आदर्श फिल्मों की कहानियों में उतरने लगे। नेहरू का मानना था कि भारतीय जनता की चेतना तक सबसे तेज़ पहुँचने का रास्ता सिनेमा से होकर जाता है। उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा था कि फिल्में 'सबसे जीवंत शिक्षण माध्यम' हैं। इसीलिए 1948 में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की स्थापना के साथ फिल्म डिवीजन का गठन हुआ, जो सरकारी दृष्टि में सिनेमा को एक शिक्षाप्रद औजार के रूप में परिभाषित करता था।

लेकिन यह दृष्टिकोण एक विरोधाभास भी पैदा करता है। जब सिनेमा को शिक्षण माध्यम बना दिया गया, तो उसका कलात्मक स्वतंत्रता का पक्ष कमजोर पड़ने लगा। फिल्मकारों पर यह दबाव बढ़ा कि वे 'राष्ट्रहित' में ही फिल्में बनाएं । यह वही दौर था जब कलात्मक प्रयोगवाद को प्रोत्साहन कम और संदेशपरकता को प्राथमिकता मिली। उदाहरण के लिए, दो बीघा ज़मीन (बिमल रॉय) और मदर इंडिया (मेहबूब खान) जैसी फिल्में नेहरूवादी समाजवाद की भावना से प्रेरित थीं। किसान, श्रमिक और निर्धन वर्ग के संघर्ष को नैतिक आदर्श में रूपांतरित किया गया। परंतु आलोचक यह भी कहते हैं कि इन फिल्मों में गरीबी को अक्सर 'पवित्र' बनाकर दिखाया गया, जिससे वास्तविक वर्गसंघर्ष की जटिलता पर परदा पड़ गया।

नेहरू के सांस्कृतिक दृष्टिकोण में 'प्रगति' का अर्थ पश्चिमी आधुनिकता के समानांतर था। इस कारण सिनेमा में तकनीकी और शहरी विषयों का प्रवेश हुआ। पर यह भी सच है कि ग्रामीण भारत, जहाँ नेहरू की विकास नीतियाँ कम पहुँच पाईं, वहीं सिनेमा में भी धीरे-धीरे 'शहर' नायक बन गया और गाँव 'भावनात्मक पृष्ठभूमि' की तरह परदे पर दिखाई देने लगे ।

इस दौर के गीत और संवाद में 'नए भारत' का सपना था, 'हम लाए हैं तूफ़ान से कश्ती निकाल के' जैसे गीतों में नेहरू युग की आकांक्षाएँ झलकती हैं। लेकिन इन सपनों के समानांतर सामाजिक असमानता, बेरोजगारी और लिंगभेद जैसे यथार्थ भी मौजूद थे, जिन्हें मुख्यधारा सिनेमा ने सजाकर या नरम बनाकर दिखाया। आलोचकों का मत है कि नेहरू युग का सिनेमा नैतिक और सामाजिक प्रश्नों को भावनात्मक समाधान देता था, तर्कपूर्ण नहीं । यह सिनेमा 'नैतिक नायक' पैदा करता था, न कि 'राजनीतिक नागरिक'। इसलिए उसे समाजशास्त्रीय दृष्टि से संतुलित लेकिन सीमित सिनेमा कहा गया। नेहरू कला की स्वतंत्रता के पक्षधर थे, परंतु उन्होंने यह भी कहा कि कला सामाजिक उत्तरदायित्व से मुक्त नहीं हो सकती। इस कथन ने सिनेमा के लिए नैतिक सीमाएँ तय कर दीं। नतीजतन कई फिल्में उस दौर में 'संवेदनशील' कहकर रोकी गईं या काट-छाँट से गुज़रीं हैं ।

फिर भी यह कहना गलत होगा कि उस समय सिनेमा ने कोई प्रतिरोध नहीं दिखाया। प्यासा (गुरुदत्त) और कागज़ के फूल जैसी फिल्मों ने नेहरूवादी आदर्शों के मोहभंग को बखूबी दर्शाया, जहाँ विकास की चमक के नीचे व्यक्ति की संवेदनहीनता और अकेलापन उभरता है। यह विडंबना ही थी कि जिस दौर में सरकार 'सामाजिक यथार्थवाद' को प्रोत्साहित कर रही थी, उसी समय यथार्थवादी फिल्में आर्थिक रूप से असफल रहीं। जनता ने अधिकतर रोमांटिक या आशावादी कथाओं को अपनाया। इसने दिखाया कि जनता का मानस और सरकारी दृष्टि में एक दूरी थी।

नेहरू के समय भारतीय सिनेमा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पहचान बनाई। पांथेर पांचाली को कांस में पुरस्कार मिला, आवारा ने सोवियत संघ में लोकप्रियता पाई। पर आलोचक मानते हैं कि इस 'सांस्कृतिक निर्यात' में भारत को अक्सर 'गरीबी और रहस्य का देश' के रूप में प्रस्तुत किया गया, जो पश्चिमी दर्शकों की कल्पना को भाता था।

नेहरू के समय में अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में भारत की भागीदारी बढ़ी। 1952 में पहला इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (IFFI) आयोजित हुआ, जो उनके ही विचारों से प्रेरित था। नेहरू चाहते थे कि भारतीय दर्शक दुनिया के सिनेमा से जुड़ें और भारतीय फिल्मकार वैश्विक दृष्टि को अपनाएं। यह पहल आगे चलकर भारतीय सिनेमा के वैश्वीकरण की दिशा में पहला कदम बनी।

नेहरु युग में सिनेमा का नायक आदर्शवादी, ईमानदार, श्रमिक, सच्चा देशभक्त जैसा था परंतु स्त्री पात्र प्रायः त्याग और मर्यादा की मूर्ति बनकर रह गईं । नेहरू के 'नारी सशक्तिकरण' के राजनीतिक विचार सिनेमा में उतने स्पष्ट रूप से नहीं उतर पाए। संगीत के क्षेत्र में शास्त्रीयता और आधुनिकता का सुंदर मिश्रण सुनाई पड़ता है । नौशाद, शंकर-जयकिशन, एस.डी. बर्मन जैसे संगीतकारों ने सिनेमा को सांस्कृतिक एकता का स्वर दिया। परंतु यही संगीत उद्योग धीरे-धीरे व्यावसायिक बाजार की ओर झुकने लगा, जो नेहरू के संवेदनशील संस्कृति के आदर्श से अलग दिशा थी।

व्यक्तिगत रूप से नेहरू फिल्मों को देखने और समझने में भी रुचि रखते थे। उनके सचिवों के संस्मरण बताते हैं कि वे समय मिलने पर देशी-विदेशी फिल्में देखते थे और उन पर गंभीर चर्चा करते थे। उन्होंने नेहरू का मानना था कि बच्चों को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि संवेदना और ज्ञान देने वाला सिनेमा मिलना चाहिए। उनके समय में बाल फिल्म सोसाइटी जैसी संस्थाओं की अवधारणा पर विचार हुआ और शैक्षिक फिल्मों को बढ़ावा दिया गया। बाद में 1955 में स्थापित चिल्ड्रन फिल्म सोसाइटी, इंडिया (CFSI) उनकी प्रेरणा से ही शुरू हुई, जिसका उद्देश्य था ऐसे बाल सिनेमा का निर्माण जो भारतीय मूल्यों, वैज्ञानिक सोच और सृजनशीलता को पोषित करे।

आज जब हम भारतीय सिनेमा के सौ वर्षों की यात्रा पर नज़र डालते हैं, तो नेहरू का योगदान किसी सूत्रधार की तरह दिखाई देता है, जो राजनीति और संस्कृति, विचार और भावना के बीच सेतु बनाता है। उन्होंने सिनेमा को उस युग की जनचेतना से जोड़ा जब भारत अपने नए अस्तित्व की खोज में था।

जनजातीय दिवस विशेष

प्रो. अस्मिता सिंह

लेखक प्राध्यापक हैं।

जनजातीय संस्कृति में समाया पर्यावरण संरक्षण

भारत की आत्मा गाँवों में बसती है, और इन गाँवों की आत्मा जनजातियों में। आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में जब प्रकृति शोषण का शिकार बन रही है, तब भी देश की जनजातीय संस्कृति आज उस आदर्श की मिसाल है, जहाँ मनुष्य और प्रकृति का संबंध उपभोग नहीं, सहअस्तित्व का है।

भारत की जनजातीय संस्कृति प्रकृति के प्रति गहन श्रद्धा, संतुलन और संरक्षण की जीती-जागती परंपरा है। आदिवासी समुदायों के जीवन में जंगल, जल और जमीन मात्र संसाधन नहीं, बल्कि जीवन के मूलाधार हैं। वे प्रकृति को माँ और पर्यावरण को जीवनदाता मानते हैं। यही कारण है कि उनकी संस्कृति, पूजा-पद्धति और लोकाचार में पर्यावरण संरक्षण की गहरी जड़ें समाई हुई हैं।

गोंड जनजाति इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। वे सूर्य, चंद्रमा, वृक्षों और जलस्रोतों की पूजा करते हैं। उनके सबसे प्रमुख देव बूढ़ादेव हैं, जिन्हें साजा वृक्ष के नीचे स्थापित किया जाता है। यह परंपरा केवल धार्मिक नहीं, बल्कि पर्यावरणीय दर्शन से भी जुड़ी है। साजा का वृक्ष अपनी गहरी जड़ों से भूमि को कटाव से बचाता है और उसके चौड़े पत्ते धूप व वर्षा से मिट्टी की रक्षा करते हैं। यही कारण है कि गोंड समाज ने साजा को स्थायित्व और संरक्षण का प्रतीक माना है।

इसी प्रकार, संथाल जनजाति का जाहेर थान प्रकृति पूजा का सर्वोत्तम उदाहरण है। सखुआ वृक्षों के नीचे स्थित यह सामुदायिक पूजा स्थल केवल देव उपासना का नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ सामंजस्य और सामाजिक एकता का प्रतीक है। यहाँ वे जाहेर गगो (वन देवी) की पूजा करते हैं जो सृष्टि, हरियाली और जीवन के चक्र की प्रतीक हैं।

छोटानागपुर क्षेत्र का सरना स्थल भी आदिवासी आस्था का पवित्र केंद्र है। इसे 'पवित्र उपवन' कहा जाता है, जहाँ प्राकृतिक शक्तियों, वृक्षों और ग्राम देवताओं की पूजा की जाती है। फसल कटाई, वर्षा और परिवर्तन के पर्वों पर यहाँ विशेष अनुष्ठान आयोजित होते हैं। सरना स्थल यह दर्शाता है कि जनजातीय समाज में पर्यावरण केवल धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि सामूहिक जीवन का आधार है।

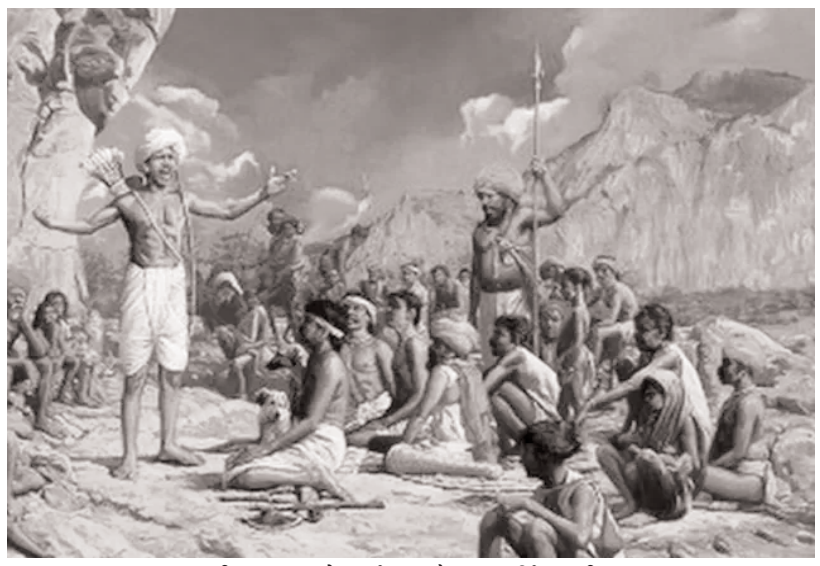

सतपुड़ा की हरित वादियों की गोद में स्थित भील जनजाति-प्रधान बड़वानी ज़िले का मटली गाँव हर वर्ष इंदल उत्सव की आस्था और उल्लास से जीवंत हो उठता है। यह पर्व जनजातीय संस्कृति में जल संरक्षण की गहरी समझ को दर्शाता है। इंदल देव को जल के देवता माना जाता है उनकी पूजा वर्षा, फसल और स्वास्थ्य की मंगलकामना के लिए की जाती है। यह पर्व इस बात का प्रमाण है कि आदिवासी समाज प्रकृति के प्रत्येक तत्व को जीवंत मानता है और उसके साथ कृतज्ञता का संबंध बनाए रखता है।

इन परंपराओं की जड़ में 'जल, जंगल, जमीन' की वही चेतना है जिसे बिरसा मुंडा ने अपने आंदोलन का आधार बनाया था। ऐसे परिप्रेक्ष्य में बिरसा मुंडा का संघर्ष विशिष्ट महत्त्व रखता है। बिरसा ने 19वीं सदी के उत्तरार्ध में जब ब्रिटिश वन-नीतियों के विरुद्ध आवाज उठाई, तो वे केवल सामाजिक-आर्थिक स्वतंत्रता की बात नहीं कर रहे थे; वे जल-जंगल-जमीन की आत्मिक रक्षा का आग्रह कर रहे थे। उनकी प्रेरणा यही थी कि जब तक जमीन और वन सुरक्षित नहीं होंगे, तब तक जनजातीय समुदायों की आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक अस्मिता बची नहीं रह सकती। बिरसा का आंदोलन आज भी यह याद दिलाता है कि पर्यावरणीय अधिकार और मानव अधिकार अविभाज्य हैं।

आज जब वैश्विक तापवृद्धि, वनों की कटाई और जलसंकट मानवता के सामने गंभीर चुनौती बन चुके हैं, तब जनजातीय संस्कृति की यह प्रकृति-आधारित जीवन दृष्टि हमें सिखाती है कि पर्यावरण की रक्षा केवल नीतियों से नहीं, बल्कि जीवन-मूल्यों से होती है। भारत की जनजातीय संस्कृति में प्रकृति केवल पृष्ठभूमि नहीं, बल्कि जीवन का मूलाधार है। उनके रीति-रिवाज, पर्व-त्योहार, अर्थव्यवस्था और निर्णय-प्रक्रिया सभी प्रकृति के चक्रों के अनुरूप जुड़े हुए हैं। यही कारण है कि जनजातीय जीवन पद्धतियाँ पर्यावरण संरक्षण का एक स्वाभाविक और असरदार मॉडल प्रस्तुत करती हैं जिसमें संसाधन का संतुलित उपभोग, जैव-विविधता का सम्मान तथा जल-मिट्टी-वन की पवित्रता बनाए रखने की गहरी समझ समाई है। उनकी परंपराएँ हमें यह संदेश देती हैं कि प्रकृति से अलग होकर नहीं, बल्कि उसके साथ जुड़कर ही मानव सभ्यता का भविष्य सुरक्षित रह सकता है।

सर्दियों में योग

अरुण कुमार

वरिष्ठ पत्रकार, योग जानकार

तंदुरुस्त शरीर और ऊर्जावान मन का मंत्र है योग

जो किशोर मोबाइल व वीडियो गेम तक सीमित होते जा रहे हैं, उनके लिए ये आसन बेहद उपयोगी हैं। यदि विद्यालयों में इन आसनों को सुबह प्रार्थना सभा के बाद 15–20 मिनट कराया जा सकता है, तो यह उनके स्वास्थ्य के लिये बेहद उपयोगी हो सकते हैं। यह उनके जीवन का हिस्सा बन जाए तो वे ताउम्र स्वस्थ रह सकते हैं। इस दौरान छात्रों को आसन करते समय सांस पर ध्यान देने के लिये प्रेरित करना चाहिए। इसके जरिये उनके मन को शांत रखने का सार्थक प्रयास किया जा सकता है।

सर्दियों का मौसम खूब खाने-पीने व सेहत बढ़ाने वाला होता है। लेकिन, ये ठंडक, सुस्ती और कई बार आलस्य लेकर आता है। इस समय शरीर का तापमान कम हो जाता है, रक्त प्रवाह धीमा पड़ता है और पाचन तंत्र भी कमजोर हो सकता है। ऐसे में योग, प्राणायाम और मुद्राओं का अभ्यास शरीर को ऊर्जावान, गरमाहट भरा और स्वस्थ बनाए रखने में बहुत सहायक होता है। हिमालय सिद्ध अक्षर ने बताया कि हम योगासन, प्राणायाम व मुद्राओं से कैसे स्वस्थ रह सकते हैं। शरद ऋतु में जीवन की एकरसता कम करने व ऊर्जावान बनाने में योगासनों की बड़ी भूमिका होती है। इस मौसम में योगासन हमारे शरीर को लचीला, ऊर्जावान और चुस्त बनाते हैं। सर्दियों में कुछ आसन विशेष रूप से लाभकारी होते हैं। सर्दियों में सूर्य नमस्कार सबसे उपयुक्त योग अभ्यास माना जाता है। यह हमारे शरीर के हर भाग को सक्रिय करता है। शरीर में रक्त प्रवाह बढ़ाता है, साथ ही गरमाहट लाता है। स्कूलों में सुबह-सुबह सूर्य नमस्कार का अभ्यास छात्रों को ऊर्जावान बना सकता है। सर्दियों में त्रिकोणासन बेहद लाभकारी होता है। यह हमारे शरीर की जकड़न खत्म करता है। यह आसन हमारे शरीर की मांसपेशियों को फैलाता है। साथ ही पाचन तंत्र को ठीक करता है। आसन ठंड में शरीर की जकड़न कम करता है।

इसी तरह भुजंगासन हमारे शरीर के अगले भाग को ऊर्जावान व लचीला बनाता है। यह आसन रीढ़ की हड्डी को मजबूत करता है। हमारी छाती को फैलाता है और साथ ही फेफड़ों को सक्रिय बनाता है। सर्दियों में सांस से जुड़ी बीमारियों से बचाव के लिए भुजंगासन उपयोगी है। उष्ट्रासन जहां हमारे शरीर के लचीलेपन को बढ़ाता है वहीं ऊर्जा का संचार भी करता है। यह आसन शरीर के आगे के हिस्से को फैलाता है और शरीर में गरमाहट पैदा करता है। साथ ही यह पाचन तंत्र को भी सुधारता है। कालांतर शरीर में व्याप्त आलस्य दूर करता है। सेतुबंध आसन हमारे तन मन को स्वस्थ बनाने में सेतु का कार्य करता है। इसीलिए इसे सेतुबंध आसन नाम दिया गया। जो हमारी कमर को लचीला बनाता है। यह आसन कमर दर्द, थकान और ठंड के कारण होने वाली जकड़न कम करता है।

प्राणायाम के जरिये हम सांसों का नियमन करते हैं। इससे शरीर में ऑक्सीजन का प्रवाह बढ़ जाता है। सर्दियों के मौसम में प्राणायाम हमारे श्वास-प्रश्वास को नियंत्रित करके शरीर में ऊर्जा और गरमाहट का प्रवाह करता है। सर्दियों में निम्नलिखित प्राणायाम बहुत उपयोगी हैं। सर्दियों में शरीर का तापमान नियंत्रित करने में कपालभाति का बेहद महत्वपूर्ण स्थान है। कपालभाति का अर्थ है 'कपाल को उज्ज्वल करने वाला'। इस प्राणायाम से मस्तिष्क ऊर्जावान और शक्तिशाली बनता है। यह शरीर के रक्त प्रवाह को अच्छा करता है और ठंड के कारण होने वाली सुस्ती को दूर करता है। सुबह खाली पेट 2-3 मिनट इसका अभ्यास लाभदायक है। सही मायनों में अनुमोल-विलोम हमारी सांसों का नियमन करता है। जिसके जरिये हम अपने शरीर के तापमान को भी नियंत्रित कर सकते हैं। दरअसल, यह सबसे संतुलित प्राणायाम है। इससे शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है। इसके अलावा श्वसन तंत्र भी मजबूत होता है। अंततः हमारा मन शांत होता है।

योग की भाषा में भस्त्रिका प्राणायाम को 'योगिक ब्लोअर' भी कहते हैं। यह शरीर में जरूरी ऊष्मा पैदा करता है। इसलिए सर्दियों में भस्त्रिका प्राणायाम बेहद लाभकारी है। इससे रक्त में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है और शरीर ऊर्जावान महसूस करता है। विद्यालयों में इन प्राणायामों को सुबह के योग सत्र में या मध्यांतर के बाद करवाया जा सकता है। यह बच्चों में ध्यान, एकाग्रता और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाता है। वास्तव में सर्दियों में मुद्राएं हमारे शरीर की ऊर्जा को नियंत्रित करती हैं। जिससे मानसिक संतुलन बनाए रखने में हमें मदद मिलती है। सर्दियों में कुछ मुद्राएं विशेष लाभदायक हैं जैसे प्राण मुद्रा हमारे शरीर में ऊर्जा को बढ़ाती है। जिससे कालांतर यह शरीर में जीवनी शक्ति भरती है। सर्दियों में यह हाथ-पैरों की ठंडक कम करती है। सूर्य मुद्रा हमारे शरीर की अग्नि (पाचन शक्ति) को बढ़ाती है। सर्दियों के दौरान हमारे शरीर में गरमाहट लाती है। यदि ठंड के दौरान हम थकान या आलस्य महसूस करते हैं तो सूर्य मुद्रा का अभ्यास करना चाहिए। इस मुद्रा का नाम ज्ञान मुद्रा है, यह हमारी ध्यान शक्ति बढ़ाती है, मन को स्थिर करती है। कालांतर हमें मानसिक शांति प्रदान करती है। शीत ऋतु ही नहीं, अन्य मौसम में भी,इन मुद्राओं का अभ्यास 10-15 मिनट तक शांति से बैठकर किया जा सकता है। विशेषकर जब सूर्य की हल्की धूप हो, तो इनका लाभ बढ़ जाता है।

आहार और दिनचर्या का महत्व

योग केवल आसनों तक सीमित नहीं, बल्कि यह जीवन जीने की एक कला है। सर्दियों में खानपान और दिनचर्या पर ध्यान देना भी उतना ही आवश्यक है। जो हमारे स्वास्थ्य रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सर्दियों में गर्म, ताजा और पौष्टिक भोजन करें, जैसे दलिया, सूप, मूंग दाल, तिल, गुड़, मेवे, और मौसमी सब्जियां। ठंडे पेय, बर्फ या जंक फूड से बचें। सुबह जल्दी उठकर धूप सेंकें। इससे विटामिन मिलेगा और शरीर में गरमाहट बनी रहेगी। पर्याप्त नींद लें और विश्राम करें। दिन में पर्याप्त पानी और हर्बल चाय पिएं ताकि शरीर हाइड्रेटेड रहे। यदि हम दैनिक जीवन में योगासन, प्राणायाम, मुद्राओं का नियमित अभ्यास करें और खान-पान में सावधानी बरतें तो डॉक्टर के पास जाने की जरूरत नहीं। हम सर्दियों के मौसम को स्वास्थ्यवर्धन का अवसर बना सकते हैं।

जनजातीय गौरव दिवस- भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अनलिखे अध्यायों को नमन

मध्यप्रदेश के निमाड़ का नाम आते ही टांट्या मामा या टांट्या भील का स्मरण होता है। उन्हें निमाड़ का शेर कहा जाता है वे लगभग पौने 7 फीट ऊंचे, तेजस्वी व्यक्तित्व वाले योद्धा थे। वे अंग्रेजों से लूटा धन और अनाज गरीबों तक पहुंचाते थे। उन्हें 'भारत का रॉबिन हुड' कहा जाता था। उनका आतंक अंग्रेजों की छावनियों तक फैला रहता था, जहां अतिरिक्त सुरक्षा इसलिए रहती थी कि कहीं टांट्या न आ जाए। अंततः अंग्रेजों ने छल से उन्हें पकड़ा, जबलपुर में फांसी दी और उनका शव पातालपानी क्षेत्र में लाकर रख दिया, ताकि आम लोगों को पता चले कि अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह करने का क्या नतीजा होता है। उनके पकड़े जाने की खबर अंतर्राष्ट्रीय अखबारों में, विशेषकर अमेरिका के न्यूयॉर्क टाइम्स समाचार पत्र में नवंबर 1889, में छापी। आप सोच सकते हैं कि निमाड़/मालवा के छोटे से क्षेत्र में रहने वाले इस जननायक ने भारत में अंग्रेजों की कितनी नाक में दम कर रखी होगी कि उसके बारे में अंतर्राष्ट्रीय मीडिया बात कर रहा था।

गौरव दिवस
कैलाश विजयवर्गीय
(लेखक मप्र सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं)

15 नवंबर को पूरा देश जनजातीय गौरव दिवस मना रहा है। मध्यप्रदेश, जहां देश की सबसे बड़ी जनजातीय आबादी निवास करती है, इस दिवस को और भी गौरवपूर्ण तरीके से मना रहा है। यह सिर्फ उत्सव मनाने का दिन नहीं, बल्कि उन अनगिनत आदिवासी नायकों के अदम्य साहस, बलिदान और संघर्ष को याद करने का अवसर है, जिन्हें स्वतंत्रता इतिहास में वह स्थान लंबे समय तक नहीं मिला जिसके वे अधिकारी थे।

बिरसा मुंडा- जिनका संघर्ष समय से आगे था

बिरसा मुंडा एक ऐसे जननायक थे, जिन्होंने भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद और गांधी जी से भी बहुत पहले अंग्रेजों के अत्याचारों के विरुद्ध संघर्ष का प्रारंभ किया। भारत में जब संगठित स्वतंत्रता आंदोलन की शुरुआत भी नहीं हुई थी, तब झारखंड के दूरस्थ इलाकों और जंगलों में-जहां संचार के साधन नगण्य थे-उन्होंने आदिवासियों को संगठित किया और अंग्रेजी शासन को खुली चुनौती दी।

आदिवासी समाज उन्हें 'धरती आबा' यानी धरती पिता की उपाधि से सम्मानित करता है। उन्होंने अबुआ राज एते जाना, महारानी राज टुंडू जाना का नारा देकर स्वराज की अवधारणा को जंगलों, घाटियों और गांवों तक पहुंचाया।

वर्ष 1900 में बिरसा मुंडा के नेतृत्व में आंदोलन के तेज फैलाव से घबराकर, तत्कालीन जिला मैजिस्ट्रेट ने पुलिस और सेना बुलवाई और डोंबिवाड़ी हिल पर हो रही सभा पर गोलीबारी करवा दी, जिसमें लगभग 400 लोग मारे गए। यह घटना 19 साल बाद हुए जलियांवाला बाग हत्याकांड के समान थी, परंतु इस घटना को इतिहास में वह स्थान नहीं दिया गया। बिरसा मुंडा को पकड़ने के बाद अंग्रेजों ने निर्णय लिया कि उन्हें बेड़ियों में जकड़कर अदालत ले जाया जाए ताकि आमजन को पता चले कि अंग्रेजों के विरुद्ध बगावत करने का क्या नतीजा होता है। परंतु यह दांव उल्टा पड़ गया–बिरसा को देखने के लिए रोड के दोनों ओर हजारों की संख्या में लोग जमा हो गए। उन्हें तीन माह तक सोलिटरी कन्फाइनमेंट में रखा गया और यह भी कहा जाता है कि उन्हें स्लोपॉयज़न दिया गया। अंततः मात्र 25 वर्ष की आयु में वो शहीद हो गए।

आदिवासी वीर: जिन्हें इतिहास ने कम याद किया

अंग्रेजों ने भारत में अपनी जड़ें मजबूत करते ही यहां की प्राकृतिक संपदा, विशेषकर वन संपदा के दोहन की राह पकड़ी। जो आदिवासियों के साथ संघर्ष का कारण बना। 1857 की क्रांति से लगभग 25 साल पहले,शहीद बुधु भगतने छोटा नागपुर क्षेत्र में अंग्रेजों के जल, जमीन और वनों पर कब्जे की नीति के विरुद्ध विद्रोह का बिगुल बजाया। इसे लकड़ा विद्रोह के नाम से जाना जाता है। वीर बुधु भगत का विद्रोह इतना तीव्र था कि ईस्ट इंडिया कंपनी ने उनके नाम पर उस समय 1000 रुपये का इनाम रखा था।

सिदू और कान्हू मुर्मूने वर्ष 1855-56 में संथाल विद्रोह / हूल आंदोलन का नेतृत्व किया। जून 1855 में भोगनाडीह में 400 गांवों के 50,000 संथालों की सभा हुई, जिसमें संथाल विद्रोह की शुरुआत हुई। इसका नारा था–करो या मारो अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ो। अंग्रेजों के आधुनिक हथियारों का सामना संथालों ने तीर-कमान से किया। कार्ल मार्क्स ने नोट्स ऑन इंडियन हिस्ट्री में संथाल क्रांति को भारत की पहली जनक्रांति कहा।

मध्यप्रदेश के निमाड़ का नाम आते ही टांट्या मामा या टांट्या भील का स्मरण होता है। उन्हें निमाड़ का शेर कहा जाता है वे लगभग पौने 7 फीट ऊंचे, तेजस्वी व्यक्तित्व वाले योद्धा थे। वे अंग्रेजों से लूटा धन और अनाज गरीबों तक पहुंचाते थे। उन्हें 'भारत का रॉबिन हुड' कहा जाता था। उनका आतंक अंग्रेजों की छावनियों तक फैला रहता था, जहां अतिरिक्त सुरक्षा इसलिए रहती थी कि कहीं टांट्या न आ जाए। अंततः अंग्रेजों ने छल से उन्हें पकड़ा, जबलपुर में फांसी दी और उनका शव पातालपानी क्षेत्र में लाकर रख दिया, ताकि आम लोगों को पता चले कि अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह करने का क्या नतीजा होता है। उनके पकड़े जाने की खबर अंतर्राष्ट्रीय अखबारों में, विशेषकर अमेरिका के न्यूयॉर्क टाइम्स समाचार पत्र में नवंबर 1889, में छापी। आप सोच सकते हैं कि निमाड़/मालवा के छोटे से क्षेत्र में रहने वाले इस जननायक ने भारत में अंग्रेजों की कितनी नाक में दम कर रखी होगी कि उसके बारे में अंतर्राष्ट्रीय मीडिया बात कर रहा था।

इसी तरह राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह भारत

के पहले ऐसे रजवाड़े थे जिन्हें वर्ष 1857 की क्रांति को कुचलने की कड़ी में अंग्रेजों द्वारा तोप के मुंह से बांधकर उड़ाया गया। न्याय आयोग, जिसके सामने उन्हें पेश किया गया था, ने उनके सामने जान बचाने के लिए धर्मांतरण सहित कई विकल्प रखे, दोनों ने उन्हें मानने से इनकार कर दिया। इसके बाद उन्हें जबलपुर में ब्लोइंग फ्रॉम ए गन की सजा दी गई।

बड़वानी क्षेत्र के भीमा नायक भीलों के योद्धा थे, जिन्होंने वर्ष 1857 की क्रांति में अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया था। शहीद भीमा नायक का कार्य क्षेत्र बड़वानी रियासत से महाराष्ट्र के खानदेश तक फैला था। उन्हें आदिवासियों का पहला योद्धा माना जाता है, जिसे अंडमान के 'काला पानी' में फांसी दी गई। वर्ष 1857 के संग्राम के समय अंबापावनी युद्ध में भीमा नायक की महत्वपूर्ण भूमिका थी। कहा जाता है कि जब तात्या टोपे निमाड़ आए थे, तो उनकी भेंट भीमा नायक से हुई थी और भीमा नायक ने उन्हें नर्मदा पार करने में सहयोग दिया था।

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अंग्रेजों को लोहे के चने चबवाने वाले पचमढ़ी के आदिवासी राजा भभूत सिंह नर्मदांचल के शिवाजी कहलाते थे। जंगलों में रहकर अंग्रेजों को तीन साल तक परेशान करने वाले राजा भभूत सिंह गोरिल्ला युद्ध के साथ-साथ मधुमक्खी के छत्ते से हमला करने में भी माहिर थे। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान तात्या टोपे की मदद भी की थी। मढ़ई और पचमढ़ी के बीच घने जंगलों में आज भी भभूत सिंह के किले का द्वार और लोहारों की भट्टियां मौजूद हैं, जिससे पता चलता है कि वे न केवल किला बनाकर लड़ रहे थे, बल्कि बड़े पैमाने पर हथियार बनाने की क्षमता भी रखते थे।

आदिवासी संघर्ष: स्वतंत्रता की रीढ़

भारतीय इतिहास में आदिवासी समाज का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। चाहे कोल क्रांति हो, उलगुलान हो, संथाल क्रांति हो, महाराणा प्रताप के साथ देने वाले वीर आदिवासी योद्धा हों या सह्याद्री के घने जंगलों में छत्रपति शिवाजी महाराज को ताकत देने वाले आदिवासी भाई-बहन–हर युग में आदिवासी समाज स्वतंत्रता और आत्मसम्मान के संघर्ष का अग्रदूत रहा है। लेकिन स्वतंत्रता के बाद इन योगदानों को उचित मान्यता या जगह नहीं मिली, और अगर मिली भी तो वह किताबो की चंद लाइनों तक सीमित रही। कई बार इतिहास के महत्वपूर्ण अध्याय इसलिए दबा दिए गए ताकि एक ही पार्टी और परिवार को स्वतंत्रता संग्राम का श्रेय दिया जा सके।

आधुनिक भारत में सम्मान की पुर्नस्थापना

बीजेपी सरकार के दौर में विकास भी, विरासत भी के सिद्धांत को अपनाते हुए माननीय मोदी जी के नेतृत्व में जहां एक ओर आदिवासी जननायकों को इतिहास में उचित स्थान दिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर विभिन्न योजनाओं द्वारा विकास की मुख्यधारा से पीछे छूट गए आदिवासी भाई-बहनों को आगे लाने का प्रयास भी किया जा रहा है। नरेंद्र मोदी भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री थे, जो बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू (झारखंड) गए। बीजेपी सरकार ने बिरसा मुंडा जयंती को जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया। भारतीय जनता पार्टी ने महामहिम द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति चुनकर जनजातीय समुदाय के वास्तविक गौरव को स्थापित किया है।

मध्यप्रदेश: जननायकों को मिला उचित सम्मान

बीजेपी सरकार ने मध्यप्रदेश में भी जनजातीय नायकों के सम्मान की परंपरा को पुनर्स्थापित किया गया है। छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय का नाम शंकर शाह के नाम पर रखा गया। भोपाल के रेलवे स्टेशन का नाम रानी कमलापति के नाम पर किया गया है, राजा भभूत सिंह को सम्मान देने के लिए पचमढ़ी वन्यजीव अभयारण्य का नामकरण उनके नाम पर और पातालपानी रेलवे स्टेशन का नाम टांटिया मामा के नाम करने की घोषणा हो चुकी है। राज्य सरकार आदिवासी जननायकों के सम्मान में सिंग्रामपुर (दमोह) और पचमढ़ी (नर्मदापुरम) में कैबिनेट की बैठक भी कर चुकी है। ये सभी कदम इसलिए हैं ताकि आदिवासियों को उनके योगदान के अनुसार हक मिल सके।

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत पर भाजपा कार्यालय में जश्न मनाया

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत ऐतिहासिक है: जिलाध्यक्ष निलेश भारती

धार। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड बढ़त की घोषणा होते ही धार जिले में भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह की लहर दौड़ गई। जिला मुख्यालय स्थित जिला कार्यालय पर भाजपा जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ता एकत्रित हुए और ढोल-नगाड़ों, जयकारों एवं आतिशबाज़ी के साथ जोरदार जश्न मनाया और लड्डू वितरण किए गए। इस दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद सावित्री ठाकुर, भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष चंचल पाटीदार विशेष रूप से मौजूद रहे। जिलाध्यक्ष निलेश भारती ने कहा की बिहार की जनता ने एक बार फिर एनडीए पर भरोसा जताकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह और नीतीश कुमार के नेतृत्व पर अपनी मुहर लगाई है। यह सचमुच ऐतिहासिक जीत है। उन्होंने कहा कि यह नतीजे बताते हैं कि देश की जनता विकास, राष्ट्रवाद और आस्था–तीनों मुद्दों को महत्व देती है और ऐसे लोगों को पसंद नहीं करती जो धार्मिक भावनाओं पर चोट करते हों। जश्न के दौरान भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष विशाल निगम और जयराज देवड़ा भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ,भाजपा नेता अनिल जैन बाबा, पूनमचंद फकीरा ,मनीष प्रधान, कुसुम सोलंकी ,अंकित भावसार जसप्रीत डंग अमित शर्मा बादल मालवीय दीपक बिड़कर राजेश हारोड़ राजेश डाबी जीवन यादव ,महेश बोडाने ,शांतिलाल शर्मा, सोनिया राठौर ,गौरव जाट सन्नी होड़ा महेश कदम कमलेश बिजवा समेत भाजपा के अनेक नगर पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

72वें अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह का शुभारंभ

धार। जिला सहकारी संघ धार एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक धार के संयुक्त तत्वाधान में 72, वे अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सहकारिता विभाग के सहायक आयुक्त सुश्री प्रत्याशा रघुवंशी विशेष अतिथि के. एल. राठौर पूर्व प्राचार्य, सहकारी प्रशिक्षण केंद्र इंदौर, प्रशांत ठाकरे प्रदेश संपर्क प्रमुख सहकार भारती धार, मोतीलाल पाटीदार महामंत्री सहकार भारतीय जिला धार रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ किया गया। प्रारंभ में मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। अतिथियों का स्वागत जिला सहकारी संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री शुभेंद सिंह पवार एवं विभिन्न सहकारी संस्थाओं से आए हुए अतिथियों द्वारा किया गया ।जिला सहकारी संघ के सीईओ शुभेंद सिंह पवार द्वारा सहकारी सप्ताह का परिचय देते हुए जिला सहकारी संघ द्वारा किए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम की चर्चा की। के एल,राठौर पूर्व प्राचार्य सहकारी प्रशिक्षण केंद्र इंदौर द्वारा सरकारी सप्ताह में आज के विषय आत्मनिर्भर भारत के माध्यम के रूप में सहकारिता एवं परिचालन दक्षता जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने के विषय पर अपने विचार रखे। सहकार भारती के प्रदेश संपर्क प्रमुख प्रशांत ठाकरे द्वारा शहरी साख सहकारिता की योजनाओं पर चर्चा करते हुए सहकारी बैंकिंग के विषय में अपने विचार रखें। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सहकारिता विभाग की सहायक आयुक्त प्रत्याशा रघुवंशी द्वारा पैक्स के कंप्यूटराइजेशन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जिले के अंतर्गत 34 से अधिक प्राथमिक कृषि साख सहकारी संस्थाओं का कंप्यूटरीकरण किया जा चुका है एवं यह कार्य प्रगति पर है जो जल्द ही पूरा हो जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही नाबार्ड की सहायक महाप्रबंधक सुश्री सौदामिनी जी द्वारा नाबार्ड की योजनाओं पर चर्चा करते हुए पैक्स की विषयवस्तु की स्थिति पर अपने विचार रखें।

शहीद चौपाल पर बाल दिवस, जनजाति गौरव दिवस मनाया

बैतूल। सरदार गंजनसिंह चौपाल पर जनजाति गौरव पखवाड़ा पर बाल दिवस के साथ जनजाति गौरव दिवस भी मनाया गया। शुक्रवार 14 नवम्बर को सरदार गंजनसिंह चौपाल पतौवापुरा में हरदा, होशंगाबाद (नर्मदापुरम) व बैतूल के साथ ही छिंदवाड़ा जिले से भी सहभागी शामिल हुए। जनजाति गौरव दिवस के मौके पर साथियों ने ढोल बाजा के साथ तहसील मैदान खेड़ापति प्रांगण से दो-दो की कतार में रैली के रूप में कतारबद्ध होकर सरदार गंजनसिंह चौपाल तक आकर बिरसा मुंडा व स्थानीय स्वतंत्रता सेनानियों को याद कर दीप प्रज्ज्वलित कर तिलक किया। इस मौके पर किसान आदिवासी संगठन के फागराम ने क्रांतिकारियों नमन करते हुए अपने शब्दों में कहा कि आज की परिस्थितियों में हमें एक होकर हक अधिकार के लिए लडने की आवश्यकता है। इसलिए हमें राजनीतिक ताकत बनाने की भी आवश्यकता है। किसान आदिवासी संगठन केसला नर्मदापुरम से आए कपिल खण्डेलवार ने बालदिवस एवं जनजाति गौरव दिवस पर प्रकाश डाला। कहा कि देश में सरकारें गरीबों व किसानों, मजदूरों के खिलाफ कानून बना रही है। इसके बाद काशी उत्तरप्रदेश के चंचल मुखर्जी ने पूंजीपतियों एवं कंपनियों ने उड़ीसा सहित देश के विभिन्न हिस्सों में किस तरह 23000 हजार करोड़ रूपया का राजस्व नुकसान किया है एवं कर रही है। बैतूल के स्वतंत्रता-संग्राम सेनानी अन्तूसिंह मर्सकोले द्वारा आदिवासियों पर हो रहे। अत्याचार व आज आदिवासी संस्कृति संकट में है। आज की शिक्षा व्यवस्था जो व्यवसाय में बदल रही है। इसके पीछे बड़ा षडयंत्र है। पूजा पद्धति, संस्कृति व हक अधिकार के लिए संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रमिक आदिवासी संगठन के राजेन्द्र गढ़वाल ने किया। इस मौके पर सार्वजनिक विकास मंच शाहपुर, किसान आदिवासी संगठन, श्रमिक आदिवासी संगठन आदि शामिल हुए। आखिरी में जिले में चल रहे दिवाली उत्सव एवं संस्कृति मनाकर सभी को तिलक करके पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के अंत में सार्वजनिक विकास मंच शाहपुर संयोजक कापसे गुरूजी द्वारा सबका आभार व्यक्त किया गया।

जनजातीय गौरव दिवस समारोह का आयोजन आज, प्रभारी मंत्री के मुख्य आतिथ्य में होगा जिलास्तरीय कार्यक्रम, विकास कार्यों का होगा लोकार्पण और भूमिपूजन

बैतूल। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती के अवसर पर जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन 15 नवंबर को लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल के मुख्य आतिथ्य में दोपहर 1.00 बजे से पुलिस ग्राउंड में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विकास के लोकार्पण और भूमिपूजन भी किया जाएगा। साथ ही जनजातीय संस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के साथ राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी किया जाएगा। प्रभारी कलेक्टर अक्षत जैन ने शुक्रवार को कार्यक्रम स्थल पुलिस ग्राउंड बैतूल पहुंचकर तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा अनुसार अतिथियों का

आगमन, प्रदर्शनी का अवलोकन, लोकार्पण और भूमिपूजन, मंच पर आगमन, स्वागत सम्मान, हितग्राहियों को हितलाभ वितरण, राज्य स्तरीय कार्यक्रम के प्रसारण के साथ ही बैठक व्यवस्था, पेयजल इत्यादि व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती वंदना जाट, एसडीएम अभिजीत सिंह, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विवेक पांडे, प्रबन्धक डीआईसी धीरज मंडलेकर, जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी रचना श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहें।

दिगंबर जैन धर्मशाला नव निर्माण हेतु भूमि पूजन

उपाध्याय गुरुदेव श्री विभंजन सागरजी के सानिध्य में 16 नवंबर को

धार। दिगंबर जैन समाज धार में चातुर्मास कर रहे मुनिश्री विभंजन सागर जी ससंघ के पावन सानिध्य में रघुनाथपुरा स्थित क़रीब 150 वर्ष पुरानी धर्मशाला का नव निर्माण हेतु भूमि पूजन 16 नवंबर रविवार को समाजश्रेष्ठी दानवीर भरत कुसुम मोदी परिवार इंदौर द्वारा सम्पन्न होगा ।इस कार्य हेतु भरत कुसुम मोदी परिवार द्वारा विशेष सहयोग समाज को प्रदान किया जाएगा। समाज अध्यक्ष श्रेणिक गंगवाल ने बताया कि पूज्य मुनिश्री के चातुर्मास प्रवास के दोरान अनेक धार्मिक महापूजन का आयोजन किया गया। जिससे समाज में अभूतपूर्व धर्म प्रभावना हुई व समाज सदस्यों ने धर्म लाभ लिया। इसी कड़ी में दिगंबर जैन युवा संगठन द्वारा 24 घंटे का शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिरजी में अखंड भक्तामर का पाठ व विधान का आयोजन किया गया। पिछले तीन दिनों से शहर के बाहर निवासरत जैन समाज के सदस्य परिवारों को भी पूज्य मुनिश्री का पावन सानिध्य प्राप्त हुआ। इस दौरान पूज्य मुनिश्री की आहारचर्या स्वाध्याय एवं सायंकालीन जिज्ञासा समाधान भी कालोनी के सदस्यों परिवारों के यहाँ सम्पन्न हुई । 15 नवम्बर को पूज्य मुनिश्री के द्वारा समाज के बच्चों का उपनयन संस्कार एवं दाम्पत्य संस्कार का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में बच्चों दम्पत्ति सदस्यों में धार्मिक संस्कार रोपित किये जाएँगे । जानकारी मीडिया प्रभारी संजय गंगवाल ने दी।

एक्ट ईव फाउंडेशन का आयोजन आज नि :शक्त बच्चों की प्रस्तुति–सम्मान और सदाबहार नगमों से सजेगी शाम

देवास । शहर की सामाजिक संस्था एक्ट ईव एजुकेशन एंड सोशल वेलफेयर सोसायटी अपनी स्थापना के दस बरस पूरे होने पर शनिवार 15 नवंबर को मल्हार स्मृति मन्दिर सभागार में एक अभिनव आयोजन करने जा रही है जिसमें शाम पाँच बजे से सात बजे तक शहर के निःशक्त और मानसिक रूप से अस्वस्थ बच्चे अपनी प्रस्तुति देंगें । इसके बाद इन संस्थाओं में इनकी सतत देखरेख करने वालों को सम्मानित किया जायेगा। कार्यक्रम में दो निःशक्त जनों को संस्था द्वारा व्हीलचेयर एक को ट्राईसिकल तथा दो श्रवणबाधित व्यक्तियों को हियरिंग एड भी प्रदान किये जायेंगे । संस्था अध्यक्ष मोहन वर्मा तथा सचिव किशोर असनानी ने बताया कि कार्यक्रम के दूसरे हिस्से में शाम सात से नौ बजे तक किशोर संस्कृति मंच इंदौर के गायक गायिकाए सदाबहार गीतों की प्रस्तुति देंगें । उल्लेखनीय है कि संस्था द्वारा विगत दस वर्षों में समाजसेवियों,उद्योगों,बैंकों के माध्यम से जिले के 65 से अधिक सरकारी स्कूलों के बच्चों को 2500 से अधिक फ़र्नीचर उपलब्ध करवाया गया है जिसका लाभ 7500 से अधिक बच्चे ले पा रहे है । इसके अलावा विभिन्न स्कूलों में आरओ,कम्प्यूटर,बच्चों को स्वेटर,स्कूल बैग और अन्य आवश्यक सामग्री भी मुहैया करवाई गई है । संस्था के पदाधिकारियों ने सभी से कार्यक्रम में सहभागिता का अनुरोध किया है ।

सरस्वती विद्या मंदिर में मनाई गई बिरसा मुंडा की जयंती

बैतूल। सरस्वती विद्या मंदिर गाड़ाघाट में बिरसा मुंडा की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित पूर्व आचार्य हेमराज कापसे ने बिरसा मुंडा के शौर्य गाथा और संघर्षपूर्ण जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे एक सफल सामाजिक कार्यकर्ता और संगठन करता थे। उन्होंने जिस तरह आदिवासी समाज को एकजुट करने, उनके अधिकारों की रक्षा करने और धार्मिक सुधारों के लिए कार्य किया उसी तरह आज की पीढ़ी को भी बिरसा मुंडा के संघर्षपूर्ण जीवन से प्रेरणा लेकर उनके कार्यों को आगे बढ़ाना चाहिए। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य,आचार्य और पूर्व छात्र ऋषि पेंड्रा, भावेश मालवीय उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन विद्यालय के भैया बहनों के शानदार गोंडी नृत्य की प्रस्तुति से हुआ। बिरसा मुंडा की भूमिका में विद्यालय के राघव और विक्रम रहे।

बिहार में एनडीए की प्रचंड जीत का जिला भाजपा ने मनाया उत्सव

बैतूल। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को बिहार में मिले अभूतपूर्व जनादेश पर जिला भाजपा कार्यालय विजय भवन में उत्सव मनाया गया। इस दौरान केन्द्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास

उइके ने कहा कि यह एनडीए की नीतियों की जीत है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में बिहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार के कुशल नेतृत्व और जनहितैषी योजनाओं के चलते जनता ने एक बार फिर जनादेश दिया है। देश में जितने भी राज्यो में भाजपा की सरकारे व समर्थन की सरकार रही है। वहा जनता बार बार एनडीए को चुन रही है। भाजपा जिलाध्यक्ष सुधाकर पंवार ने कहा कि बिहार के ऐतिहासिक जनादेश से स्पष्ट होता है कि विकास का कोई पर्याय नही होता बिहार की जनता ने मोदी जी की बात पर और नितीश कुमार जी के नेतृत्व पर भरोसा जताया है, जंगलराज से त्रस्त बिहार की जनता ने सुशासन पर ही मोहर लगाई। कांग्रेस का काम पूरे चुनाव में सिर्फ झूठ बोलना रहा जनता ने इस नाकारा, झूठी कांग्रेस को उसकी असली जगह दिखाई है। बिहार के ऐतिहासिक चुनाव परिणाम से गदगद भाजपा कार्यकर्ताओ व पदाधिकारियों ने जिला मुख्यालय विजय भवन के समक्ष जमकर आतिशबाजी करी एवं एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की शुभकामनाएं दी।

शहर में बना रहे सांप्रदायिक सौहार्द्र, शांति बिगाड़ने वालों पर प्रशासन करें कार्यवाही

जामा मस्जिद कमेटी आमला ने सौंपा ज्ञापन

आमला। शहर के सांप्रदायिक सौहार्द और सामाजिक समरसता को बनाए रखने की अपील करते हुए जामा मस्जिद कमेटी आमला की ओर से सदर जाहिद पटेल ने अनुविभागीय अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा हैं। ज्ञापन में हाल ही में हुई दो संवेदनशील घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई और दोषियों पर तुरंत व कठोर कार्रवाई की मांग रखी गई। समिति ने बताया कि 1 नवंबर 2025 की शाम पीर मजिद चौक पर देवी विसर्जन जुलूस के दौरान अचानक

कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा पथराव किया गया, जिससे शहर में तनाव जैसी स्थिति बन सकती थी। जामा मस्जिद समिति ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि आमला हमेशा आपसी भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक रहा है। ऐसे माहौल को खराब करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होना आवश्यक है। समिति ने कहा कि इस तरह की घटनाओं में शामिल किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाना चाहिए। समिति ने प्रशासन से आग्रह किया कि शहर की सौहार्दपूर्ण छवि को कायम रखने के लिए असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जाए और कानून व्यवस्था मजबूत की जाए। इस ज्ञापन की प्रतिलिपि तहसीलदार को भी दी गई। जामा मस्जिद समिति ने कहा कि आमला शहर हमेशा भाईचारे, एकता और सभ्यता का उदाहरण रहा है और इसे बनाए रखने में सभी नागरिकों को अपना योगदान देना चाहिए। ज्ञापन सौपन वालों में जामा मस्जिद के सदर जाहिद पटेल, शेख आबिद, मोहम्मद आसीफ लंघा, रशीद खान, शेख जुनेद, अतीक खान, सलमान खान आदि शामिल थे।

कब्रिस्तान की भूमि पर दबंग लोग कर रहे कब्जा

जामा मस्जिद कमेटी ने प्रशासन से की दखल की मांग

आमला। ग्राम रतेड़ा कला स्थित मुस्लिम कब्रिस्तान की भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत को लेकर मस्जिद कमेटी आमला के अध्यक्ष जाहिद पटेल ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व आमला शैलेन्द्र बडोनिया को ज्ञापन सौंपा। जाहिद पटेल ने बताया कि रतेड़ा कला में खसरा नंबर 256, 257 और 364 कुल रकबा लगभग 1 एकड़ से अधिक भूमि पर वर्षों से मुस्लिम समाज अपने मृतकों को दफन करता आ रहा है। यह भूमि आधिकारिक रूप से कब्रिस्तान के रूप में दर्ज है। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि कब्रिस्तान के पास रहने वाले गीता खातरकर और आकाश खातरकर द्वारा कब्रिस्तान की भूमि में अवैध रूप से दखल दिया जा रहा है। मेढ़ को सरकाने, जमीन पर कब्जा बढ़ाने और रास्ता बनाने जैसे प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे कब्रिस्तान की सीमाएं प्रभावित हो रही हैं और भविष्य में विवाद की स्थिति बन सकती है। मस्जिद कमेटी ने प्रशासन से माँग की है कि कब्रिस्तान की भूमि का तत्काल सीमांकन कराया जाए और अवैध कब्जे को हटाते हुए जमीन को सुरक्षित किया जाए, ताकि आने वाले समय में किसी तरह का विवाद उत्पन्न न हो। ज्ञापन देने वालों में जामा मस्जिद सदर जाहिद पटेल, प्रेस क्लब ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट अध्यक्ष मोहम्मद आसीफ लंघा, अतीक खान, शेख जुनेद, शेख आबिद,शेरू खान, नसीर खान, मो. अजहर, सलीम खान और शेख सुल्तान सहित कई लोग शामिल थे।

कलेक्टर ने एसआईआर प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए बीएलओ एवं नागरिकों को किया प्रोत्साहित

कलेक्टर ने किया सीहोर-श्यामपुर कृषि उपज मंडी एवं एसआईआर प्रक्रिया का निरीक्षण

मंडी में भावांतर के तहत फसल खरीदी प्रक्रिया में रखी जाए पारदर्शिता - कलेक्टर

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सीहोर एवं श्यामपुर की कृषि उपज मंडी एवं श्यामपुर क्षेत्र के अनेक मतदान केंद्रो पर जाकर एसआईआर प्रक्रिया का निरीक्षण किया। मंडियों के निरीक्षण के दौरान उन्होंने भावांतर भुगतान योजना के संचालन की स्थिति देखी और मंडी में चल रही खरीदी, तुलाई एवं भुगतान प्रक्रिया की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नीलामी शेड, तुलाई प्रक्रिया, भुगतान पंजीयन और खरीदी की व्यवस्थाओं को देखा तथा मंडी सचिव को निर्देश दिए कि खरीदी प्रक्रिया में पारदर्शिता रखी जाए और किसानों को कतार में अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े। इसके साथ ही तुलाई तथा भुगतान की प्रक्रिया समय सीमा में पूरी की जाए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने मंडी परिसर में व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए कहा कि मंडी का मुख्य उद्देश्य किसानों को अधिकतम लाभ पहुंचाना है। उन्होंने नीलामी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और बोली के दौरान एक रुपये की बोली न लगाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मॉइश्चर मशीन और ग्रेड सेपरेटर जैसी मशीनों के उपयोग की जानकारी ली और कहा कि इनका सही प्रयोग कर उपज का सटीक वर्गीकरण किया जाए, जिससे किसानों को उनकी फसल की गुणवत्ता के अनुसार मूल्य प्राप्त हो सके। उन्होंने मंडी प्रशासन को प्रतिदिन की गतिविधियों की रिपोर्ट तैयार करने और समय-समय पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मंडी परिसर में किसानों को भोजन की उचित व्यवस्था मिले और निर्धारित दर गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि मंडी प्रबंधन किसानों की आवश्यकताओं को प्राथमिकता पर रखे और योजनाओं का लाभ समय पर किसानों तक पहुंचाया जाए। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार डॉ. अमित सिंह और मंडी सचिव श्री नरेंद्र कुमार माहेश्वरी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

एसआईआर प्रक्रिया का किया निरीक्षण

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने के लिए संचालित किए जा रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत श्यामपुर क्षेत्र के अनेक मतदान केंद्रो का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने एसआईआर की प्रक्रिया देखी। उन्होंने कहा कि इस एसआईआर प्रक्रिया का उद्देश्य जिले की मतदाता सूची को पूर्णतः शुद्ध, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाना है ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और कोई अपात्र नाम सूची में शामिल न हो। इसलिए सभी बीएलओ एवं संबंधित अधिकारी पूरी जिम्मेदारी और सटीकता से कार्य करें। इस दौरान उन्होंने बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ), बूथ लेवल एजेंटों एवं जनप्रतिनिधियों से चर्चा कर एसआईआर प्रक्रिया के सुचारू संचालन के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन दिया। इस संबंध में कुछ विशेष टिप्स भी दिए। उन्होंने सभी बीएलओ को प्रोत्साहित किया और बेहतर ढंग से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि विधानसभा क्षेत्र में कार्यरत सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजर्स को निरंतर प्रशिक्षित किया जाए ताकि आवश्यकताओं के हिसाब से सभी अपने कार्य को और अधिक बेहतर तरीके से संपादित कर सके।

आबकारी विभाग बरेली की अवैध मदिरा के विरूद्ध कार्यवाही में 05 प्रकरण दर्ज

रायसेन (निप्र)। जिले में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा अवैध मदिरा के विक्रय एवं विनिर्माण के विरूद्ध अभियान चलाते हुए सख्त कार्रवाई के निर्देश आबकारी विभाग को दिए गए हैं। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा के निर्देशों के अनुरूप सहायक आबकारी आयुक्त श्री दीपक अवस्थी के निर्देशन में जिलें में अवैध मदिरा विक्रय एवं विनिर्माण के विरुद्ध सतत् कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती शहनाज कुरेशी के मार्गदर्शन में 12 नवम्बर को प्राप्त सूचनाओं के आधार पर वृत्त के विभिन्न स्थानों यथा माधामउ, देहरी कला, खपरिया एवं पथरई में दविश देकर आबकारी उप निरीक्षक वृत्त बरेली, सुनील कुमार मीणा द्वारा संजय पारदी, रामकुमार राजपूत, नीतू रायसिख एवं प्रीतो बाई रायसिख सहित कुल 04 आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया, एक आरोपी मौके पर नहीं मिलने एवं उसकी पहचान न होने से अज्ञात में प्रकरण कायम किया जाकर कुल 05 प्रकरण कायम कर विवेचना में लिए गए। उक्त कायम प्रकरणों में 12 पाव देशी प्लेन मदिरा, 09 पाव देशी मसाला मदिरा, 25 लीटर हाथ भट्टी मदिरा जप्त की एवं 4250 किलोग्राम महुआ लाहन जप्त किया जाकर सैंपल लेकर मौके पर नष्ट किया गया। उक्त प्रकरण म. प्र. आबकारी अधिनियम की धारा 34-1 (क) तथा (च) के तहत कायम किए गए स जप्त मदिरा एवं लाहन का बाजार मूल्य रुपये 431854/- आकलित किया गया। इस कार्यवाही में आरक्षक श्री रामस्वरूप पटेल, महिला आरक्षक सुश्री श्वेता शिवहरे सैनिक श्री राकेश शर्मा एवं हल्के सिंह परते का सराहनीय सहयोग रहा।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने उदयपुरा में की एसआईआर की कार्य प्रगति की समीक्षा

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा ने उदयपुरा में आयोजित बैठक में मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण-2025 एसआईआर की कार्य प्रगति की समीक्षा कर दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने उदयपुरा में सभी बीएलओ द्वारा गणना पत्रक वितरण की जानकारी लेते हुए जिन बीएलओ के द्वारा आज दिनांक तक ऑनलाइन गणना पत्रक वितरण नही किया है, उन्हें तत्काल कार्य करने के निर्देश दिए गए। साथ मे गणना पत्रक को डिजिटॉयज करने के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने समीक्षा बैठक में उपस्थित अधिकारियों तथा बीएलओ को निर्देश दिए कि मैपिंग तथा एन्यूमरेशन फार्म का वितरण कार्य पूरी गंभीरता से निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप सम्पन्न कराना है। इस कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही ना की जाए। बीएलओ के कार्यो की प्रतिदिन समीक्षा की जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वह स्वयं भी फील्ड में रहें और जहां कार्य की प्रगति कम हो, वहां स्वयं जाकर बीएलओ से कार्य कराएं। साथ ही निर्वाचन आयोग द्वारा चाही गई जानकारी तत्परता से बीएलओ एप में अपडेट की जाए।

सांची जनपद के ग्राम बागोद में आयोजित कृषक संगोष्ठी में पराली प्रबंधन की दी गई जानकारी

रायसेन (निप्र)। कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार सांची जनपद के ग्राम बागोद में कृषि विभाग द्वारा नरवाई प्रबंधन पर कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें उप संचालक कृषि श्री केपी भगत ने किसानों से धान फसल अवशेष को नहीं जलाने की अपील करते हुए कहा कि पराली जलाने से मिट्टी के पोषक तत्वों को बनाए रखने वाले सूक्ष्म जीवाणु व खेतो के लाभदायक कीट खत्म हो जाते है। वातावरण प्रदूषित होता है, पालतू मवेशियों हेतु चारा भूसा की कमी ,पशु पक्षियों को आग से क्षति तथा समीप वाले खेतो में अग्नि दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है। उप संचालक कृषि ने कहा कि ऐसी स्थिति से बचने के लिए पराली को जलाने के बजाय खेतो की मिट्टी में पराली को मिलाए जिसके लिए सुपर सीडर, हैप्पी सीडर, रोटावेटर जैसे कृषि यंत्रो का उपयोग करने की सलाह दी गई। जो नरवाई को बारिक करके मिट्टी में मिला देते है जिससे भूमि में ऑर्गेनिक कार्बन की मात्रा में बढ़ोत्तरी होती है जो फसल के अच्छे उत्पादन में सहायक है। कृषि विभाग के सहायक संचालक श्री सुनील सोने ने रासायनिक खेती के स्थान पर प्राकृतिक खेती अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती अनुसार कृषकों के खेतों में उत्पादित और उपलब्ध गाय के गोबर, गौमूत्र ,भूसा और नीम पत्ती आदि का उपयोग खेतो में करके प्राकृतिक रूप से शुद्ध और बिना रसायन के जैविक अनाज का उत्पादन किया जा सकता है। किसान संगोष्ठी में सहायक कृषि यंत्री श्री बीएस कोठारी द्वारा ग्राम में रोटावेटर, सुपर सीडर, हैप्पी सीडर की प्रदर्शनी लगाकर और इन कृषि यंत्रों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। ग्राम के कृषक श्री जुबेर रहमान के खेत मे सुपर सीडर को खेत मे चलाकर प्रदर्शन किया गया। उक्त प्रदर्शन को देखकर ग्राम के सभी कृषकों द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की गई और सुपर सीडर का स्वयं के खेतों में बतर आने पर उपयोग करने की सहमति दी गई।

बच्चों को ल्यूपिन कम्पनी के सहयोग से फूड किट का वितरण किया गया

रायसेन (निप्र)। जिले की मण्डीदीप शहरी सेक्टर के आंगनवाड़ी केन्द्र अंतर्गत सेम श्रेणी के बच्चों को ल्यूपिन कम्पनी के सहयोग से फूड किट का वितरण किया गया। उल्लेखनीय है कि कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार हेतु कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा महिला बाल विकास विभाग को इंडस्ट्रीज, व्यापारिक संगठनों आदि से समन्वय कर कुपोषित बच्चों को फूड बॉस्केट वितरण करने के निर्देश दिए गए हैं।

सांची में आयोजित युवा संगम मेले में हितग्राहियों को स्वरोजगार योजनाओं से किया गया लाभान्वित

रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले के सांची में आयोजित युवा संगम मेले में अतिथियों द्वारा अनेक हितग्राहियों को सरकार की विभिन्न स्वरोजगारमूलक योजनाओं से लाभान्वित किया गया। साथ ही युवा संगम मेले में 249 युवाओं द्वारा पंजीयन कराया गया। मेले में आयीं कम्पनियों, औद्योगिक संस्थाओं द्वारा विभिन्न पदों के लिए योग्यतानुसार 139 युवाओं का प्राथमिक स्तर पर चयन किया गया।

एसडीएम ने सिवनी मालवा में मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण कार्य का किया निरीक्षण

बीएलओ, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं पटवारी की उपस्थिति में मतदाताओं से भरवाए गए ई-एफ फार्म

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं को ई-एफ फॉर्म वितरित किए जा रहे हैं।

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना द्वारा निर्देशित किया गया हैं की जिन मतदाताओं को गणना प्रपत्र भरने में किसी भी प्रकार की समस्या का सामना करना पड़ रहा है वे सभी अपने बीएलओ की सहायता से इफ भर सकते हैं। कलेक्टर ने समस्त इआरओ तथा एईआरओ को निर्देश दिए है कि सभी बीएलओ एवं अन्य वोलंटियर्स को इस काम के लिए कार्योन्मुख करें। इसी क्रम में विधानसभा क्षेत्र 149 सिवनी मालवा में एसडीएम सिवनी मालवा श्री विजय राय द्वारा स्वयं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं पटवारी के साथ मादतता गणना प्रपत्र का वितरण किया गया एवं अन्य स्थानों का भी निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान संबंधित एसडीएम द्वारा बीएलओ के कार्य की समीक्षा की गई। उन्होंने स्वयं उपस्थित होकर बीएलओ द्वारा मतदाताओं को दिए गए ईएफ फॉर्म मौके पर ही भरवाए तथा उन्हें बीएलओ ऐप में डिजिटाइज भी कराया गया। साथ ही मैपिंग किए गए मतदाताओं के रिकॉर्ड का सत्यापन कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार अभियान के तहत पात्र मतदाताओं का नामांकन सुनिश्चित करने तथा मतदाता सूची को अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से यह कार्य निरंतर जारी है।

साथ ही सभी बीएलओ को निर्देशित किया गया है कि निर्धारित समयावधि में मतदाताओं के सत्यापन एवं ई-एफ फॉर्म भरने की प्रक्रिया पूर्ण की जाए।

जिला परामर्शदात्री समिति की बैठक कलेक्टर श्री विश्वकर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न

रायसेन (निप्र)। जिला परामर्शदात्री समिति की बैठक कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने विभागवार स्वरोजगार योजनाओं के प्राप्त लक्ष्य, बैंकों को भेजे गए प्रकरणों पर अभी तक की गई कार्यवाही की जानकारी लेते हुए बैंकर्स को निर्देशित किया कि स्वरोजगारमूलक प्रकरणों पर प्राथमिकता से कार्य किया जाए, जिससे कि संबंधित विभागों के समन्वय से पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। उन्होंने मत्स्य विभाग के सहायक संचालक को विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन में संतोषजनक प्रगति नहीं होने पर नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा द्वारा प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, आचार्य विद्यासागर योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना सहित विभिन्न विभागों की स्वरोजगारमूलक योजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों तथा बैंक प्रतिनिधियों को निर्देशित किया कि अधिक से अधिक युवाओं को योजनाओं से लाभान्वित किया जाए, जिससे कि वह स्वयं का रोजगार स्थापित कर सकें। कोई भी प्रकरण अनावश्यक रूप से बैंक में लंबित ना रहे। उन्होंने पशुपालन विभाग तथा मत्स्य पालन विभाग अंतर्गत केसीसी वितरण की भी समीक्षा कर केसीसी वितरण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त स्व-सहायता समूहों को बैंक लिंकेज की भी समीक्षा करते हुए ऋण स्वीकृति और वितरण के निर्देश दिए। बैठक में जिले में बैंकों द्वारा जिला वार्षिक साख योजना पर भी बैंकवार चर्चा की गई। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सहायक कलेक्टर श्री अंकित कुमार जैन, रिजर्व बैंक के अधिकारी, एलडीएम, विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी और बैंकर्स उपस्थित रहे।

स्वरोजगार योजनाओं का हितग्राहियों को समय पर मिले लाभः कलेक्टर श्री विश्वकर्मा

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में आज जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में सम्मिलित एजेण्डा बिन्दु जिन पर विचार विमर्श कर निर्णय लिए गए है तदानुसार नगर में बने डिवाईडर पर दोनो ओर सोलर लेम्प लगाने हेतु निर्देशित किया जाये जिससे कि रात्रि के समय होने वाली दुर्घटनाओं को कम किया जा सके। नगरीय क्षेत्र में स्थित स्कूलों के सामने चेतावनी संकेतक, रंबल स्ट्रिप लगाने हेतु निर्देशित किया जावे। एन.एच.ए.आई. द्वारा निर्मित भोपाल सागर मार्ग पर स्थित गुलाबगंज मोड पर गुमठियों एवं सड़क पर बैठने वाले विक्रेताओं के कारण दुर्घटनाओं की अंशका बनी रहती है। अतः उक्त स्थान से सब्जीयों के ठेले एवं गुमठियों हटाया जाये। इससे पहले पूर्व बैठक में लिए गए निर्णय के परिपेक्ष्य में संपादित की गई कार्यवाही का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में सम्पन्न हुई इस बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी के अलावा विभिन्न विभागो के अधिकारी व समिति के सदस्यगण मौजूद रहें।

न्यायोत्सव अंतर्गत विधिक जागरूकता शिविर एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

विदिशा (निप्र)। न्यायोत्सव के उपलक्ष्य में ग्राम खामखेडा में विधिक जागरूकता शिविर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के दिशा निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विदिशा श्री शेख सलीम, के मार्गदर्शन में 09 नवम्बर से 14 नवम्बर 2025 तक न्यायोत्सव विधिक सप्ताह के अंतर्गत सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विदिशा श्री नितेन्द्र सिंह तोमर, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री कादिर खान, न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री अपूर्वा पाठक, लीगल एड डिफेंस कार्उसिल श्री सुरजीत सिंह सिकरवार, श्री अनिमेष तिवारी, श्री विनोद कुशवाह, श्री जितेन्द्र कुमार अहिरवार एवं पैरालीगल वालेंटियर द्वारा आज 12 नवम्बर 2025 को ग्राम खामखेड़ा तहसील व विदिशा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में विधिक जागरूकता शिविर एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता(क्वीज कॉपटीशन) का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने बढचढकर हिस्सा लिया। विद्यालय के समस्त शिक्षकगण, ग्राम पंचायत सरपंच श्री मनोज सोलंकी, ग्राम सचिव, जनपद सदस्य श्री आनंद बघेल एवं ग्राम के अन्य लोग व महिलाएं उपस्थित रहें। विद्यालय में न्यायाधीशगण, लीगल एड डिफेंस कार्उसिल एवं ग्राम पंचायत सरपंच द्वारा पौधा रोपण किया गया, तदोपरांत विद्यालय में मां सरस्वती के समक्ष द्वीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम को आगे बढाया गया। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री नितेन्द्र सिंह तोमर द्वारा बच्चों को मोटर व्हीकल एक्ट, पॉक्सो एक्ट एवं फी लीगल एड (मुफ्त कानूनी सहायता) से संबंधित कानून की जानकारी दी गयी। न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री कादिर खान द्वारा बच्चों एवं कार्यक्रम में उपस्थित गांव के लोगो को ष्नशे से दूरी क्यो है जरूरी' विषय पर चर्चा कर बच्चो को नशे से दूर रहने के लिये कहा गया एवं नशे से होने वाले दुष्परिणामों से अवगत कराया। न्यायिक मजिस्ट्रेट सुश्री अपूर्वा पाठक द्वारा एनिमल वेलफेयर एक्ट, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम एवं दहेज निषेध अधिनियम के बारे में जानकारी दी गयी।

कृषि यंत्रों की सहायता से नरवाई प्रबंधन हुआ आसान

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री अंशुल गुप्ता द्वारा जिले में चलाई जा रही नरवाई प्रबन्धन की मुहिम अंतर्गत नटेरन तहसील की ग्राम पंचायत जोगी किरोंदा के कृषक श्री दशरथ सिंह दांगी के मक्का की फसल की कर्वी को गौ ग्रास के रूप में प्रयोग में लाकर शेष अवशेषों को जलाने की परंपरागत नीति में बदलाव लाकर अपने फसल अवशेष में रोटावेटर चलाकर नरवाई प्रबन्धन के प्रति कृषकों को जागरूक करने के साथ-साथ अपने खेत की मृदा की उर्वरा शक्ति को बढ़ावा देने की ओर अग्रसर कदम उठाया गया है।

समयानुसार नरवाई प्रबन्धन जागरूकता अभियान भी किए गए : ग्राम पंचायत जोगी किरोंदा में विगत खरीफ फसल के पूर्व भी कृषि विभाग नटेरन द्वारा नरवाई प्रबंधन जागरूकता अभियान के तहत पंचायत स्तर पर कार्यक्रम एवं शपथ दिलाई गई थी और वर्तमान रबी सीजन के पूर्व भी सितंबर माह में विभाग के क्षेत्रीय कृषि अधिकारी द्वारा कृषकों को नरवाई प्रबन्धन जागरूकता अभियान के तहत शपथ दिलाई गई थी।

प्राकृतिक कृषि की ओर भी अग्रसर हैं पंचायत के कृषक

नटेरन के क्षेत्रीय कृषि विस्तार अधिकारी श्री अभिषेक जैन की निरंतर कार्यक्षेत्र की ओर निगरानी के चलते ग्राम पंचायत जोगी किरोंदा के कृषक श्री राजकुमार दांगी द्वारा विगत खरीफ सीजन में अपने खेत में सोयाबीन की फसल भी प्राकृतिक खेती के अंतर्गत लगाई गई थी जिसमें किसी भी तरह के रसायन का उपयोग नहीं किया गया था।

कलेक्टर ने गमाकर की कामधेनु गौशाला में नवाचारों का अवलोकन किया

गौ-प्रबंधन में नवाचार अन्य गौशालाओं के लिए बने प्रेरणास्रोत - कलेक्टर

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने बुधवार को ग्राम गमाकर स्थित कामधेनु गौशाला कनक बिहारी धाम का निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान उन्होंने गौ-प्रबंधन के क्षेत्र में किए जा रहे विभिन्न नवाचारों को देखा और उनकी सराहना की। गौशाला समिति के संचालक श्री कमलेश रघुवंशी ने कलेक्टर श्री गुप्ता को गौशाला के संचालन, पशुओं की देखभाल, गोबर से जैविक खाद, मूत्र से तैयार जैविक कीटनाशक तथा अन्य उत्पाद निर्माण संबंधी नवाचारों की जानकारी दी।

कलेक्टर श्री गुप्ता ने गौशाला परिसर की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि यहाँ अपनाए गए प्रबंधन एवं नवाचार अन्य गौशालाओं के लिए अनुकरणीय उदाहरण हैं। उन्होंने समिति को सतत सुधार एवं स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने कहा कि 'गौशालाएँ न केवल पशु संरक्षण का केंद्र हैं, बल्कि जैविक कृषि और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। ऐसे नवाचार आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की दिशा में सार्थक कदम हैं।' पीएम पोषण भोजन कार्यक्रम की व्यवस्था का निरीक्षण, किचन गार्डन बनाने व रसोइयों को आई कार्ड देने के निर्देश दिए है।कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने बुधवार को भ्रमण के दौरान ग्राम गमाकर की एकीकृत माध्यमिक शाला परिसर में संचालित स्कूलों में शैक्षणिक गतिविधियों के साथ साथ बच्चों को पीएम पोषण भोजन कार्यक्रम अंतर्गत किए गए नवाचारों की जानकारी जिला पंचायत की परियोजना अधिकारी श्रीमती कृति चैहान ने साझा की खासकर आन लाइन पोटल पर जिले की शत-प्रतिशत जानकारी दर्ज की जा रही है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने भी निरीक्षण की जानकारी आन लाइन समिट कराई है।

उन्होंने उपरोक्त कार्यो की भूरी भूरी तारीफ करते हुए हौसला अफजाई किया है। गांव की निराश्रित वयोवृद्ध श्रीमतीरामकली को हर रोज भोजन कराया जा रहा है।कलेक्टर श्री गुप्ता ने भोजन बनाने वाली महिला सदस्यों से चर्चा कर उन्हें मिलने वाली राशि की जानकारी प्राप्त करते हुए उन्होंने सभी रसोइयों को परिचय पत्र जारी करने के निर्देश दिए हैं निरीक्षण भ्रमण के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोदिया बासौदा समेत विभिन्न विभागों के जिला व खंड स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

ऐतिहासिक और धार्मिक धरोहर गोपाल मंदिर का किया औचक निरीक्षण

मुख्यमंत्री ने इंदौर के ऐतिहासिक दो मंजिला गोपाल मंदिर में दर्शन कर पूजा की

सीएम ने जीर्णोद्धार और विकास कार्यों का लिया जायजा

भोपाल/इंदौर (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को इंदौर के ऐतिहासिक और धार्मिक धरोहर गोपाल मंदिर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने मंदिर में पूजा-अर्चना भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव विकास कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर में नवनिर्मित सभागृह को 'गीता भवन' के रूप में विकसित किया गया है। गीता जयंती के अवसर पर इसे एक दिसंबर को जनता को समर्पित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह सभागृह 500 सीट का रहेगा। इसमें सभी अत्याधुनिक सुविधाएं रहेंगी। यह सभागृह धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व का केन्द्र बनेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गोपाल मंदिर में बच्चों को स्नेहपूर्वक दुलार किया और आसपास के दुकानदारों से भी चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूरे मंदिर परिसर में चल रहे विकास कार्यों और जीर्णोद्धार के कार्यों को देखा। उन्होंने निर्देश दिए कि मंदिर को अपने प्राचीन तथा गौरवशाली स्वरूप में पुर्नस्थापित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि गीता जयंती पर पूरे मध्यप्रदेश में विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। हर जिले में गीता भवन विकसित किए जाएंगे ताकि धार्मिक, सांस्कृतिक और अध्यात्मिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके।

निरीक्षण के दौरान जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, विधायक श्रीमती मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़, पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री दिलीप कुमार यादव, स्मार्ट सिटी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अर्थ जैन एवं श्री सुमित मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल थे।

सीएम का लाड़ली बहनों और स्वच्छता दीदियों ने जताया आभार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का शुक्रवार को इंदौर में लाड़ली बहनों और स्वच्छता दीदियों ने पुष्प-गुच्छ और पुष्प-मालाओं से स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का लाड़ली बहनों ने उन्हें हर माह 1500 रुपये दिए जाने और स्वच्छता दीदियों के लिए नगर निगम के माध्यम से अनेक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आभार जताया। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, विधायक श्रीमती मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़, पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री दिलीप कुमार यादव, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर श्री अमित सिंह, श्री सुमित मिश्रा, अपर आयुक्त नगर निगम श्री रोहित सिसोनिया एवं श्री सुमित मिश्रा सहित अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

इंदौर के प्रसिद्ध पोहे का लिया आनंद

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर के राजवाड़ा के एक रेस्टोरेंट में मौजूद लोगों से चर्चा की। उन्होंने इंदौर के प्रसिद्ध पोहे का आनंद भी लिया।

बिहार चुनाव में एनडीए की जीत, एमपी में जश्न

इंदौर में सीएम ने भाजपा कार्यकर्ताओं को खिलाए लड्डू, प्रदेशभर में आतिशबाजी

भोपाल (नप्र)। बिहार चुनाव के नतीजे साफ होने लगे हैं। 243 सीटों के रुझान में एनडीए रिकॉर्ड जीत की ओर है। एनडीए 204 सीटों पर आगे है। जबकि महागठबंधन 32 पर बढ़त बनाए हुए थी। एनडीए की स्पष्ट बहुमत वाली सरकार बनाती दिखाई दी।

इंदौर बीजेपी कार्यालय में जश्न में शामिल हुए सीएम- बिहार में एनडीए गठबंधन की जीत के बाद इंदौर बीजेपी कार्यालय में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव पहुंचे। सीएम ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ जीत का जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं को मिठाई खिलाकर बधाइयां दी। नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा के नेतृत्व में बीजेपी कार्यालय पर मुख्यमंत्री यादव का स्वागत किया गया।

इसके साथ ही मध्यप्रदेश भाजपा में जश्न का माहौल बन गया है। प्रदेश भाजपा कार्यालय में बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता पहुंचकर जीत का जश्न मना रहे हैं। इंदौर में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कार्यकर्ताओं को लड्डू खिलाकर खुशी जाहिर की। प्रदेशभर में आतिशबाजी हुई और मिठाइयां बांटी जा रही हैं।

सीएम के प्रचार वाली 21 सीटों पर एनडीए को बढ़त- बिहार चुनाव प्रचार में सीएम मोहन यादव ने एमपी से जाकर 25 विधानसभा सीटों पर प्रचार किया था। रुझानों के अनुसार इन सीटों पर उनका 84 प्रतिशत स्ट्राइक रेट रहा। 25 में से 21 सीटों पर एनडीए उम्मीदवार आगे हैं। हालांकि, अंतिम और आधिकारिक परिणाम थोड़ी देर में जारी होंगे।

मंत्री संपतिया उइके बोली-पूर्ण बहुमत की सरकार- बिहार चुनाव में एनडीए को मिली ऐतिहासिक सफलता पर पीएचई मंत्री संपतिया उईके ने कहा कि एनडीए के सभी प्रत्याशियों को जिताने के लिए कार्यकर्ताओं ने अथक प्रयास किए हैं, जो निश्चित रूप से बधाई के पात्र हैं।

एनडीए लगभग 200 सीटों के करीब पहुंच रहा है। इससे स्पष्ट है कि एनडीए की सरकार पूर्ण बहुमत के साथ बनेगी। सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरी उतरेगी।

रीवा में डिप्टी सीएम ने कार्यकर्ताओं के साथ मनाया जश्न- रीवा में डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने भाजपा कार्यालय पहुंचकर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ जीत का जश्न मनाया। इस दौरान एक-दूसरे को मिठाइयां बांटी गई और आतिशबाजी की गई।

मप्र भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने दी बधाई

मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए को बिहार में भारी बहुमत मिला है। मध्य प्रदेश के सभी भाजपा कार्यकर्ताओं की ओर से प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा जी को बधाई देता हूँ। साथ ही बिहार की जनता का आभार व्यक्त करता हूँ।

वीडी शर्मा बोले-बिहार में एनडीए की आंधी

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि बिहार में एनडीए की मात्र जीत नहीं, बिहार की जनता की जीत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में एनडीए की आंधी बही है। बिहार की जनता ने विकास को वोट दिया है। बिहार की जनता ने विकास का ट्रेंड तय किया है।

नरोत्तम बोले- मोदी संग नीतीश, आरजेडी फिनिश

पूर्व मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि बिहार में जो वोट चोरी की यात्रा निकाल रहे थे, आज बिहार की जनता ने उन्हें वोट चोरी का जवाब दे दिया। मैंने पहले ही कहा था कि राहुल गांधी दो अंकों तक नहीं पहुंच पाएंगे। उन्हें 10 सीटें भी नहीं मिल रही हैं।

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह बोले- जो शक था वो ही हुआ

जो मेरा शक था वही हुआ। 62 लाख वोट कटे 20 लाख वोट जुड़े उसमें से 5 लाख वोट बिना एसआईआर फॉर्म भरे बड़ा दिए गए। अधिकांश वोट गरीबों के दलितों के अल्प संख्यक वर्ग के कटे। उस पर ईवीएम पर तो शंका बनी हुई है। हमें अपने संगठन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। आज का चुनाव मतदान केंद्र पर सघन जनसंपर्क का है ना कि रैली व जनसभा का। विजयी प्रत्याशियों को बधाई एवं शुभकामनाएँ।

भोपाल में 78वां आलमी तबलीगी इज्तिमा

मलेशिया, सऊदी अरब, ईरान समेत 19 देशों से लोग पहुंचे, दिल्ली धमाके के बाद सुरक्षा कड़ी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के ईटखेड़ी में शुक्रवार को फजर की नमाज के बाद 78वां आलमी तबलीगी इज्तिमा शुरू हो गया। यह चार दिन (14 से 17 नवंबर) तक चलने वाला बड़ा धार्मिक कार्यक्रम है। इसमें लगभग 12 लाख लोगों के शामिल होने की संभावना है। इंडोनेशिया, केन्या, मलेशिया, सऊदी अरब, ईरान, मोरक्को सहित 19 देशों से जायरीन (श्रद्धालु) पहुंच चुके हैं और अभी भी लोगों का आना जारी है।

इस बार इज्तिमा का प्रबंधन पहले से ज्यादा बड़ा और व्यवस्थित है। मुख्य पंडाल 120 एकड़ में, पार्किंग 350 एकड़ में बनाई गई है और पूरा आयोजन क्षेत्र करीब 600 एकड़ में फैला है। दिल्ली में हुए विस्फोट के बाद सुरक्षा और भी कड़ी कर दी गई है। रेलवे स्टेशन से लेकर इज्तिमा-स्थल तक हर जगह सख्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

आईजी अभय सिंह ने बताया कि यह अंतरराष्ट्रीय स्तर का आयोजन है, इसलिए सुरक्षा, ट्रैफिक और इमरजेंसी सेवाओं के लिए सभी एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं।

रोजाना होंगी चार तकरीरें- इज्तिमा में हर दिन चार तकरीरें होंगी- फज्र, जोहर, असर और मगरिब के बाद। बता दें वक्ताओं के नाम पहले से घोषित नहीं किए जाते। तकरीरों में दीनी संदेश, सामाजिक सुधार और उम्मत की बेहतरी से जुड़ी बातें रखी जाती हैं। कमेटी सदस्य डॉ. उमर हफीज़ ने बताया कि हर तकरीर तय वक्त पर होगी और जायरीन इनसे सीधे जुड़ सकेंगे।

दिल्ली धमाके के बाद सख्त सुरक्षा- दिल्ली धमाके के बाद भोपाल रेलवे स्टेशन और आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था की गई है। जीआरपी ने पहली बार रेंडम बीएड एण्ड डीएस (बम डिस्टेशन एण्ड डिटेक्शंस एण्ड डिसपोल स्कावाड चेकिंग शुरू की है। प्लेटफॉर्म, पार्किंग एरिया और मालखानों में रोजाना दो बार तलाशी ली जा रही है। बुधवार को टीम ने 250 से 300 वाहनों की जांच की।

स्टेशन के प्रवेश और निकास द्वारों पर (हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर) और (डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर) लगाए गए हैं। जीआरपी एसपी राहुल लोढ़ा ने बताया, इज्तिमा के दौरान रोजाना दो बार अलग-अलग जगहों पर रेंडम चेकिंग होगी, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

भोपाल की 10 लेन सड़क पर सॉलिड वेस्ट का इस्तेमाल

एनएचएआई ने निगम से मांगा वेस्ट, 9000 पेड़ों की कटाई की वजह से अभी रुका काम

भोपाल (नप्र)। भोपाल के पहले 10 लेन अयोध्या बायपास प्रोजेक्ट में नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) करीब 10 लाख टन सूटेबल सॉलिड वेस्ट का इस्तेमाल करेगा। इसके लिए भोपाल नगर निगम से डिमांड भी की गई है। हालांकि, प्रोजेक्ट 9000 पेड़ों की कटाई की वजह से रुका हुआ है। एनएचएआई अफसरों का कहना है कि जब तक पेड़ काटने की अनुमति नहीं मिलती, तब तक प्रोजेक्ट रुका रहेगा।

यह सेंट्रल का प्रोजेक्ट है। पिछले साल दिसंबर में अयोध्या बायपास के चौड़ीकरण के टेंडर समेत अन्य प्रक्रिया पूरी होने के बाद एनएचएआई ने पेड़ काटने की सभी सरकारी अनुमति भी लेना थी, क्योंकि बायपास चौड़ीकरण का काम करने वाली एजेंसी और एनएचएआई के बीच जो अनुबंध हुआ है, उसके अनुसार पेड़ कटाई जैसी सरकारी अनुमतियां दिलाना एनएचएआई की जिम्मेदारी ही है। 11 अगस्त तक पेड़ कटाई की अनुमति मिलने और फिर काम शुरू होना था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

इसी बीच पेड़ कटाई का मामला एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल) में चला गया। इसके बाद एक अन्य मामले में एनजीटी ने आदेश दे दिया कि शहरों में कहीं भी 25 से अधिक पेड़ काटने की अनुमति हाई लेवल कमेटी देगी।

नवंबर में रिकॉर्ड बना रही सर्दी...पारा 8 डिग्री तक पहुंचा

भोपाल में 7 रातों से तापमान 9 डिग्री से कम; इंदौर-राजगढ़ भी ठंडे

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में नवंबर में ही सर्दी ने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। शुक्रवार की रात शिवपुरी सबसे ठंडा रहा। यहां पारा 8 डिग्री तक पहुंच गया। दूसरी ओर, भोपाल और इंदौर में पारे में थोड़ी बढ़ोतरी हुई, लेकिन ये 10 डिग्री के नीचे ही रहे। मौसम विभाग के अनुसार, भोपाल में तापमान 9.6 डिग्री रहा। पिछले सात दिन से पारा 8 डिग्री के आसपास था। इस वजह से ठंड का असर ज्यादा दिखाई दे रहा था। इंदौर में भी पारा 8.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबलपुर में 9.4 डिग्री, ग्वालियर में 10.5 डिग्री और उज्जैन में 11.8 डिग्री रहा।

दूसरी ओर, छतरपुर के नौगांव और राजगढ़ में 8.2 डिग्री, उमरिया में 8.6 डिग्री, रीवा में 8.8 डिग्री, छिंदवाड़ा और बालाघाट के मलाजखंड में तापमान 9.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि मंडला में 9.6 डिग्री रहा।

मौसम एक्सपर्ट पीके शाह बताते हैं कि उत्तर से आने वाले बर्फीली हवाओं का असर ग्वालियर, चंबल, उज्जैन, इंदौर, सागर और भोपाल संभाग के जिलों में ज्यादा दिखाई दे रहा है। पचमढ़ी दक्षिणी हिस्से में है। यहां तक हवा उतनी रफ्तार से नहीं आ रही है। इस वजह से यहां की रातें भोपाल-इंदौर जितनी ठंडी नहीं है।

डिंडौरी में शीतलहर के चलते सभी स्कूल का समय सुबह साढ़े आठ बजे से कर दिया गया। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने देर रात आदेश जारी किए।

देहरादून-शिमला से ठंडा इंदौर- मौसम विभाग के अनुसार, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के कई शहर ऐसे हैं, जहां रात का पारा भोपाल और इंदौर से भी अधिक है। बुधवार-गुरुवार की रात देहरादून में तापमान 10 डिग्री, हिमाचल प्रदेश के शिमला में 8.2 डिग्री और ऊना में 8 डिग्री रहा। यदि इंदौर की बात करें तो यहां 7.6 डिग्री और भोपाल में 8.2 डिग्री रहा।

युवक की चाकू से गोदकर हत्या

घर में मिली खून से लथपथ लाश पुलिस ने शुरू की जांच

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कमला नगर में होटल कर्मचारी की धारदार हथियार से गोदकर हत्या कर दी। बॉडी आज सुबह मृतक के नया बसेरा स्थित घर में बिस्तर पर मिली है। गले पर भी चाकू से वार किए गए हैं। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम किया है। पुलिस का कहना है कि हत्या का केस दर्ज किया जा रहा है।

टीआई निरूपा पांडे ने बताया कि धर्मेंद्र सिंह चौहान (36) नया बसेरा में रहता था और होटल में वेटर का काम करता था। गुरुवार की रात को ड्यूटी से लौटने के बाद खाने के बाद घर में सो गया था। उसकी पत्नी तीनों बेटियों के साथ मायके में रह रही है। आठ साल का बेटा और पिता उसके साथ घर में रहते हैं। घटना के समय दोनों दूसरे कमरे में सो रहे थे। सुबह पिता ने उठने के बाद बेटे के खून से सने शव को बिस्तर पर देखा और डायल 100 को सूचना दी। सूचना के बाद टीआई स्टाफ के साथ मौके पर पहुंची।

पिता बोले- किसने और क्यों बेटे को मारा जानकारी नहीं- शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है। हत्या किसने और क्यों की इस बात का खुलासा नहीं हो सका है। पिता ने हत्या के संबंध में किसी तरह की जानकारी होने से इनकार कर दिया। बेटे को किसने और कब घर में घुसकर मारा इस बात की जानकारी उन्हें नहीं है।

20 घंटे जाम, पुलिस गायब, लोग भूखे-प्यासे फंसे

एमपी-महाराष्ट्र बॉर्डर पर बिजासन घाट में कई ट्रक-कंटेनर फंसे रहे, पुलिस ने खुलवाया ट्रैफिक

सेंधवा (नप्र)। बड़वानी में मुंबई-आगरा नेशनल हाईवे पर लगा जाम 20 घंटे बाद शुक्रवार सुबह 10 बजे खुल पाया। हालांकि अभी भी वाहन रेंगते हुए निकल रहे हैं। कई ट्रक चालकों का कहना है कि घाट पर जाम से वाहन गर्म होकर खराब हो गए हैं। इंजन काम नहीं कर रहे। शुक्रवार सुबह 9.30 बजे तक केवल दो पुलिसकर्मी जाम खुलवाने का प्रयास कर रहे थे। सेंधवा का पुलिस बल सीएम की ड्यूटी में लगाया गया है। जाम में हालात बिगड़ने पर अन्य पुलिसकर्मी पहुंचे और मुंबई जाने वाले मार्ग का जाम खुलवाया गया। इंदौर जाने वाले मार्ग से भी जाम खुलवाया जा रहा है। तीन किलोमीटर में घंटों से फंसे वाहन अब धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे हैं। यह जाम गुरुवार दोपहर 3 बजे हुए हादसे के बाद शुरू हुआ था। सेंधवा के बिजासन घाट में एक कंटेनर ने पिकअप और ट्रक को टक्कर मार दी थी, जिसमें तीन लोग घायल हो गए थे। हादसे के बाद मौके पर चौकी और दो थानों का पुलिस बल पहुंचा और क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाया गया।

रॉन्ग साइड से निकल रहे थे वाहन- हादसे में क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने के बाद आवाजाही शुरू हुई थी, लेकिन कई वाहन रॉन्ग साइड से निकलने लगे। इसी कारण जाम बढ़ता चला गया। पूरी रात वाहन धीमे-धीमे आगे बढ़ते रहे। शुक्रवार सुबह भी 10 बजे तक यही हाल रहा।

सुबह हालात बिगड़ने पर पहुंचा पुलिस बल- जाम की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर केवल दो पुलिसकर्मी तैनात थे, जो रातभर से जाम खुलवाने की कोशिश करते रहे। सेंधवा का अधिकांश पुलिस बल मुख्यमंत्री की ड्यूटी में पानसेमल गया हुआ है, जिसके कारण यहां केवल एक प्रधान आरक्षक और एक आरक्षक ही मौजूद थे। हाईवे मेंटेनेंस के कुछ कर्मचारी भी सहयोग कर रहे थे। हालात बिगड़ने पर अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और जाम खुलवाया गया।

रातभर लगे जाम से वाहनों के इंजन बंद हो गए- जाम में फंसे ट्रेलर के ड्राइवर सीताराम ने बताया, बेल्लारी से सरिए भरकर दिल्ली जा रहा था। गुरुवार रात को बिजासन घाट पहुंचा। यहां जाम लगा हुआ था। इस दौरान घाट चढ़ते समय बिजासन मंदिर के पहले वाहन गर्म हो गया और रास्ते में ही दम तोड़ दिया। वाहन का इंजन काम नहीं कर रहा। रात से परेशान हो रहे हैं। समय पर दिल्ली नहीं पहुंचेंगे। काफी परेशानी जाएगी।

ट्रक चालक किशोर क्राइल भरकर दिल्ली जा रहा था। उसने बताया कि बिजासन घाट में कल रात से सुबह तक फंसे रहे। घंटों तक खाने-पीने के लिए कुछ नहीं मिला। घाट में नेटवर्क की समस्या रहती है। ट्रैफिक के कारण घाट चढ़ाई में ट्रक भी खराब हो गया।

निजी कार्यक्रम में जाना था, लेकिन जाम में फंस गए- परिवार के साथ धार जा रहे महाराष्ट्र निवासी जितेंद्र पाटिल ने बताया, एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जा रहे थे। घर से जल्दी निकले, लेकिन बिजासन घाट में आकर फंस गए। यहां ट्रैफिक जाम के चलते काफी परेशान हुए। घाट पर किसी तरह की व्यवस्था नहीं मिली। आगे ओंकारेश्वर और महाकालेश्वर दर्शन करने के लिए भी जाना था, लेकिन घाट में ही देर होने से अब समय पर नहीं पहुंच पाएंगे।

बिजासन घाट पर तीन ब्लैक स्पॉट

स्थानीय निवासी सचिन जायसवाल ने बताया कि बिजासन घाट में तीन ब्लैक स्पॉट हैं - चिड़ी मोड़, डबल पुलिया और पुलिस चौकी के सामने। यहां आए दिन हादसे होते रहते हैं। हाईवे करीब 40 फीट चौड़ा है, लेकिन घाट में ढलान ज्यादा होने और मोड़ होने के कारण हादसे होते हैं। यहां घाट पर सड़क की चौड़ाई बढ़ाने और मोड़ खत्म करने की जरूरत है।

पुलिस बल की कमी से बढ़ा जाम

पुलिस बल की कमी के कारण भी बिजासन घाट में जाम बढ़ता गया। पुलिस चौकी के करीब चार से अधिक पुलिसकर्मियों की ड्यूटी सीएम दौरे में लगाई गई है, जिससे चौकी पर केवल दो ही पुलिसकर्मी थे।

सेंधवा ग्रामीण थाना और शहर थाना से कुछ पुलिसकर्मी सहयोग के लिए आए, लेकिन वह भी कुछ हद तक ट्रैफिक क्लियर करवाने के बाद लौट गए। रात में भी केवल दो ही पुलिसकर्मी और हाईवे के कुछ कर्मचारी ट्रैफिक खुलवाने में मदद करते रहे।